शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 150 | गुवाहाटी | बुधवार, 21 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आत्म-निर्भर भारत के उपाय सुझाएं समाजशास्त्री : प्रो. मुखी — पेज 3
'केप टू रियो रेस' में हिस्सा लेगी भारतीय नौसेना की आईएनएसवी तारिणी — पेज 4
राज्यसभा के शून्यकाल में सांसद सजंय सिंह उठाएंगे बलवंत सिंह का मामला — पेज 5
राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के आखिरी दिन गहलोत बोले, यात्रा हमारे लिए वरदान — पेज 8

कोरोना प्रभावित पुरोहितों, नामघरिया समुदाय के प्रत्येक को चेक

धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठानों में बहुत महीन रेखा : सीएम

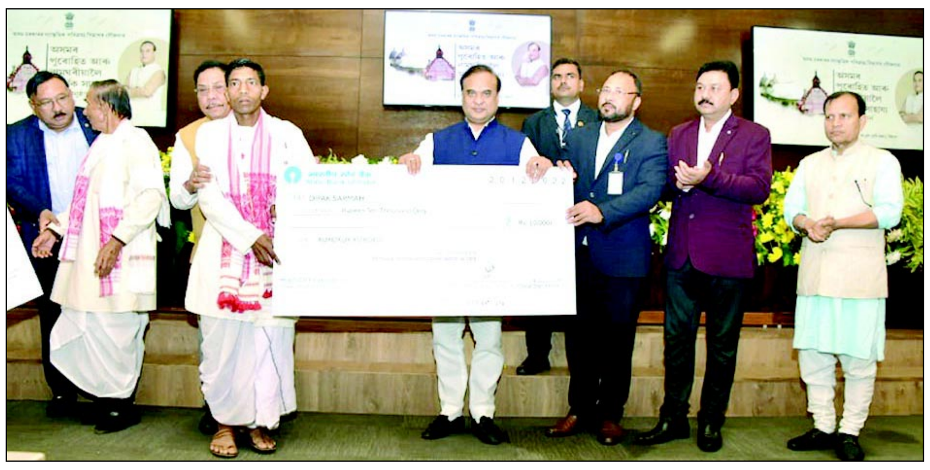

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को जनता भवन (असम सचिवालय) में आयोजित एक समारोह में सरकार की ओर से राज्य के 6,124 नामघरिया और 2,148 पुरोहितों (पुजारियों) को औपचारिक रूप से 10-10 हजार रुपए की एकमुश्त वित्तीय आर्थिक सहायता प्रदान की। असम ने राज्य की कोरोना प्रभावित आबादी को वित्तीय सहायता देने का वादा किया है। इस पहल के लाभार्थियों की भारी संख्या के कारण, जनता भवन में 10 पुरोहितों और 10 नामघरिया को प्रतीकात्मक रूप से 10 हजार रुपए के चेक सौंपे गए। शेष हितग्राहियों को उनके संबंधित खातों में बैंक हस्तांतरण के माध्यम से राशि प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह पहल सरकार द्वारा पुरोहितों और नामघरिया को कोरोना के चरम पर रहने के दौरान हुई कठिनाइयों के कारण की गई है, जब महामारी के प्रसार को रोकने के लिए मंदिरों और मठों को बंद कर दिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि नव-वैष्णव मठ और मंदिर न केवल असम के लोगों के दैनिक जीवन में आध्यात्मिक और धार्मिक भूमिका निभाते हैं, बल्कि सांस्कृतिक महत्व भी रखते हैं। दुर्गा पूजा के दौरान ओजापाली के प्रदर्शन का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में धार्मिक अनुष्ठानों और सांस्कृतिक अनुष्ठानों के बीच अंतर की बहुत महीन रेखा है। उन्होंने कहा कि असमिया -शेष पृष्ठ दो पर

बीटीसी परिषदीय सरकार के दो वर्ष पूरे

समझौता शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त करता है : राज्यपाल

कोकराझाड़ (हि.स.)। राज्यपाल प्रो जगदीश मुखी ने कहा कि 27 जनवरी 2020 को हस्ताक्षरित ऐतिहासिक बीटीआर समझौते ने बीटीआर में सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को बदलने का मार्ग प्रशस्त किया जिससे इस क्षेत्र में पूर्ण शांति आ गई। राज्यपाल ने आज कोकराझाड़ में बीटीसी परिषदीय सरकार के दो साल पूरे होने पर बोलते हुए कहा कि समझौता एक

ऐतिहासिक घटना थी जिसने बीटीआर में मूर्त शांति और विकास को एक वास्तविकता बना दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को इस ऐतिहासिक समझौते को वास्तविकता बनाने में उनके अमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद देते हुए, राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि -शेष पृष्ठ दो पर

स्मृति ईरानी पर टिप्पणी करना पड़ा भारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ *महिला विरोधी* और *अपमानजनक* टिप्पणी करने को लेकर कांग्रेस नेता अजय राय को मंगलवार को तलब किया। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के नेता अजय राय ने सोमवार को कहा था कि ईरानी केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र अमेठी में *लटका* और *झटका* दिखाने आती हैं। इसके बाद भाजपा ने इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। एनसीडब्ल्यू ने कहा कि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ कांग्रेस नेता अजय राय द्वारा की गई एक -शेष पृष्ठ दो पर

एंबुलेंस ड्राइवर ने पी और पिलाई

भुवनेश्वर। ओडिशा में एक एंबुलेंस चालक ने मरीज के साथ ऐसी हरकत की है, जिसे सुनकर कोई भी अपना सिर पकड़ लेगा। दरअसल, यहां के जगतसिंहपुर जिले में एंबुलेंस चालक ने अस्पताल जाते समय रास्ते में वाहन को रोककर न सिर्फ शराब पी, बल्कि घायल यात्री को भी पिलाई। घटना तीर्तोल इलाके की बताई गई है और इसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। एंबुलेंस चालक हाईवे के किनारे वाहन को रोकता है और पास की एक शराब की दुकान में जाता है और शराब खरीद कर लाता है। पहले खुद शराब पीता है और फिर मरीज को पीने के लिए देता है। वीडियो में पैर में प्लास्टर बंधा मरीज स्ट्रेचर पर लेटकर शराब पीता दिख रहा है। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने इसका वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर -शेष पृष्ठ दो पर

दस श्रम कानून संशोधन विधेयक पेश

गुवाहाटी। असम सरकार ने मंगलवार को निजी क्षेत्र के कर्मचारियों से जुड़े दस श्रम कानून संशोधन विधेयक पेश किए। इन सभी विधेयकों में कारावास को दंडात्मक व्यवस्था से हटाया गया है, जबकि जुर्माने की राशि को कई गुना बढ़ा दिया गया है। श्रम कल्याण मंत्री संजय किशन ने शीतकालीन सत्र के पहले विधानसभा में विधेयकों को पेश किया। मंत्री ने कहा कि सभी श्रम कानूनों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए प्रस्तावित संशोधन नागरिक दंड से लगाकर लाए गए हैं। एक बयान में उन्होंने कहा कि गैर-अपराधीकरण के पीछे का तर्क यह है कि आर्थिक अपराधों के लिए कारावास बहुत गंभीर सजा है। इसमें दुर्भावना शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि कारावास से जुड़े अपराध के आसपास कानूनी प्रक्रिया नियोक्ताओं के बीच चिंता को बहुत बढ़ा देती है। इस तरह की प्रक्रियाओं की संभावना कम होने से व्यापार करने में आसानी होती है। किशन ने कहा कि आपराधिक दंड, खासतौर पर कारावास का डर, अक्सर अनजाने में किए गए अपराध, -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

बिहार का जहरीली शराब कांड संसद में, एनएचआरसी की टीम पहुंची पटना

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को भाजपा सदस्यों ने बिहार में जहरीली शराब से हुई मौतों का मुद्दा उठाया और राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग की। जदयू ने मानवाधिकार आयोग से जांच का विरोध किया है। बिहार के पटना साहिब से भाजपा के लोकसभा सदस्य एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को शून्य काल में मुद्दा उठाते हुए कहा कि छपरा में जहरीली शराब से मरनेवालों का पोस्टमार्टम भी नहीं कराया गया। उन्होंने इसे मानवाधिकार का उल्लंघन बताया। उन्होंने मांग की कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग को राज्य का दौरा कर जांच करनी चाहिए, क्योंकि मरने वालों में से कई कम आयु के भी थे। दो अन्य सदस्यों भाजपा के जनार्दन सिंह तथा लोजपा के चिराग पासवान ने भी आरोप लगाया कि बिहार सरकार कुछ तथ्य छिपा रही है। उन्होंने कहा कि छपरा में मरनेवालों की संख्या रोज बढ़ रही -शेष पृष्ठ दो पर

संसद में भोजन : मोदी ने धनखड़ और खरगे के साथ उठाया लुत्फ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को संसद में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और उपराष्ट्रपति जगदीप धखड़ के साथ दोपहर का भोजन किया। इस दौरान उन्हें बाजरे के व्यंजन परोसे गए। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल्स से लिखा है, साल 2023 को हम अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में चिह्नित करने की तैयारी कर रहे हैं। हमें संसद में दोपहर के भोजन में बाजरे के व्यंजन परोसे गए। इसमें पार्टी लाइन से हटकर सभी की भागीदारी देखकर अच्छा लगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री करीब चालीस मिनट तक रहे। भोजन करने के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी के साथ कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा बैठे थे। कृषि राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

अमेरिका-चीन में बढ़ा कोरोना संकट

राज्य बढ़ाए जीनोम सीक्वेंसिंग : केंद्र

नई दिल्ली। चीन में कोरोना वायरस से अभी भी कोहराम मचा हुआ है। चीन के अलावा जापान, अमेरिका, ब्राजील और कोरिया में भी मामलों में अचानक वृद्धि देखी जा रही है। यही कारण है कि भारत में भी इसको लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। सरकार की ओर से सभी राज्यों को पत्र भी लिखा गया है। इस पत्र में लिखा गया है कि जापान, अमेरिका, कोरिया, ब्राजील और चीन में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के मद्देनजर देश में भी कोरोना के पॉजिटिव केसों की जिनोम सीक्वेंसिंग -शेष पृष्ठ दो पर

सीमा पर भारत बना रहा पहला हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट, चीन को लगेगा करंट

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प के बाद अब वहां हालात सामान्य बने हुए हैं। यहां भारतीय सेना के जवानों ने अपनी बहदुरी से चीनी सैनिकों के इरादों पर पानी फेर दिया है। जानकारी के अनुसार एलएसी पर भारत अपना पहला हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट बना रहा है। इस प्रोजेक्ट से चीन घबरा रहा है। जानकारी के अनुसार इस प्रोजेक्ट को बनाने में 47 करोड़ की लागत आएंगी। यह प्रोजेक्ट भारत ताकसांग चू नदी पर बना रहा है। यहीं नहीं इस प्रोजेक्ट के चलते भारत चीन बॉर्डर के आखिरी गांव टी गोम्पा को अब मिलेगी 24 घंटे लाइट। इस प्रोजेक्ट से चीन को ताकसांग चू नदी के पानी में मिलेगे करंट के झटके। तवांग मठ के भिक्षु की चीन को चुनौती देते हुए कहा कि चीन की सरकार हमेशा दूसरे देशों के इलाकों पर नजर रखती है और यह पूरी तरह से गलत है। उनकी नजर भारत की जमीन पर भी है। अगर वे दुनिया में शांति चाहते हैं तो उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। सरकार और भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

रामदेव की दिव्य फार्मेसी समेत 16 कंपनियां नेपाल में बैन

काठमांडू। भारतीय दवा निर्माताओं पर नेपाल की सरकार ने एक सख्त फैसला लिया है। दरअसल, नेपाल के ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने 16 भारतीय दवा कंपनियों की एक सूची प्रकाशित की है। एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के मुताबिक ये कंपनियां विश्व स्वास्थ्य संगठन की अच्छी मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस के नियमों का पालन करने में विफल रही हैं। इस वजह से ये सभी कंपनियां नेपाल में प्रतिबंधित की जा रही हैं। एक एक रिपोर्ट के मुताबिक डिपार्टमेंट ने जिन कंपनियों को प्रतिबंधित किया है उनमें योगगुरु रामदेव की हरिद्वार स्थित दिव्य फार्मेसी भी शामिल है। इसके अलावा रेडियंट -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

शत्रु दण्ड नीति के ही योग्य है।
– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

सीमा विवाद : केंद्र के स्पष्टीकरण से कांग्रेस नाखुश

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत-चीन सीमा विवाद मुद्दे पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के जवाब पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि हम भारत के विदेश मंत्री के इस कथन से पूर्णतया सहमत हैं कि हमारे जवानों का *सम्मान, सराहना और सत्कार* किया जाना चाहिए, क्योंकि वे हमारे प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ डटकर खड़े हैं। लेकिन क्या यह वही सम्मान की भावना थी, जिसने प्रधानमंत्री मोदी को 19 जून, 2020 की उस घटना के बाद, जिसमें हमारी सीमाओं की रक्षा करते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

पाक आर्मी ने 33 आतंकी मारे

16 मौलवियों की बात भी नहीं माने तालिबान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बन्नु जिले में काउंटर टेररिज्म सेंटर (सीटीडी) पर कब्जा करने वाले तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के 33 आतंकियों को फौज ने मार गिराया है। डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ ने संसद को यह जानकारी दी। ऑपरेशन में 2 कमांडो भी मारे गए हैं। करीब तीन दिन से टीटीपी के आतंकी एक मेजर समेत चार फौजियों को बंधक बनाए हुए थे। पाकिस्तान ने इस मसले को सुलझाने के लिए 16 मौलवियों की एक टीम अफगानिस्तान बातचीत के लिए भेजी थी। इनकी कोशिश यह थी कि अफगान तालिबान को इस बात के लिए तैयार किया जाए कि वो टीटीपी आतंकियों को सरेंडर के लिए तैयार करे। ये कोशिश नाकाम साबित हुई। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि टीटीपी के आतंकी अफगानिस्तान जाने के लिए हेलिकॉप्टर की मांग कर रहे थे। इसके बाद पाकिस्तानी फौज ने मिलिट्री ऑपरेशन किया जो 40 घंटों तक चला। टीटीपी के आतंकियों ने खैबर पख्तूनख्वा राज्य के बन्नु जिले में आतंकवाद विरोधी सेंटर पर कब्जा कर लिया था। चार फौजियों समेत -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रह्मपुत्र तैर कर उमानंद मंदिर परिसर में सुबह आता बाघ।

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

खड़गे के कुत्ते वाले बयान पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली। संसद का विंटर सेशन समय से पहले खत्म हो सकता है। खबरों के मुताबिक, यह सेशन 23 दिसंबर को समाप्त हो जाएगा। यह फैसला बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में लिया गया, जो लोकसभा और राज्यसभा के शेड्यूल को मैनेज करती है। शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर को शुरू हुआ था, जो 29 दिसंबर तक चलना था। उधर, राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे के कुत्ते वाले बयान पर भारी हंगामा हुआ। भाजपा ने खड़गे से माफी की मांग की। उधर, खड़गे का कहना है कि उन्होंने जो कहा वह सदन के बाहर कहा था। सांसद पीयूष गोयल ने कहा कि रविवार को अलवर में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने अभद्र भाषण दिया। उन्होंने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, निराधार बातें कहीं और देश के सामने झूठ पेश करने की कोशिश की। खड़गे को भाजपा, संसद और इस देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। खड़गे ने अपनी मानसिकता की झलक दिखा दी है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने राजस्थान के अलवर में रविवार को कहा था कि हमने देश को आजादी दिलाई और देश की एकता के लिए इंदिरा और राजीव गांधी ने अपनी जान की कुर्बानी दी। हमारे पार्टी के नेताओं ने अपनी जान दी, आपने क्या किया? आपके घर में कोई देश के लिए कुत्ता तक मरा है? क्या (किसी ने) कोई कुर्बानी दी है? नहीं। राज्यसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई। करीब 15 मिनट ही गुजरे थे। भाजपा सांसदों ने खड़गे से माफी मांगने की अपील की। मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि आजादी के बाद महात्मा गांधी ने कहा था कि कांग्रेस को भंग कर देना चाहिए। खड़गे जी इसका जीता जागता उदाहरण हैं और देश को दिखा रहे हैं कि गांधी जी ने जो कहा वह सच था और वह एक ऐसे राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं जो बोलना नहीं जानते। जब तक वह माफी नहीं मांगते, उन्हें यहां रहने का कोई अधिकार नहीं है। उधर, खड़गे ने कहा कि मैंने राजस्थान के अलवर में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जो कहा वह सदन के बाहर था। मैंने जो कहा वह राजनीतिक रूप से सदन के बाहर था, भीतर नहीं। उस पर यहां चर्चा करने की जरूरत नहीं है। मैं अभी भी कह सकता हूं कि स्वतंत्रता संग्राम में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले आज भाजपा की संसदीय दल की मीटिंग हुई। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह पहुंचे। मीटिंग में संसद में चल रही कार्यवाही पर चर्चा हुई। इससे पहले 14 दिसंबर को भाजपा की बैठक में पीएम मोदी के लिए लगातार 3 मिनट तक तालियां बजी थीं। ये स्वागत गुजरात में जीत के लिए किया गया था। इधर, संसद परिसर में आज सभी सांसदों के लंच की व्यवस्था केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने की। पीएम मोदी भी दोपहर के भोजन में शामिल हुए। पीएम ने 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स घोषित किया है। इसी के तहत संसद में आज ज्वार, बाजरा और रागी से बनी डिशेस परोसी गईं।

सामाजिक प्रगति सूचकांक में पुडुचेरी, लक्षद्वीप और गोवा ने किया सबसे अच्छा प्रदर्शन

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने मंगलवार को राज्यों और जिलों के लिए सामाजिक प्रगति सूचकांक (एसपीआई) जारी किया। इसमें पुदुच्चेतरी, लक्षद्वीप और गोवा सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे हैं और एजल (मिजोरम), सोलन (हिमाचल प्रदेश), और शिमला (हिमाचल प्रदेश) सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 3 जिले हैं। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने मंगलवार को इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पिटिटिवनेस एंड सोशल प्रोग्रेस इम्पेरेटिव के साथ आज ईएसी-पीएम द्वारा अनिवार्य भारत के राज्यों और जिलों के लिए सामाजिक प्रगति सूचकांक जारी किया। पुडुचेरी का देश में उच्चतम एसपीआई स्कोर 65.99 है, जिसका श्रेय व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद, आश्रय, और जल और स्वच्छता जैसे घटकों में इसके उल्लेखनीय प्रदर्शन को दिया जाता है। लक्षद्वीप और गोवा क्रमश: 65.89 और 65.53 के स्कोर के साथ इसके पीछे हैं। झारखंड और बिहार ने सबसे कम, क्रमश: 43.95 और 44.47 स्कोर किया। बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं के परिमाण के लिए, गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और चंडीगढ़ अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तुलना में जल और स्वच्छता और आश्रय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शीर्ष चार राज्य हैं। इसके अलावा, गोवा का जल और स्वच्छता के लिए उच्चतम घटक स्कोर है, इसके बाद केरल है, पोषण और बुनियादी चिकित्सा देखभाल घटक में जिसका उच्चतम स्कोर है। आश्रय और व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए, चंडीगढ़ और नागालैंड क्रमश: प्रबल दावेदार के रूप में उभरे हैं। मिजोरम, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और गोवा कल्याण की नींव के लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे हैं। बेसिक नॉलेज घटक तक पहुंच के आयाम के भीतर, पंजाब का उच्चतम घटक स्कोर 62.92 है, जबकि दिल्ली 71.30 के स्कोर के साथ सूचना और संचार तक पहुंच की सूची में सबसे ऊपर है। स्वास्थ्य और कल्याण के लिए, राजस्थान का उच्चतम घटक स्कोर 73.74 है। पर्यावरणीय गुणवत्ता के लिए, पूर्वोत्तर क्षेत्र के शीर्ष तीन राज्य मिजोरम, नागालैंड और मेघालय हैं। अंत में, तमिलनाडु ने अवसर आयाम के लिए 72.00 का उच्चतम घटक स्कोर हासिल किया है। इस आयाम के भीतर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का व्यक्तिगत अधिकारों के लिए उच्चतम घटक स्कोर है, जबकि सिक्किम समावेशिता की सूची में सबसे ऊपर है। पुडुचेरी को इस आयाम में दो घटकों में उच्चतम स्कोर, अर्थात, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद और उन्नत शिक्षा तक पहुंच की उपलब्धि में देखना सराहनीय है।

ट्रक-बस के टक्कर में कई यात्री घायल

गोलाघाट (हि.स.)। गोलाघाट जिलांतर्गत बोकाखात के लताबाड़ी में हुई सड़क दुर्घटना एक ट्रक ने एक नाइट बस को टक्कर मार दी, जिसमें बस के चालक और खलासी सहित कई यात्री घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया है कि बीती रात नाइट सुपर बस (एएस-05एसी-0600) गुवाहाटी से गोलाघाट जा रही थी, इसी दौरान बोकाखात में लताबाड़ी के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने आमने-सामने से टक्कर मार दी। इस हादसे में नाइटर सुपर बस के चालक और खलासी सहित कई यात्री घायल हो गए। घायलों को बोकाखात के शहीद कमलामिरी अनुमंडलीय सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। कमोबेश घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जाने दिया गया। इस बीच बोकाखात ट्रैफिक पुलिस हादसे का कारण बने ट्रक की तलाश कर रही है लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला है। हादसे के बाद चालक समेत ट्रक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

बटद्रवा में अवैध भूमि से कब्जा हटाने को लेकर विवाद

नगांव (हि.स.)। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली बटद्रवा के आसपास की हजारों बीघा जमीन पर अवैध कब्जे को प्रशासन ने हटाने के लिए अभियान शुरू किया है। इसके लिए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। दरअसल, बटद्रवा थान (मंदिर) प्रबंध समिति सहित विभिन्न दल एवं कई संगठन महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली बटद्रवा के आसपास की जमीन से अतिक्रमण हटाने की मांग सरकार से काफी समय से कर रहे थे। सोमवार से नगांव जिला प्रशासन ने भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाओ अभियान आरंभ किया, जो देर रात तक जारी रहा। जिला प्रशासन ने सबसे पहले शांतिजान बाजार और फिर हाइडूबी रिजर्व, सरकारी कृषि बीज फार्म, भोमोरागुड़ी लालुंगगांव, जमाई बस्ती और बीती रात को कदमनी स्थित बरहीसा किस्मत भूमि से अतिक्रमण हटाया गया। इस बीच, कई विस्थापित भूमिहीन परिवार खुले आसमान के नीचे बीती रात बिताया। दावा किया जा रहा है कि पूर्व में उन्होंने राजनीतिक नेताओं के संरक्षण में इस जमीन पर कब्जा कर लिया था। बटद्रवा के शांतिजान बाजार, हाइडुबी, भोमोरागुड़ी ग्रेजिंग रिजर्व से अतिक्रमण हटाने के अभियान के बाद हजारों पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। वहीं, दूसरी ओर सोमवार को अवैध भूमि से हटाए गए कुछ लोगों ने मंगलवार को फिर से बेदखल की गई जमीन पर अस्थायी निर्माण शुरू कर दिया है। अवैध भूमि से हटाने जाने से आक्रोशित लोगों का कहनाा है कि हमें पूर्व मंत्री दिगेन बोरा और गौतम बोरा ने यहां बैठने की अनुमति दी। इस अतिक्रमित भूमि पर ही सरकार ने स्कूल बनाए, उन्हें सरकारी आवास दिया, इसलिए हम किसी भी कारण से इस जमीन को नहीं छोड़ेंगे, चाहे सरकार हमें गोली ही क्यों न मार दे। हालांकि, जिला प्रशासन पूरी तरह से मुश्तैद है।

सातवां असम अंतर्राष्ट्रीय कृषि-बागवानी शो 2022 में युवाओं के लिए अवसरों पर केंद्रित

गुवाहाटी (विभास)। कृषि विभाग और बागवानी और खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय, असम की ओर से आयोजित चार दिवसीय 7वां असम अंतर्राष्ट्रीय कृषि-बागवानी शो 2022 का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। चार दिवसीय बागवानी शो 17 दिसंबर से शुरु होकर 20 दिसंबर 2022 तक आयोजित हुआ। असम के माननीय मुख्यमंत्री, डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कृषि में युवा पुनर्जागरण थीम के तहत कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य कृषि और बागवानी के क्षेत्र में हितधारकों को समर्थन देने के उद्देश्य से वैज्ञानिक रूप से उत्पादित कृषि-बागवानी उत्पादों को प्रदर्शित करना और किसान उत्पादक कंपनियों और युवा उद्यमियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना था। डीएच एंड एफपी, असम के तहत एमओवीसीडी-एनईआर, असम सहित सभी योजनाओं ने कृषि-बागवानी मंडप में अपनी उपज का प्रदर्शन किया। एफपीसी ने क्रेता-विक्रेता बैठक में भी भाग लिया। लगभग 15 अंतर्राष्ट्रीय खरीददारों ने अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उत्पादों के निर्यात में रुचि ली। विभिन्न जिलों में कृषि एवं उद्यानिकी के क्षेत्र में समस्याओं के समाधान के लिए विभाग के अधिकारियों के बीच तकनीकी सत्र एवं चर्चा हुई। त्रिरंगा भरतीया बोरा, निदेशक, डीएच एंड एफपी, असम ने कहा कि अतुल बोरा, माननीय कृषि मंत्री ने युवाओं को कृषि और बागवानी के क्षेत्र में लाने के लिए एक दृष्टिकोण साझा किया, जिससे वे इसे एक लाभदायक कमाई के स्रोत के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित हुए। इसलिए, हम किसानों के लिए व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य फसलें उगाने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से कई प्रशिक्षण कार्यक्रम लेकर आए हैं। इस आयोजन में पहली बार 412 स्टॉल लगाए गए जो असम के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

कांग्रेस नेता श्मशान घाट कार्यालय में मृत मिले

गुवाहाटी (विभास)। असम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजू प्रसाद शर्मा मंगलवार को यहां एक श्मशान घाट के कार्यालय में मृत पाए गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि वह कार्यालय में फंदे से लटकते मिले। पुलिस के मुताबिक, उनके पास से एक नोट मिला है, जिसमें कहा गया है कि उनकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच से संकेत मिला है कि उन्होंने खुदकुशी की है, लेकिन सभी पहलुओं पर गौर किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शर्मा (65) अविवाहित थे और काफी धार्मिक थे। सूत्रों ने कहा कि वह अक्सर श्मशान घाट जाते थे और वहां ध्यान करते थे। पोस्टमॉर्टम के बाद उनके पार्थिव शरीर को पार्टी मुख्यालय लाया गया, जहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा समेत वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

No. DVL-27/Women Empowerment/2022-23/2482

E-Tender

Director of A.H. & Veterinary Department, Assam, Chenikuthi, Guwahati-781003 invites e-Tenders from eligible bidders for Procurement of Assam Hill Goat/ Indigenous Male & Female Goats of about 5-7 months of age under SOPD-G, 2022-23.

Bid Publication date:	20-12-2022 at 2.00 PM
Last date of submission of Bid:	11-04-2023 at 4.00 PM
Date & Time of online opening of Technical Bids:	11-01-2023 at 4:30 PM

Note : For details visit: https://assamtenders.gov.in

Director
A.H. &Veterinary Department, Assam
Chenikuthi, Guwahati-781003

-- Janasanyog/ C/16469/22

पृष्ठ एक का शेष

धार्मिक और सांस्कृतिक ...

संस्कृति और पहचान *नाम कीर्तन* के बिना अधूरी है, हालांकि सैद्धांतिक रूप से यह धार्मिक अनुष्ठान हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 जनवरी, 2023 को सरकार श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र सभागार में होने वाले समारोह में प्रतिमा पाण्डेय बरुवा के आवास को उनके परिवार के सदस्यों से एक विरासत संरचना के रूप में संरक्षित करने की जिम्मेदारी औपचारिक रूप से स्वीकार करेगी। आज के कार्यक्रम में असम कैबिनेट के मंत्री बिमल बोरा, जोगेन महन, रंजीत कुमार दास सहित असम विधान सभा के सदस्य भी उपस्थित थे।

समझौता शांति और...

समझौते के बाद, बीटीआर सरकार, साथ में भारत सरकार और असम सरकार के समर्थन और मार्गदर्शन से बीटीआर समझौते के प्रावधानों को अक्षरशत: लागू करने की दिशा में अधिक समर्पण के साथ काम किया जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि बीटीआर में वर्तमान सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर यह खुशी का क्षण है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में बीटीसी सरकार का मूल दृष्टिकोण इस क्षेत्र में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और सांप्रदायिक सद्भाव का पुनर्निर्माण, पुनरोद्धार को बढ़ावा देना रहा है। राज्यपाल ने कहा कि कई वर्षों के लंबे संघर्ष और अशांति के बाद, बीटीआर में पूरी तरह से शांति है। सरकार द्वारा की गई विकास पहलों का जिक्र करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि पिछले दो वर्षों में सरकार ने सभी वर्गों और सभी आयु समूहों के लोगों की बड़े पैमाने पर विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। क्षेत्र विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को बदलने के लिए संयुक्त राष्ट विकास कार्यक्रम, यूनिसेफ के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। प्रो मुखी ने कहा कि पिछले दो वर्षों में बीटीसी सरकार द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सुधार के लिए कई सुधारों के माध्यम से प्रोत्साहन दिया गया था। बीटीआर सुपर 50 कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि यह कार्यक्रम आईएएस/आईआईटी/इंजीनियरिंग/मेडिकल और अन्य प्रतियोगी परीक्षा के उम्मीदवारों के लिए एक बहु-विषयक आवासीय कोचिंग और प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो आने वाले दिनों में क्षेत्र के युवाओं को समृद्ध लाभांश देगा। उन्होंने कहा कि प्रमुख कार्यक्रमों, राज्य योजनाओं और बीटीआर कार्यक्रमों के प्रावधानों के अनुसार सिंचाई, जल संसाधन और बाढ़ नियंत्रण के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के पूरक के लिए कई अन्य कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए सभी पांच जिलों में आजीविका क्षमता की मैपिंग पूरी कर ली गई है। सरकार क्षेत्र के विकास की कहानी में आदर्श बदलाव लाने के लिए मशीनीकरण, मूल्यवर्धन, विपणन और कौशल उन्नयन के साथ क्लस्टर आधारित रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रही है। राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की कि बीटीसी सरकार अपने सुरक्षित, स्मार्ट और ग्रीन बोडोलैंड के आदर्श वाक्य के अनुसार आगे बढ़ रही है। प्रो. मुखी ने कहा कि शांति और प्रगति को मजबूत करने के लिए आने वाले दिनों में सकारात्मकता और आशावाद का वातावरण बना रहेगा। इस मौके पर असम सरकार के मंत्री, बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो समेत अन्य पार्षद एवं नेता मौजूद थे।

स्मृति ईरानी पर ...

विवादास्पद टिप्पणी से संबंधित कई मीडिया रिपोर्ट राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष आई है। एनसीडब्ल्यू ने एक बयान में कहा है कि आयोग ने राय की स्त्री-विरोधी टिप्पणी का संज्ञान लिया है। टिप्पणी घृणित और बेहद अपमानजनक है तथा आयोग ऐसे बयानों की कड़ी निंदा करता है। बयान में कहा गया है कि आयोग ने इस मामले में सुनवाई निर्धारित की है और राय को 28 दिसंबर को दोपहर 12 बजे पेश होने के लिए नोटिस भेजा गया है। यह पूछे जाने पर कि क्या गांधी अमेठी से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगे राय ने संवाददाताओं से कहा था कि यह गांधी परिवार की सीट रही है। राहुल जी वहां से लोकसभा सदस्य रहे हैं। राजीव (गांधी) जी और संजय (गांधी) भी रहे हैं और उन्होंने इस क्षेत्र की सेवा की है। राय ने कहा था कि अमेठी के ज्यादातर कारखाने बंद होने की कगार पर हैं। जगदीशपुर औद्योगिक क्षेत्र के आधे कारखाने बंद पड़े हैं। स्मृति ईरानी आती हैं, *लटका-झटका* दिखाती हैं और चली जाती हैं। फिलहाल अमेठी का प्रतिनिधित्व लोकसभा में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ईरानी कर रही हैं। ईरानी ने बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी को एक नए पटकथा लेखक की जरूरत है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा था कि आपको और मम्मी जी को अपने महिला-विरोधी गुंडों के लिए भाषण लिखने वाले नए व्यक्ति की जरूरत है।

एंबुलेंस ड्राइवर ने पी ...

अपलोड कर दिया। जब लोगों ने इस बारे में ड्राइवर से सवाल किया तो उसने कहा कि मरीज ने ही शराब पीने की इच्छा जाहिर की थी। एंबुलेंस में एक महिला और एक बच्चा भी सवार थे। घटना के संबंध में जगतसिंहपुर जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि यह निजी एंबुलेंस थी, इसलिए हम इस पर कुछ नहीं कह सकते हैं। उन्होंने कहा कि आरटीओ और पुलिस को एंबुलेंस चालक के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, इस घटना पर स्थानीय लोगों ने नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने घटना की जांच और एंबुलेंस चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। तीर्तोल थाने के प्रभारी निरीक्षक जुगल किशोर दास ने कहा कि उन्हें घटना के संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है और प्राथमिकी दर्ज होने पर ही जांच शुरू की जाएगी।

दस श्रम कानून ...

कम व्यापार निवेश का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारी जुर्माने के साथ मजबूत निवारक प्रावधानों का विचार नियोक्ताओं को निर्विवाद आंतरिक संगठनात्मक और परिचालन तंत्र के लिए मजबूर करेगा। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि अनुपालन में कोई चूक न हो। मंत्री ने दावा किया कि इससे नियोक्ताओं को श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए कारावास के डर से मुक्ति मिलेगी।

बिहार का जहरीली...

है और राज्य सरकार अब तक कोई सख्त कदम उठाने में विफल रही है। उन्होंने राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग की। इसके बाद भाजपा और जदयू के सदस्यों ने एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। उधर प्रेट्र के मुताबिक जदयू के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बिहार में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत के मामले में जांच करने की बात की है जो संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग है। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। भाजपा के कुछ सदस्यों ने उनकी बात का विरोध किया और फिर दोनों के बीच नोकझोंक देखने को मिली। बता दें कि नीतीश सरकार ने जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या 38 बताई है, जबकि भाजपा नेताओं ने दावा किया है कि सौ से अधिक लोगों की मौत हुई है।

संसद में भोजन : मोदी ने ...

कि हमने ज्वार बाजरा और रागी से बनी रोटी और मिठाई सहित व्यंजन तैयार किए, जिसके लिए विशेष रूप से कर्नाटक से शेफ लाए गए थे। मुझे खुशी हुई कि प्रधानमंत्री ने वास्तव में यहां अपने भोजन का आनंद लिया। आज जो व्यंजन बनाए गए, उनमें बाजरा से बनी खिचड़ी, रागी डोसा, रागी रोटी, ज्वार की रोटी, हल्दी की सब्जी, बाजरा, चूरमा शामिल थे। मीठे व्यंजनों में बाजरा खीर, बाजरा केक आदि शामिल थे। इससे पहले मंगलवार को भाजपा संसदीय दल की बैठक के दौरान भी प्रधानमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 मनाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने बाजरे से चल रहे पोषण अभइयान को बढ़ावा देने के तरीके भी सुझाए। प्रधानमंत्री मोदी की पहल संयुक्त राष्ट्र ने अगले साल 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित किया है। भारत सरकार ने अप्रैल 2018 में बाजरा को पोषक अनाज के रूप में अधिसूचित किया था। सरकार ने पोषण मिशन अभियान में बाजरा को शामिल किया है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएमएस) के तहत 14 राज्यों के 212 जिलों में बाजरा को पोष्टिक अनाज के रूप में लागू किया जा रहा है। एशिया और अफ्रीका बाजरा फसलों के प्रमुख उत्पादन और खपत केंद्र हैं। भारत, नाइजर, सूडान और नाइजीरिया बाजरा के प्रमुख उत्पादक देश हैं। भाजपा बाजरा का प्रमुख उत्पादक देश है। देश के अधिकांश राज्यों में एक या उससे अधिक बाजरा की फसल की प्रजातियां उगाई जाती हैं, जिनमें ज्वार, बाजरा, रागी, छोटे बाजरा के साथ कंगनी, कुटकी या छोटा बाजरा, कोडोन, गंगोरा, ब्राउन टॉप शामिल हैं।

राज्य बढ़ाए जीनोम ...

कराई जानी चाहिए। इससे कोरोना वायरस के नए वेरिएंट की जानकारी मिल सकेगी। स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण की ओर से सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र भेजा गया है। पत्र में सभी राज्यों से यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है कि जहां तक संभव हो सभी पॉजिटिव मामलों के नमूने दैनिक आधार पर निर्दिष्ट इनसाकोग जीनोम सीक्वेंसिंग प्रयोगशालाओं (आईजीएसएलएस) को भेजे जाएं जो राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए मैप किए गए हैं। इसके अलावा केंद्र ने सभी राज्य सरकारों से हर संभव मदद का भरोसा भी दिया है। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने 18 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए इस साल पांच सितंबर को रिकोम्बिनेंट नेजल (नाक से लेने वाले) कोविड-19टीके को मंजूरी दी थी।

सीमा पर भारत बना...

सेना तवांग को सुरक्षित रखेगी। हमें भारतीय सेना पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा दुनिया की सबसे प्राचीन और एशिया की दूसरी सबसे बड़ी मठ तवांग मठ है। साल 1681 में इसका निर्माण हुआ था। चीन की हमेशा इस मठ पर नजर रहती है। 1962 के युद्ध के दौरान भी इस मठ के भिक्षुओं ने भारतीय सेना की मदद की थी। बता दें कि बीते 9 दिसंबर को भारतीय और चीनी सैनिकों की अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट एक स्थान पर झड़प हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों के कुछ जवान मामूली रूप से घायल हो गए थे। भारतीय थलसेना के अधिकारी ने बयान जारी कर बताया था कि हमारे सैनिकों ने चीनी सैनिकों मुंहतोड़ जवाब दिया था। इस झड़प में दोनों पक्षों के कुछ जवानों को मामूली चोटें आईं। इसके बाद हमारे कमांडर ने स्थापित तंत्रों के अनुरूप शांति बहाल करने के लिए चीनी समकक्ष के साथ फ्लैग बैठक की।

रामदेव की दिव्य ...

पैरेंटरल लिमिटेड, मरक्यूरी लेबोरेटरीज लिमिटेड, एलायंस बायोटेक, कैपटैब बायोटेक, एग्लोमेड लिमिटेड, जी लेबोरेटरीज लिमिटेड, डैफोडिल्स फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, जीएलएस फार्मा लिमिटेड, यूनिजुल्स लाइफ साइंस लिमिटेड, कॉन्सेप्ट फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट, श्री आनंद लाइफ साइंसेज लिमिटेड, आईपीसीए लेबोरेटरीज लिमिटेड, कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड, डायल फार्मास्युटिकल्स, एग्लोमेड लिमिटेड और मैकूर लेबोरेटरीज लिमिटेड को भी प्रतिबंधित किया गया है। डिर्पाटमेंट के एक प्रवक्ता संतोष केसी ने कहा कि इन कंपनियों द्वारा निर्मित दवाओं को नेपाल में आयात नहीं किया जा सकता है। विभाग ने कहा कि उसने जिन भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है, उनमें से कुछ पहले से रजिस्टर्ड हैं और कुछ नई हैं। कुछ कंपनियों के उत्पादों का उपयोग क्रिटिकल केयर, डेंटल कार्टिज और टीकों में भी किया जाता है।

16 मौलवियों की ...

कुछ लोगों को होस्टेज बना लिया था। एक की हत्या भी कर दी थी। हालात इतने खराब थे कि पाकिस्तान सरकार बंधकों को छुड़ा नहीं पा रही थी। सिक्योरिटी फोर्सेस ने पूरी छावनी को चारों ओर से घेरा हुआ था। फौज और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन बातचीत के जरिए बंधकों को छुड़ाने की कोशिश कर रहे थे। खैबर पख्तूनख्वा सरकार के प्रवक्ता मुहम्मद अली सैफ ने कहा था कि आतंकियों ने सरकार के सामने एक शर्त रखी है, वो चाहते हैं कि सरकार उन्हें सुरक्षित तरीके से अफगानिस्तान जाने दे। काउंटर टेररिज्म सेंटर पर टीटीपी के कब्जे की शुरुआत एक आतंकी से पूछताछ के दौरान हुई। दरअसल, सेंटर में एक अधिकारी टीटीपी के आतंकी से पूछताछ कर रहा था। उसी समय आतंकी ने उसके हाथ से एके 47 छीन ली और अपने साथी आतंकियों को रिहा करवा लिया। देखते ही देखते सभी आतंकियों ने पूरे सेंटर पर कब्जा कर लिया, अफसरों को बंदी बना लिया। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक सोशल मीडिया पर एक वीडियो सर्कुलेट हो रहा है जिसमें आतंकी धमकी दे रहे थे कि अगर उन्हें छोड़ा नहीं गया तो वो कैद में मौजूद सभी अधिकारियों को मार डालेंगे। अमेरिका ने पाकिस्तान को टीटीपी से लड़ने के लिए मदद ऑफर की थी। अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि हम आतंकियों से मांग करते हैं कि वो तुरंत हिंसा रोकें और सभी कैदियों को रिहा करें। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच करीब 6 महीने से सीमा को लेकर जबरदस्त तनाव चल रहा है। पिछले दिनों तालिबान की फायरिंग में कई पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो चुकी है। इस तनाव को कम करने के लिए दो हफ्ते पहले पाकिस्तान की विदेश राज्यमंत्री हिना रब्बानी खार अफगानिस्तान गई थीं। उनके साथ फॉरेन और डिफेंस मिनिस्ट्री के अफसरों का एक डेलिगेशन भी था। खास बात यह है कि महिलाओं को चारदीवारी और हिजाब में कैद रखने की हिमायती तालिबान हुकूमत के अफसर जब काबुल एयरपोर्ट पर हिना को रिसीव करने पहुंचे तो वो अपने पुराने ग्लैमरस अंदाज में थीं। हिजाब पहनना तो दूर उन्होंने सिर पर दुपट्टा भी नहीं डाला था। पाकिस्तान के कुछ मौलवियों ने हिना को अफगानिस्तान भेजे जाने का विरोध भी किया था।

सीमा विवाद : केंद्र ...

हमारे 20 जवानों ने अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया, यह कहने के लिए उत्प्रेरित किया कि न वहां कोई हमारी सीमा में घुस आया है और न ही कोई घुसा हुआ है? रमेश ने कहा कि विदेश मंत्री का यह दावा है कि चीन के साथ हमारे संबंध *सामान्य नहीं* हैं। फिर हमने चीनी राजदूत को बुलाकर आपत्ति पत्र (डिमार्च) क्यों नहीं थमाया, जैसा हम पाकिस्तान के उच्चायुक्त के साथ करते हैं? उन्होंने कहा कि 2021-22 में 95 बिलियन डॉलर के आयात और 74 बिलियन डॉलर के व्यापार घाटे के साथ चीन पर हमारी व्यापार निर्भरता रिकॉर्ड उच्च स्तर पर क्यों पहुंच गई है? सितंबर 2022 में रूस के वोस्तोक-22 अभ्यास में हमारे सैनिकों ने चीनी सैनिकों के साथ सैन्य अभ्यास क्यों किया? रमेश ने कहा कि विदेश मंत्री का कहना है कि हम चीन को एलएसी की स्थिति में एकतरफा बदलाव नहीं करने देंगे, लेकिन क्या चीनी सैनिकों ने पिछले दो सालों से डेपसांग में 18 किमी अंदर आकर यथास्थिति नहीं बदली है? क्या यह स्थिति इस वास्तविकता के मद्देनजर बदल नहीं जाती है कि हमारे सैनिक पूर्वी लद्दाख में ऐसे 1,000 वर्ग किमी क्षेत्र तक गश्त करने में असमर्थ हैं, जहां वे पहले गश्त करते थे? क्या यह स्थिति इस वास्तविकता के मद्देनजर नहीं बदल जाती कि हम ऐसे बफर जोन निर्धारण पर सहमत हो गए हैं, जो हमारे गश्ती दल को उन क्षेत्रों में जाने से रोकता है, जहां वे पहले जा सकते थे? विदेश मंत्री कब स्पष्ट शब्दों में यह घोषित करेंगे कि 2020 से पहले की यथास्थिति की बहाली ही हमारा उद्देश्य है? कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि विदेश मंत्री ने कहा कि हम चीन पर दबाव बना रहे हैं। फिर हमारा विशुद्ध प्रतिक्रियात्मक दृष्टिकोण क्यों हैं? 2020 से पहले की यथास्थिति की पूर्ण बहाली सुनिश्चित किए बिना हम कैलाश रेंज में अपनी सामरिक रूप से लाभप्रद स्थिति से पीछे क्यों हट गए? हम अधिक आक्रामक क्यों नहीं हुए और चीनियों को पीछे हटने को मजबूर करने के लिए जवाबी कार्रवाई क्यों नहीं की, जैसा कि हमने 1986 और 2013 में किया था? हम अपना दावा पुरजोर ढंग से पेश करने की बजाए चीनी घुसपैठ को *अवधारणा का अंतर* बताकर उसे वैध ठहराना कब बंद करेंगे?

स्वर्वेद भाष्य

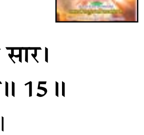

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

कुल कुटुम्ब-परिवार सब, पुत्र नारि सुख सार।
कोइ काहू के है नहीं, यह सब मतलब यार॥ 15॥

शब्दार्थ : (कुल) वंश (मतलब) स्वार्थ (यार) मित्र।

भाष्य : कुल, कुटुम्ब, परिवार, पुत्र एवं नारी के समस्त संबंध संसार के जितने सुख प्राप्त होते हैं, ये सब स्वार्थ के संबंधी हैं, को भी किसी का नहीं है। संसार का मोह-संबंध अज्ञानमय और स्वार्थयूक्त है, सत्य संबंध नहीं है।

एक प्रेम अन्य में करे, अपने स्वारथ लाग।
परमारथ कुछ है, नहीं, मोह निशा तुम जाग॥ 16।

शब्दार्थ : (स्वारथ) अपनापन (परमारथ) आत्म-कल्याण (मोह निशा) मोहरात्रि।

भाष्य : अपने स्वार्थ के लिए एक दूसरे से प्रेम करता है। परमार्थ कुछ नहीं है इसलिए हे अज्ञानी जीवो! तुम इस मोह, अंधकार को हटाकर जाग जाओ और अपने चेतन स्वरूप को प्राप्त कर प्रभु का भजन करो।

राज्यपाल ने 47वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में लिया हिस्सा

आत्म-निर्भर भारत के उपाय सुझाएं समाजशास्त्री : प्रो. मुखी

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि सामाजिक सुधार और परिवर्तन की कुंजी रखने वाले समाजशास्त्रियों को आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव बनाने के लिए नवीन प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के तरीके सुझाने चाहिए। राज्यपाल ने मंगलवार को मेघालय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित 47वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि जिन समाजशास्त्रियों के पास समाज की सामाजिक घटनाओं के प्रति गहरी अंतर्दृष्टि और समझ है, उन्हें भारत को और अधिक आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी समर्थित सुझाव प्रदान करने चाहिए। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म और स्थूल स्तर पर परिवार और समुदाय पर समाजशास्त्रियों के जोर ने भारत के विविध सामाजिक नेटवर्क की समझ को नया दृष्टिकोण दिया है। सोशल नेटवर्क की इस व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए समाजशास्त्रियों को आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत करने के लिए सुझाव देने चाहिए। जीएस घुर्ये, आरके मुखर्जी, डीपी मुखर्जी, एससी दुबे, एमएन श्रीनिवास जैसे समाजशास्त्रियों की भूमिका को स्वीकार करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने विभिन्न जनजातियों, जातीयताओं, जाति और वर्ग से संबंधित लोगों की बेहतर समझ में बहुत योगदान दिया। इस समझ ने देश के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व की इमारत को मजबूत किया। प्रो. मुखी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि आयोजकों ने हंड्रेड ईयर्स ऑफ सोशियोलॉजी इन इंडिया- एक्सप्लोरिंग ट्रैजेक्टरीज फॉर द फ्यूचर विषय का चयन किया, जो उनके अनुसार देश को ताकत देने में मददगार होगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के एक हिस्से के रूप में होने वाले विचार-विमर्श से बेहतर प्रशासन के लिए व्यापक नीतियां विकसित करने में मदद मिलेगी। प्रो. मुखी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि यूएसटीएम, जो सबसे युवा विश्वविद्यालयों में से एक है, 47वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है, जहां भारत के विभिन्न हिस्सों से एक हजार से अधिक समाजशास्त्री इकट्ठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के अगले 25 वर्षों के उपलक्ष्य में अमृत काल में भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अधिक जोर दे रहा है। इस अमृत काल में वैज्ञानिक नवाचारों से राष्ट्र के भविष्य पर राज करने की उम्मीद की जाती है। आज के छात्रों पर 2047 के भारत को आकार देने की जिम्मेदारी होगी। इसलिए, यह जरूरी है कि छात्रों को वैज्ञानिक स्वभाव द्वारा समर्थित उनके समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण को विकसित करने के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी के लिए उनका सही प्रदर्शन दिया जाए।

सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेज की 75वीं वर्षगांठ पर वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रम का शुभारंभ

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के जालुकबाड़ी स्थित सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेज में कॉलेज की 75वी वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम का मंगलवार को शुभारंभ किया गया। 75 साल के गौरवशाली इतिहास के मद्देनजर मंगलवार को कॉलेज ने महारजत जयंती वर्ष मनाने का आयोजन किया है। पूरे साल भर विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा 75वी वर्षगांठ का उत्सव मनाया जाएगा। 75वीं जयंती के अवसर पर सुबह 9 बजे आयुर्वेदिक कॉलेज में 75 ध्वज फहराये गये। राज्य के मीडिया, साहित्य, छात्र संगठनों, सांस्कृतिक और खेल संगठनों से जुड़े 75 गणमान्य व्यक्तियों द्वारा 75 झंडों को फहराया गया। ध्वजारोहण करने वाले 75 गणमान्य लोगों में कैप्टन रॉबिन बोरदोलोई, पद्मश्री डॉ. एलियास अली, पद्मश्री डॉ. सूर्य हजारिका, आसू सचिव शंकर ज्योति बरुवा, युवा छात्र परिषद के सचिव पलाश चांगमाई, असम साइंस सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. मोहन चंद्र कलिता, पत्रकार मनोज गोस्वामी, नितुमनी सैकिया, राजदीप बाइलुंग बरुवा, उत्पल बरुवा, नरेश कलिता, प्राणजीत सैकिया, प्रणय बोरदोलोई, अतनु भुइयां, बिश्वजीत दास, प्रमुख अभिनेत्रि मलया गोस्वामी, मृदुल बरुवा आदि उपस्थित थे। सामाजिक कार्यकर्ताओं में ऋषिकेश गोस्वामी, शंकर दास कलिता, नेकीबुर जमान, अर्जुन पुरस्कार विजेता नयनमणि सैकिया, असम की गौरव नमिता कलिता, गौहाटी विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. दिलीप कुमार काकती और अन्य नेताओं और विभिन्न दलों और संगठनों के पदाधिकारी भी उपास्थित थे। आयुर्वेदिक चिकित्सा को बढ़ावा देना और उसका प्रसार करने के उद्देश्य से कॉलेज के प्रेक्षागार में एक बैठक का भी आयोजन किया गया।

रंगिया मे खाद्य तैयार करने का प्रशिक्षण कार्यक्रम

रंगिया (निसं)। राष्ट्रीय युवा कल्याण और खेल मंत्रालय के तहत संगठन, नेहरू युवा केंद्र, कामरूप के सौजन्य और अग्रणी स्वयंसेवी संस्था समृद्धि के सहयोग से आज खाद्य सामग्री तैयार करने पर एक तीन महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। रंगिया के बिस्सेनाला में शहीद भास्कर कुमार स्मारक सभागार में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कई महिलाओं को खाद्य सामग्री तैयार कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने का प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण शिविर में नेहरू युवा केंद्र के गाणनिक अधिकारी गोपीनाथ दास, अवसरप्राप्त प्राचार्य गोलोक चंद्र तालुकदार, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त प्रशिक्षक हितेंद्र शर्मा, ग्राम प्रधान सीमांत कलिता, अवसरप्राप्त शिक्षक हितेश्वर कलिता, प्रशिक्षक सविता देवी उपस्थित रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्षेत्र के काफी संख्या में युवक और युवतियों ने भाग लिया। वर्तमान समय में विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्रीयां प्रस्तुत कर आत्मनिर्भर बनने की संभावना का उल्लेख उपस्थित गणमान्य लोगों ने अपने भाषण में किया। साथ ही इस मौके पर आयोजकों ने बताया कि प्रशिक्षक सविता देवी द्वारा आज से प्रशिक्षुओं को भोजन बनाने का प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया गया है। जोकि आगामी वर्ष के मार्च महीने तक चलेगा।

कैसियो इंडिया व असम सरकार के साथ साझेदारी में ज्ञान की रोशनी के तहत कक्षाओं में टेक्नॉलॉजी का सहयोग

गुवाहाटी (विभास)। दुनिया में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स की अग्रणी निर्माता, कैसियो इंडिया कंपनी से असम सरकार के साथ गठबंधन में अपने सीएसआर कार्यक्रम ज्ञान की रोशनी का नया संस्करण इस वित्तवर्ष के लिए शुरू किया। यह अभियान सरकारी स्कूलों के बच्चों को निशुल्क कैसियो कैलकुलेटर प्रदान करता है ताकि वो गणित और विज्ञान की गणनाओं को बेहतर समझ सकें। कैसियो ज्ञान की रोशनी अभियान का उद्देश्य टेक्नॉलॉजी की कमी वाले विद्यार्थियों को विज्ञान आधारित कोर्सों का अध्ययन करने के लिए संसाधन प्रदान करके उनकी वैज्ञानिक जिज्ञासा बढ़ाना है। राज्य के 200 स्कूलों को 4000 कैसियो क्लासविज वैज्ञानिक कैलकुलेटर प्रदान किए जाएंगे, जिनका लाभ 1 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों को मिलेगा। ज्ञान की रोशनी अभियान का उद्देश्य असम के सभी समुदायों जैसे बोडो, कचारी, क्राबी, मीरी आदि के बच्चों तक पहुंचकर उन्हें लाभ पहुंचाना है। कैलकुलेटर वितरण कार्यक्रम माननीय शिक्षा मंत्री, असम सरकार, डॉ. रनोज पेगु; माननीय सलाहकार, शिक्षा विभाग, असम सरकार, प्रो. (डॉ.) नानी गोपाल महंता; मैनेजिंग डायरेक्टर, कैसियो इंडिया कंपनी प्राईवेट लिमिटेड, हिडेकी इमाई; समग्र शिक्षा अभियान, असम के मिशन डायरेक्टर, डॉ. ओम प्रकाश, डायरेक्टर ऑफ सैकंडरी एजुकेशन, असम सरकार, मिस ममता होजाई एवं कई अन्य गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी में आयोजित किया गया। कैसियो समाज के वंचित वर्ग का सहयोग करने के लिए हर साल अपने सीएसआर कार्यक्रम के तहत नए अभियान प्रस्तुत करता है। 2021 में ज्ञान की रोशनी सीएसआर अभियान के अंतर्गत कंपनी ने दिल्ली, असम, और त्रिपुरा के वंचित और पिछड़े समुदायों में डिजिटल कनेक्टिविटी स्थापित करने के लिए लगभग 300 प्रोजेक्टर्स का दान दिया। इस अभियान के बारे में हिडेकी इमाई, मैनेजिंग डायरेक्टर, कैसियो इंडिया ने कहा कि कैसियो भारत के भविष्य के लिए अपने उद्देश्य के अंतर्गत विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जागरुकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए तत्पर हैं कि वंचित वर्ग के विद्यार्थी पीछे न रह जाएं। ज्ञान की रोशनी अभियान का उद्देश्य देश के कोने-कोने में विभिन्न स्थानों और समुदायों तक पहुंचना और उन्हें टेक्नॉलॉजी उपलब्ध कराना है, ताकि सीखने में वृद्धि हो सके। इस अभियान के तहत स्कूलों को क्लासविज वैज्ञानिक कैलकुलेटर प्रदान किए जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थी जटिल गणनाएं करने में समय खराब करने की जगह कॉन्सेप्ट्स को समझने में ज्यादा समय बिता सकें, और भविष्य के लिए तैयार हो सकें।

अभाविप की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

नगांव (निसं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगांव और कार्बी आंग्लांग विभाग (नगांव, मोरीगांव, होजाई, पूर्वी कार्बी आंग्लांग और पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिलों) का लामडिंग के शीतला मंदिर के शीतलालय में एक महत्वपूर्ण विभाग बैठक आयोजित हुई। बैठक में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर मिलिंद मराठे, उत्तर पूर्व क्षेत्र के पूर्व क्षेत्रीय संगठन मंत्री नीरव घेलानी, उत्तर पूर्व क्षेत्र के वर्तमान क्षेत्रीय संगठन मंत्री कमल नयन और असम प्रदेश के सह संगठन मंत्री नीरज चौधरकर उपस्थित रहे। बैठक में आगामी दिनों में विद्यार्थी परिषद की गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जनवरी में प्रत्येक जिलो में जिला सम्मेलनों के माध्यम से विद्यार्थी परिषद की ताकत का प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। अ.भा.वि.प के लामडिंग इकाई की मंत्री सु रेशमा दे ने कहा कि इतनी महत्पूर्ण बैठक लामडिंग में आयोजित करने के लिए मैं विद्यार्थी परिषद के प्रदेश समिति को धन्यवाद करती हूं और इस बैठक के पश्चात से लामडिंग इकाई के कार्यकर्ता विद्यार्थी परिषद के उत्थान हेतु एवं राष्ट्र हित मे और भी जोरो शोरो से कार्य करेगी।

नगरपालिका कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल शुरू

शिवसागर (हि.स.)। राज्य की आमगुरी समेत अन्य नगरपालिका परिषद के कर्मचारियों ने अपनी आठ सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार से तीन दिवसीय हड़ताल शुरू किया। आमगुरी नगरपालिका के कर्मचरियों ने सुबह 05 बजे से कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। इन कर्मचारियों का 06 से 37 महीने तक का वेतन बकाया है। आठ सूत्री मांगों में नियमित वेतन भुगतान, नौकरी को नियमित करने, प्रस्तावित नगर सेवा संवर्ग में नगर पालिकाओं में कार्यरत अभियंताओं एवं क्लर्क की नियुक्ति निर्धारित पदों पर प्राथमिकता के आधार पर, हरिजन एवं सफाई कर्मचारियों को फिक्स्ड पे तथा ठेके के तहत नियोजितों को शीघ्र स्थायी कर नियमित पे स्केल देने, 2013 में कैबिनेट द्वारा अनुमोदित नगरपालिका के नामित कर्मचारियों की संरचना की सरकारी अधिसूचना समेत अन्य बिंदु शामिल हैं।

एमआर कोऑर्डिनेशन सेल ने एक वृद्ध मंदबुद्धि व्यक्ति को किया उद्धार

गुवाहाटी (विभास)। रेल मंत्रालय के अधीन एमआर कोऑर्डिनेशन सेल (संक्षेप में एमआरसीसी) ने पू. सी. रेल के रंगिया मंडल के अधीन पाठशाला रेलवे स्टेशन से करीब 65 वर्षीय एक मंदबुद्धि वृद्ध को उद्धार किया। परिवार के एक सदस्य से मिली सूचना के आधार पर उक्त वृद्ध को उद्धार किया गया। एक मंदबुद्धि वृद्ध के परिवार के सदस्य से उसके ट्रेन में सवार होने की मिली जानकारी के आधार पर एमआरसीसी कार्रवाई के लिए तुरंत हरकत में आया और उक्त व्यक्ति के बारे में विस्तृत जानकारी एकत्र करने के प्रयास किये गए। वृद्ध व्यक्ति की आवश्यक जानकारी और तस्वीर प्राप्त करने के बाद, यह पता चला कि वह 18 दिसंबर, 2022 को सियालदह स्टेशन पर एक ट्रेन पर सवार हुआ था। लेकिन वह अचानक कोकराझार स्टेशन पर उतर गया। बाद में, रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) की मदद से उक्त वृद्ध व्यक्ति लामडिंग इंटरसिटी एक्सप्रेस पर सवार हुआ, लेकिन फिर से वह पाठशाला रेलवे स्टेशन पर उतर गया। सूचना मिलने पर एमआरसीसी ने रेसुब अधिकारियों को पाठशाला स्टेशन पर वृद्ध की तलाश करने के निर्देश दिए। एमआरसीसी की कड़ी निगरानी और रेसुब की मदद से उक्त मंदबुद्धि वृद्ध का पता लगाया गया और उसे उद्धार कर बाद में परिवार के सदस्य को सौंप दिया गया। एमआरसीसी और रेसुब द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई से वृद्ध व्यक्ति के परिवार के सदस्य काफी अभिभूत थे। परिवार के सदस्यों ने मंदबुद्धि वृद्ध व्यक्ति को फिर से मिलाने और उद्धार करने के उनके प्रयास के लिए एमआरसीसी, रेसुब और भारतीय रेल का आभार प्रकट किया। रेल मंत्रालय के अधीन एमआरसीसी का मुख्य उद्देश्य माननीय रेल मंत्री द्वारा प्राप्त सभी शिकायतों, अभ्यावेदनों और शिकायतों से निपटना और समन्वय करना है।

घर में उपद्रवियों ने लगाई आग

ग्वालपाड़ा (हि.स.)। ग्वालपाड़ा जिले के शिमलिटोला के कनकटा गांव में उपद्रवियों ने बीती रात में एक घर में आग लगा दी। स्थानीय लोगों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया। इससे घर पूरी तरह से जलने से बच गया। शिमलिटोला कनकटा गांव के अनवर अली परिवार के साथ किसी रिश्तेदार के यहां गए थे, इसका फायदा उठाकर कुछ शरारती तत्वों ने रात में घर में आग लगा दी। सबसे पहले घर से सटे एक घास-फूस की मंडई में आग लगा गई, उसके बाद घर में। आग को देखकर पड़ोसी पहुंचकर आग को बुझाने में जुट गए। आग लगने से कनकटा गांव में अफरा-तफरी फैल गई। लोगों ने आग पर समय से काबू पा लिया, इससे घर पूरी तरह से जलने से बच गया। अनवर अली ने इस घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया। मंगलवार को पुलिस की टीम मौका-मुआयना कर अपराधियों की धर-पकड़ के लिए अभियान तेज कर दिया है।

तेममं ने किया दो अन्य प्रकल्प का लोकार्पण

गुवाहाटी (नसं)। तेरापंथ महिला मंडल ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम सेठिया की उपस्थिति में दिघलीपूखुरी स्थित कन्या सुरक्षा सर्कल के उद्घाटन के पश्चात दो अन्य प्रकल्प का भी लोकार्पण किया। जिसमें बीरूबारी स्थित एलजीबी चेस्ट हॉस्पिटल में तीन सेट के 6 चेयर्स का उद्घाटन भी राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा किया गया। हॉस्पिटल के डॉक्टर एसएन गोस्वामी व डॉ पूरबी साइकिया ने मंडल के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी सहयोग देने की अपेक्षा की। समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत कार्यक्रम नुतन फाटाशील टाउन हाई स्कूल में राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्मित एक लाइब्रेरी का एवम दो सेट चेयर्स का उद्घाटन किया गया। सीआरसीसी रामेश्वर शर्मा व स्कूल की प्रिंसिपल पूरबी दास कोलिता ने मंडल के प्रति आभार व्यक्त किया। आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर में भी 3 सेट चेयर्स का उद्घाटन किया गया। प्रोजेक्ट संयोजिका गुलाब दुगड़ के प्रति मंडल ने आभार व्यक्त किया तथा मंडल की सभी सदस्यों के सहयोग से ही यह कार्यक्रम सफल हो पाया। इस आशय की जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री श्वेता सिंघी ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

केरिपुब 136 बटा. ने स्वच्छता पर चलाया जागरूकता अभियान

गुवाहाटी। स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ 2 अक्टूबर 2014 को हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों हुआ था। भारत में सबसे बड़ा सामाजिक विषय यह है कि स्वच्छता की कमी के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं को कैसे सुलझाया जाये। दैनिक जीवन में हमें अपने आस-पास के इलाकों को स्वच्छ रखना चाहिए एवं हमें अपने आस-पास रह रहे लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना चाहिए जिससे हमारा देश स्वच्छ बना रहे। गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार 136 बटालियन में 1 से 15 दिसंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। जिसमें 11 दिसंबर को इस बटालियन द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा पर वाद-विवाद तथा ड्राईंग प्रतियोगिता में इस बटालियन के आस-पास के इलाकों में रह रहे स्थानीय बच्चों तथा इस बटालियन में पदस्थ जवानों के बच्चों को आमंत्रित कर वाद-विवाद, ड्राईंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया जिसमें कई बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उपरोक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों के उत्साहवर्धन एवं उनके मनोबल को बढ़ाए रखने के लिए 136 बटालियन, केरिपु बल द्वारा 17 दिसंबर को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को अमित कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, 136 बटालियन द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस समारोह में 136 बटालियन, के.रि.पु. बल के बी. के. मलिक, उप कमाण्डेन्ट, सु टीएच. देवजानी देवी, उप कमाण्डेन्ट के साथ-साथ अधीनस्थ अधिकारियों एवं अन्य जवानों ने भी हिस्सा लिया।

विख्यात रेवा विवि का पंचवकात्रम-पंचतत्व शिव के पांच स्वरूपों का निष्पादन

गुवाहाटी (विभास)। रेवा विश्वविद्यालय ने प्रागज्योति आईटीए सांस्कृतिक परिसर, गुवाहाटी में नृत्य के माध्यम से जलवायु परिवर्तन और लैंगिक समानता जैसे ज्वलंत मुद्दों पर प्रकाश डालने के लिए एक प्रदर्शन पंचवक्त्रम प्रस्तुत किया गया हैं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रेवा विश्वविद्यालय के माननीय उपाध्यक्ष कुलाधिपति डॉ पी श्यामा राजू जी ने की हैं। सम्मानित अतिथि : हिरन चंद्र नाथ (एडीजी पुलिस, विशेष शाखा, भारत सरकार) श्रीमती रीता चौधरी (भारतीय कवयित्री, उपन्यासकार और साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता, नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत की निदेशक) डॉ. ए.एस. प्रसन्ना गोगोई (संगीता नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता, निदेशक, उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनईजेडसीसी), दीमापुर, नागालैंड) रामकृष्ण तालुकदार (संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता, शैत्रिय नृत्य प्रतिपादक) विपुल चंद्र दास, विष्णु रवा बोथा और सुरेंद्र मेमोरियल अबार्डी, (प्रख्यात कथा प्रतिपादक) प्रख्यात गायिका मनीषा हजारिका (डॉ भूपेन हजारिका जी की बहन) प्राकृतिक संसाधनों के अपव्यय को कम करने के महत्व पर जोर देने और पुरुष और महिला को एक दूसरे के लिए यिन और यांग के रूप में मानने के उद्देश्य से, उत्पादन का उद्देश्य पांच तत्वों के सामंजस्यपूर्ण विवाह को दर्शाने वाले मध्ययुगीन परीक्षणों से दुर्लभ कहानियों को निकालना हैं: भूमि, जल, अग्नि, वायु और आकाश एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए हैं जैसा हम देखते हैं। वही तत्व शिव के पांच रूपों की अभिव्यक्तियां हैं। जो कि- सद्योजात, वामदेव, अघोरा, तत्पुरुष और ईशाना जिन्हें नृत्य के रूप में दर्शाया गया था। नृत्य रूप - मोहिनीअट्टम के माध्यम से, पृथ्वी के निर्माण की अवधारणा को प्रदर्शित किया गया था और सद्योजाता का अवतार जो पार्वती की मदद से भूमि को प्राप्त करता हैं। दूसरी ओर ओडिसी नर्तकों के समूह ने वामदेव के अपने संस्करण और गंगा के अस्तित्व द्वारा व्यक्त दूसरे तत्व जल का शिष्टता से प्रतिनिधित्व किया गया हैं। शिव के एक अंश, प्रकाश के प्रतीक %अग्निजा% के महत्व का एहसास उनके परित्याग के बाद भरतनाट्यम कलाकारों द्वारा किया गया था, जिन्होंने भगवान शिव के अघोरा पहलू को चित्रित किया था और जो तत्व %अग्नि% को ही प्रकट करता हैं। तत्व वायु के तत्पुरुष अवतार को कुचिपुड़ी नृत्य शैली में प्रस्तुत किया गया था, जिसमें इसकी आवश्यक प्रकृति पर जोर दिया गया था, जिसके बिना अन्य तत्व जीवित नहीं रह सकते। अंत में ईशाना के चित्रण के अंतिम कार्य में परिणत शिव का पांचवां रूप जो आकाश को प्रकट करता हैं। ब्रह्मांड जो %ओम% की ध्वनि से गूंजता है, यह सबसे पहले शिव के डमरू से निकला था और भारतीय पौराणिक कथाओं से यह सर्वोत्कृष्ट तथ्य कथक नर्तकियों की द्वारा ही प्रस्तुत किया गया था।

'केप टू रियो रेस' में हिस्सा लेगी भारतीय नौसेना की आईएनएसवी तारिणी

- समुद्री नौकायन दौड़ केप टाउन से 02 जनवरी को शुरू होगी, रियो डी जनेरियो में खत्म
- अभियान के दौरान आईएनएसवी तारिणी लगभग 30 हजार किमी. की दूरी तय करेगी

नई दिल्ली, (हि.स.)। दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन से ब्राजील के रियो डी जनेरियो तक समुद्री नौकायन दौड़ 02 जनवरी से होगी। इसका समापन रियो डी जनेरियो, ब्राजील में होगा। इस 50वें संस्करण में भाग लेने के लिए भारत ने आईएनएसवी तारिणी को भेजा है। यह दौड़ सबसे प्रतिष्ठित ट्रांस-अटलांटिक महासागर दौड़ में से एक है। इस अभियान में भारतीय नौसेना दल का नेतृत्व पांच अधिकारी करेंगे, जिनमें दो महिला अधिकारी भी हैं। नौसेना प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि आईएनएसवी तारिणी 'केप टू रियो रेस' के 50वें संस्करण में भाग लेने के लिए रवाना हो गई है। इस समुद्री नौकायन दौड़ को केप टाउन से 02 जनवरी, 2023 को झंडी दिखाई जाएगी। इसका समापन रियो डी जनेरियो, ब्राजील में होगा। इस अभियान के दौरान आने-जाने में आईएनएसवी तारिणी लगभग 17000 नॉटिकल मील (लगभग 30 हजार किमी.) की दूरी तय करेगी। इस ट्रांस-समुद्री यात्रा में 5-6 महीने की अवधि में चालक दल को भारतीय, अटलांटिक

और दक्षिणी महासागरों के चरम मौसम और खराब समुद्री परिस्थितियों का सामना करना है। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य जहाज पर चालक दल को नेविगेशन, संचार, तकनीकी, योजना आदि सहित आवश्यक सीमैनशिप कौशल में प्रशिक्षित करना है। यह अभियान दुनिया के एकल परिक्रमा नौकायन अभियान के लिए जहाज पर सवार दो महिला अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिहाज से एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। समुद्र में नौकायन एक अत्यंत मुश्किल साहसिक खेल है। यह महासागर नौकायन अभियान भारतीय नौसेना की दुनिया भर में अपनी उपस्थिति दशार्ने के साथ-साथ रोमांच की भावना, जोखिम लेने की क्षमता को विकसित करने में मदद करेगा। भारतीय नौसेना नियमित रूप से सागर परिक्रमा, आईओएनएस 10वीं वर्षगांठ और बंगाल की खाड़ी के नौकायन अभियानों में भाग लेती रही है। आईएनएसवी तारिणी को 2017 में 'नाविका सागर परिक्रमा' नामक ऐतिहासिक अभियान में दुनिया भर में परिक्रमा करने के लिए जाना जाता है। इस अभियान के दल में सिर्फ महिला अधिकारी शामिल थीं। मौजूदा समय में जहाज के कैप्टन अतुल सिन्हा हैं और उनके साथ लेफ्टिनेंट कमांडर आशुतोष शर्मा, लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के., लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए और सब लेफ्टिनेंट अविरल केशव सदस्य के रूप में हैं। कमांडर मधवाल ने बताया कि इस अभियान के दौरान भारत में वापसी के लिए रियो डी जनेरियो में एक क्रू टर्नअराउंड की योजना बनाई गई है। चालक दल में बदलाव के बाद कमांडर निखिल पी हेगड़े कप्तान के रूप में कार्यभार संभालेंगे जबकि कमांडर एमए जुल्फिकार, कमांडर दिव्या पुरोहित और कमांडर अभिषेक डोके चालक दल के सदस्य होंगे। लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए अभियान के दोनों चरणों के लिए चालक दल का हिस्सा होंगी, क्योंकि उन्हें दुनिया की एकल परिक्रमा के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के तहत इन महिला अधिकारियों ने हाल ही में मॉरीशस के अभियान में भी भाग लिया था।

वर्ष के अंत में एक बार फिर पीएम मोदी से मिलेंगी ममता

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने जा रही हैं। इस बार बैठक कोलकाता में होगी। राज्य प्रशासन सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि आगामी 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय गंगा परिषद की बैठक के लिए कोलकाता आ सकते हैं। प्रधानमंत्री इस परिषद के अध्यक्ष हैं। इसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी सदस्य के तौर पर शामिल हैं। कई कार्यक्रम होने हैं इसलिए इसमें मुख्यमंत्री का शामिल होना भी लगभग तय है। अगर प्रधानमंत्री आते हैं तो अलग से ममता के साथ उनकी बैठक भी होगी, जिसमें पश्चिम बंगाल के

बकाए के भुगतान के बारे में भी चर्चा हो सकती है। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी रुजीरा के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियां जब भी जांच तेज करती हैं तब ममता दिल्ली जाकर पीएम से मुलाकात करती हैं और इधर केंद्रीय एजेंसियों की जांच की गति भी धीमी हो जाती है। अब एक बार फिर बंगाल भाजपा के सभी सांसद और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी दिल्ली में हैं। वहां तृणमूल के खिलाफ जांच तेज करने समेत चुनावी रणनीति पर बैठक हुई है। इस बीच ममता का एक बार फिर प्रधानमंत्री से मिलना नए राजनीतिक अटकलों को बल दे रहा है।

ताजमहल पर 1.40 लाख रुपये का संपत्ति कर, एक करोड़ रुपये जल कर का नोटिस

नई दिल्ली, (हि.स.)। विश्व धरोहर ऐतिहासिक ताजमहल को आगरा नगर निगम ने 1.40 लाख रुपये का संपत्ति कर और एक करोड़ से अधिक रुपये का जल कर नोटिस भेजा है। नोटिस में लिखा गया है कि अगर यह कर नहीं चुकाया गया तो ताजमहल पर नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधीक्षण पुरातत्वविद् राजकुमार पटेल ने बताया कि सन 1920 से ताजमहल एक संरक्षित स्मारक है। नियमों के अनुसार इससे पहले

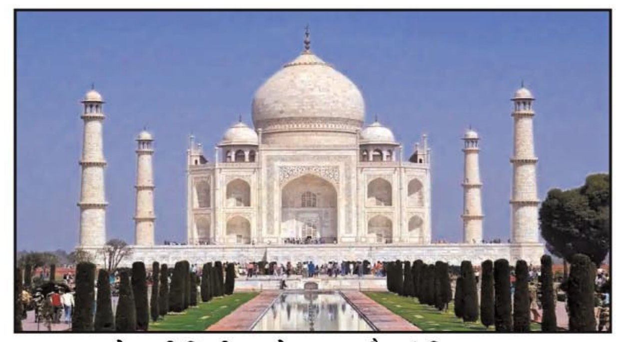

ताजमहल को कभी किसी कर के भुगतान को कोई नोटिस नहीं मिला है। लेकिन अचानक जल कर के लिए एक नोटिस और संपत्ति कर के लिए एक नोटिस जारी किया गया है। संपत्ति कर लगभग 1.40 लाख रुपये है और जल कर लगभग 1 करोड़ रुपये है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया है।

सस्ती दर पर सिलेंडर उपलब्ध कराएगी राजस्थान सरकार, केन्द्र भी करे गौर : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि राजस्थान सरकार गरीबों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने जा रही है। यह योजना स्वागत योग्य है। केन्द्र सरकार को भी इस योजना पर अमल करना चाहिए। राहुल ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने का राजस्थान की कांग्रेस सरकार का बड़ा ऐलान है। यह कीमत केंद्र सरकार की कीमतों के आधे से भी कम दाम में है। पीएम मोदी को भी महंगाई से त्रस्त जनता के बारे में सोचना चाहिए। उल्लेखनीय है कि सोमवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर कहा था कि राज्य सरकार गरीबों को अधिकतम राहत पहुंचाने के लिए निरंतर

जनकल्याणकारी फैसले ले रही है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार गरीब तबके को सस्ती दर पर सिलेंडर उपलब्ध करवाने के लिए योजना लेकर आ रही है। उन्होंने कहा था कि योजना लागू होने से एक अप्रैल, 2023 से 500 रुपये प्रति सिलेंडर की दर से उज्जवला योजना से जुडे, बीपीएल और गरीब लोगों को वर्ष में 12 सिलेंडर मिल सकेंगे। इससे महंगाई के इस दौर में आमजन पर आर्थिक बोझ कम हो सकेगा। गहलोत ने कहा था कि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा राज्य में योजना को लागू करने के लिए रूपरेखा तैयार की जा रही है। इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा जरूरतमंद लोगों को रसोई के सामान के किट उपलब्ध कराने के लिए भी योजना बनाई जाएगी।

फेक न्यूज फैलाने वाले तीन यूट्यूब चैनल हुए बेनकाब, 33 लाख से ज्यादा थे सब्सक्राइबर

अजय कुमार

नई दिल्ली। देश में भ्रामक खबर फैलाने वाले तीन यूट्यूब चैनल का पदार्फाश किया गया है। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 40 से अधिक तथ्य-जांच की एक श्रृंखला में तीन यूट्यूब चैनलों का भंडाफोड़ किया, जो भारत में गलत सूचना फैला रहे थे। इन चैनलों के लगभग 33 लाख सब्सक्राइबर हैं और उनके वीडियो हैं। इनमें न्यूज हेडलाइंस (9.67 लाख सब्सक्राइबर), सरकारी अपडेट (22.6 लाख सब्सक्राइबर), आज तक लाइव(65.6 हजार सब्सक्राइबर) शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक ये यूट्यूब चैनल भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय, भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश, सरकारी

योजनाओं, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम), कृषि ऋण माफी आदि के बारे में झूठे और सनसनीखेज दावे फैलाते हैं। इसके साथ चैनल अपने वीडियो पर विज्ञापन दिखा रहे थे। उल्लेखनीय है कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा पिछले एक साल में एक सौ से अधिक यूट्यूब चैनलों को ब्लॉक किए जाने के बाद पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट ने यह कार्रवाई की है।

देश में 1000 खेलो इंडिया केन्द्रों की स्थापना कर प्रधानमंत्री ने खेल कौशल को आगे बढ़ाने में योगदान दिया: स्मृति ईरानी

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि खेलो इंडिया के तहत देशभर में एक हजार सेंटर खोले गए हैं। केंद्र सरकार का मकसद युवाओं के कौशल का विकास करना है। इन केन्द्रों की स्थापना कर प्रधानमंत्री ने खेल कौशल को आगे बढ़ाने में योगदान दिया है। स्मृति ईरानी ने कहा कि राष्ट्र ने देखा कि कैसे महिला हॉकी टीम ने एक बार फिर ख्याति हासिल की है। आज देश के 300 से ज्यादा खिलाड़ी अगले 8 साल के लिए सालाना 5 लाख रुपये का लाभ उठा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केन्द्र के सहयोग के कारण ओलंपिक के दौरान भारत

का प्रदर्शन देखा जब भारत ने एथलेटिक्स में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। पैरालिंपिक में भी 19 पदक बताते हैं कि हमारे दिव्यांग युवा भी अपनी प्रतिभा से देश का नाम रोशन कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि भारत विश्व में स्टार्टअप का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम रखता है। 650 से ज्यादा जिलों में 80 हजार से ज्यादा स्टार्टअप, 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न इस बात का संकेत है कि उद्यमिता के क्षेत्र में भारत का परचम किस प्रकार लहरा रहा है।

मुंबई महानगरपालिका में दवाओं की खरीद में गड़बड़ी

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई महानगरपालिका में दवाओं की खरीद में गड़बड़ी हुई है। इस मामले की जांच होगी। यह ऐलान मंगलवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नागपुर विधानसभा में किया। भाजपा विधायक आशीष शेलार ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान मुंबई के कांदिवली स्थित भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर म्युनिसिपल अस्पताल में सुविधाओं के आभाव का मुद्दा उठाया। शेलार ने कहा कि इस अस्पताल में खाली पड़े पदों को तुरंत भरा जाए। उन्होंने मांग कि

गलत दवा की खरीद और दवा में देरी की जांच की जाए। इसके जवाब में मुख्यमंत्री ने जांच कराने पर सहमति जताई और आश्वासन दिया कि खाली पदों को तुरंत भरा जाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 5,500 आशा कार्यकताओं की भर्ती के साथ 5,000 स्वच्छता दूतों की भर्ती की जाएगी। भाजपा विधायक अतुल भातखलकर की इस अस्पताल के बारे में विस्तार से चर्चा करने के लिए अलग बैठक बुलाने की मांग को भी मुख्यमंत्री ने मान लिया। इस बीच विधायक आशीष शेलार ने मांग की कि पश्चिमी उपनगर में सेवन हिल्स अस्पताल को मुंबई मनपा द्वारा अपने कब्जे में ले लिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इसे स्वीकार करते हुए कहा कि इस संबंध में मनपा को निर्देश दिए जाएंगे।

नया साल दिल्ली को दिलाएगा जाम से निजात

अजय त्यागी

नई दिल्ली। जाम से जूझती दिल्ली के लिए नया साल राहत लेकर आ रहा है। दिल्ली सरकार की चार बड़ी परियोजनाएं अगले दो माह में पूरी होने जा रही हैं। इसमें तीन अंडरपास और एक फ्लाईओवर शामिल है। इसमें एक अंडरपास का उद्घाटन जनवरी के पहले सप्ताह में ही हो सकता है। तीन अन्य परियोजनाएं भी फरवरी के आखिर तक जनता को समर्पित कर दी जाएंगी। जाम से जूझती दिल्ली के लिए नया साल राहत लेकर आ रहा है। दिल्ली सरकार की चार बड़ी परियोजनाएं अगले दो माह में पूरी होने जा रही हैं। इसमें तीन अंडरपास और एक फ्लाईओवर शामिल है। इसमें एक अंडरपास का उद्घाटन जनवरी के पहले सप्ताह में ही हो सकता है। तीन अन्य परियोजनाएं भी फरवरी के आखिर तक जनता को समर्पित कर दी जाएंगी। गांधी विहार में वजीराबाद और जगतपुर के बीच मेट्रो की परियोजना को दो आधे अंडरपास के साथ अनुमोदित किया गया था जो अभी भी बाहरी रिंग रोड पर बुराड़ी और वजीराबाद के बीच निमार्णाधीन हैं। यह सड़क शहर की सबसे व्यस्त और चौड़ी सड़कों में से एक है। इस कारण से इस क्षेत्र में दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। तैयार कर लोगों द्वारा इसका उपयोग शुरू करने के बाद काफी राहत मिली है। क्षेत्र में कई कोचिंग संस्थान भी हैं। अंडरपास के जिस भाग से वाहन गुजरने हैं इसे जनवरी तक तैयार किए जाने का लोक निर्माण विभाग का लक्ष्य है। जगतपुर अंडरपास के निर्माण पर 38 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। बजट भले ही नहीं बढ़ा है मगर परियोजना दो साल देरी से पूरी हो रही है।

राजधानी में बढ़ा घना कोहरा, अगले पांच दिन तक शीत लहर का अलर्ट जारी

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के साथ घने कोहरे ने लोगों की मुसीबतें बढ़ा दी है। मंगलवार को राजधानी घने कोहरे की चादर में लिपटी नजर आई। मौसम विभाग ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा में अगले पांच दिनों तक कोहरे और तापमान में गिरावट का अलर्ट जारी किया गया है। मंगलवार को राजधानी में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री दर्ज किया गया वहीं, अधिकतम तापमान 22 डिग्री रहने का अनुमान है। वहीं, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का औसत स्तर 414 दर्ज किया गया जो कि गंभीर श्रेणी में आता है। मंगलवार को राजधानी एनसीआर में विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम दर्ज की गई।

मौसम विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक पालम में सुबह 25 मीटर विजिबिलिटी रही, वहीं, सफदरजंग में 50 मीटर विजिबिलिटी रही। हाईवे पर विजिबिलिटी बेहद कम रही। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को अंडमान निकोबार द्वीप समूह में कई स्थानों पर बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा और महाराष्ट्र में भी गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। देश के बाकी हिस्सों में मौसम सामान्य रहेगा। वहीं, उत्तर भारत में अगले पांच दिन घने कोहरे की संभावना जताई गई है।

महापुरुषों के अपमान को लेकर विधानभवन पर सत्तापक्ष और विपक्ष का जवाबी प्रदर्शन

मुंबई। देश के महापुरुषों के अपमान को लेकर महाराष्ट्र में सत्तापक्ष और विपक्ष आक्रामक हो गए है। मंगलवार को नागपुर में विधानमंडल के शीतकालीन अधिवेशन शुरू होने पर सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ने विधानभवन की सीढ़ियों पर इस मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया। मंगलवार को विपक्ष ने महापुरुषों के अपमान के मुद्दे पर विधानभवन परिसर की सीढ़ियों पर प्रदर्शन किया। विपक्ष की ओर से विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार, विधान परिषद के नेता

प्रतिपक्ष अंबादास दानवे, पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे, छगन भुजबल, जीतेंद्र आव्हाड आदि मौजूद रहे। विपक्ष महापुरुषों के अपमान करने के मामले में राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को तत्काल हटाने की मांग कर रहा है। इसके जवाब में सत्तापक्ष ने भी महापुरुषों के अपमान को लेकर विधान भवन की सीढिय़ों पर प्रदर्शन किया। सत्तापक्ष की ओर से मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार, प्रवीण दरेकर, अतुल भातखलकर आदि नेता विपक्ष के विरुद्ध नारेबाजी की। प्रवीण दरेकर ने कहा कि विपक्ष ही महापुरुषों का अपमान करता है और सत्तापक्ष की ओर उंगली दिखाता है। विपक्ष की यह रणनीति किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विपक्ष की इस रणनीति का करारा जवाब दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने भाजपा सांसदों से बाजरा और खेलों को बढ़ावा देने पर दिया जोर

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भाजपा संसदीय दल की बैठक में अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष-2023 के मद्देनजर ज्वार-बाजरा जैसे मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए देश में जनआंदोलन चलाने का आह्वान किया। साथ ही प्रधानमंत्री ने सांसदों से खेलों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। भाजपा संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री ने बाजरा के माध्यम से पोषण अभियान को बढ़ावा देने के तरीके सुझाए। संसदीय समिति ने अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष पर जी-20 देश के मेहमानों को बाजरे के व्यंजन खिलाने का फैसला लिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सांसद बाजरे को बढ़ावा देने के लिए अपनी बैठकों में मोटे अनाज से बने भोजन परोस सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश में 85 प्रतिशत से अधिक किसान बड़ी संख्या में बाजरा उगाते हैं। ऐसे में मोटे अनाज की खपत बढ़ने से उन्हें आर्थिक मदद मिलेगी। बैठक में प्रधानमंत्री ने कबड्डी जैसे भारतीय खेलों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। उन्होंने सांसदों से अपील की कि वे कबड्डी जैसे भारतीय खेलों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में स्पोर्ट्स मीट की मेजबानी भाजपा की पहल रही है। भाजपा संसदीय दल की बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री

प्रह्लाद जोशी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सबसे अहम बात यह है कि भारत सरकार के अनुरोध पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में घोषित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बैठक में इस मामले पर 2 पहलू दिए। पहला, हम बाजरे के माध्यम से चल रहे पोषण अभियान को बढ़ावा दे सकते हैं। दूसरा, प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि जी-20 मेहमानों के लिए डिनर या जहां भी संभव हो, बाजरे की चीजें रखी जा सकती हैं ताकि वे बाजरा के महत्व को समझ सकें। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, संसदीय मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी और प्रमुख सांसदों सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में एलएसी पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हालिया झड़प के मुद्दे पर सरकार संसद में विपक्षी सांसदों की आलोचना का सामना कर रही है। ऐसे में एक सप्ताह के अंतराल में भाजपा सांसदों की यह दूसरी बैठक थी। इससे पहले भाजपा ने 14 दिसंबर को संसदीय दल की बैठक बुलाई थी।

अणुव्रत को दिल्ली नहीं ले जा सकेगी ईडी, पुलिस की हिरासत में भेजे गए मंडल

कोलकाता, (हि.स.)। राज्य के बहुचर्चित मवेशी तस्करी मामले में गिरफ्तार बीरभूम जिले के बाहुबली नेता अणुव्रत मंडल को दिल्ली ले जाने की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोशिशों को झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने अणुव्रत के खिलाफ प्रोडक्शन वारंट जारी तो कर दिया था, लेकिन मंगलवार को उन्हें एक पुराने मामले में पश्चिम बंगाल के दुबराजपुर कोर्ट ने सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। अब फिलहाल ईडी उन्हें दिल्ली नहीं ले जा सकेगी। तृणमूल कार्यकर्ता से मारपीट के मामले में उन्हें पुलिस हिरासत में भेजा गया है। दुबराजपुर थाने में सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में वह रहेंगे। आगामी 27 दिसंबर को उन्हें एक बार फिर कोर्ट में पेश किया जाएगा। सूत्रों ने बताया है कि वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले बालीगिरी पंचायत के पूर्व प्रमुख शिव ठाकुर मंडल पर जानलेवा हमला हुआ था। इस मामले में शिव ठाकुर ने रविवार को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। सालभर बाद हुई इस

प्राथमिकी को लेकर भी पुलिस की कार्य शैली को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसी मामले में पुलिस ने उन्हें मंगलवार को कोर्ट में पेश किया, जिसमें उन्हें सात दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेजा गया है। दावा किया जा रहा है कि राज्य प्रशासन के साथ मिलकर यह साजिश रची गई है ताकि अणुव्रत को दिल्ली ले जाने की योजना फेल हो जाए। केंद्रीय एजेंसी के सूत्रों ने बताया है कि इसके खिलाफ हाई कोर्ट में आवेदन किया जाएगा।

राज्यसभा के शून्यकाल में सांसद संजय सिंह उठाएंगे बलवंत सिंह का मामला

– पुलिस हिरासत में बलवंत की बेरहमी से पिटाई के बाद हो गई थी मौत

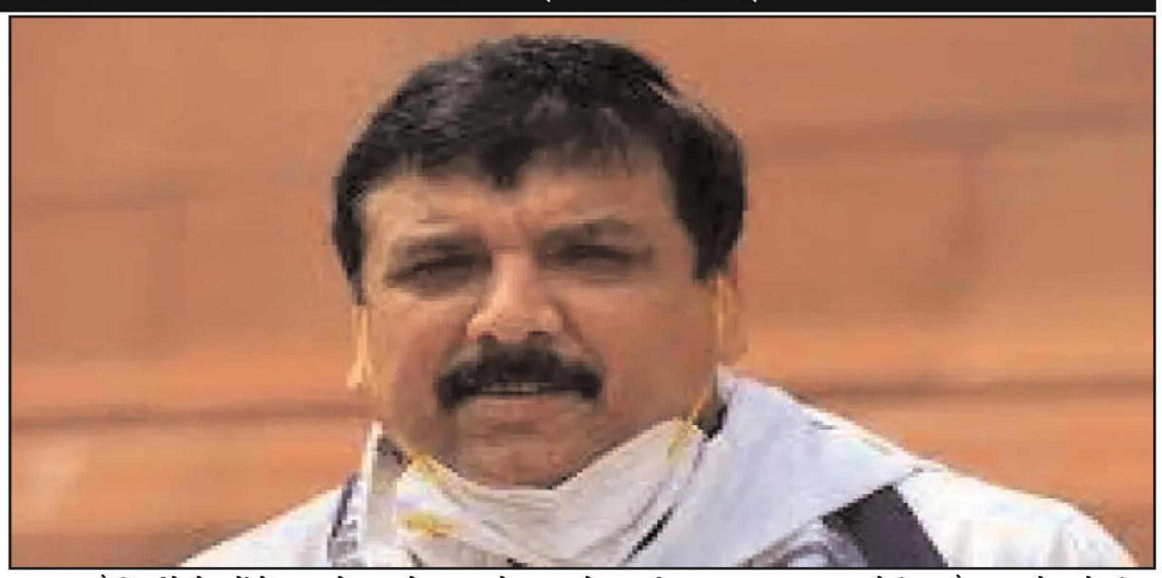

कानपुर देहात, (हि.स.)। जनपद में पुलिस हिरासत में युवक की मौत का मामला लगातार राजनीतिक तूल पकड़ता जा रहा है। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के मृतक के घर पहुंचने के बाद अब आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह इस मामले को राज्यसभा के शून्य काल में उठाएंगे। इस-के लिए उन्होंने राज्यसभा अध्यक्ष से समय मांगा है। जनपद में बीते दिनों पुलिस हिरासत में बलवंत सिंह की मौत हो गई थी। जिसके बाद पुलिस ने इस मामले को दबाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन यह मामला दिन-पे-दिन तूल पकड़ता जा रहा है। एक तरफ जहां सत्ताधारी मंत्री, सांसद और विधायक पीड़ित की मदद करने के लिए आगे आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कार्यवाही से असंतुष्ट मृतक बलवंत के परिवार विपक्ष से न्याय दिलाने की मांग कर रहा है। इसी कड़ी में अब आप पार्टी के सांसद संजय सिंह ने भी इस मामले को राज्य सभा के शून्य काल में उठाने के लिए राज्यसभा अध्यक्ष से समय मांगा है। सांसद संजय सिंह ने अपने पत्र में साफ कहा है कि बीते दो वर्षों से उत्तर प्रदेश पुलिस हिरासत में मौत के मामले में देश का नम्बर एक प्रदेश बन गया है। जिसको लेकर वह इस मामले को राज्यसभा में उठाना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व सोमवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मृतक बलवंत के पीड़ित परिजनों से मिलने कानपुर देहात पहुंचे थे। एक घण्टे की मुलाकात के बाद उन्होंने मीडिया के सामने मौजूदा सरकार पर कई सवाल खड़े किए और उत्तर प्रदेश को पुलिस हिरासत में मौत के मामले में देश का नम्बर एक प्रदेश बताया था। उनके बाद इस मामले को लेकर सत्ता पक्ष को घेरने के लिए आप सांसद भी आगे आ गए हैं।

पद मिले या ना मिले अब आजीवन समाजवादी पार्टी के लिए करुंगा काम : शिवपाल यादव

लखनऊ/प्रयागराज, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री शिवपाल यादव ने प्रयागराज में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए पद कोई मायने नहीं रखता है। पद मिले या ना मिले लेकिन अब आजीवन समाजवादी पार्टी के लिए ही काम करूंगा। यह मेरा अंतिम फैसला है। शिवपाल यादव ने कहा कि पार्टी में उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी उसे वह ठीक से निभाएंगे। अगर कोई पद या जिम्मेदारी नहीं भी मिलती है तब भी वह संगठन के लिए काम करेंगे। कार्यकताओं को सक्रिय करेंगे और पार्टी को मजबूत करने की कोशिश करेंगे। शिवपाल यादव ने यह भी कहा कि जयप्रकाश नारायण और डॉक्टर राम मनोहर लोहिया के पास कोई पद नहीं था, लेकिन वह दोनों जब बाहर निकले तो उन्होंने राजनीति में हलचल मचा दी। इसी तरह वह भी पद की कोई लालसा नहीं रखेंगे और संगठन को मजबूत करने का काम करते रहेंगे। शिवपाल ने कहा कि सपा हमारी पार्टी है। नेताजी की बनाई हुई पार्टी है, इसलिए पद मिले या ना मिले मैं आजीवन इसी में रहूंगा। पार्टी में उन्हें नेता विपक्षी दल बनाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह पहले भी नेता विरोधी दल रह चुके हैं, लेकिन इस वक्त अखिलेश इस भूमिका को निभा रहे हैं और अच्छे से एवं बेहतर तरीके से निभा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शिवपाल यादव पूर्व में प्रदेश अध्यक्ष, महासचिव, नेता विपक्षी दल रहे चुके हैं। साथ ही प्रदेश में समाजवादी पार्टी की चार बार सरकार बनवाने में भी अहम भूमिका में रहे हैं।

भजन गायक हंसराज रघुवंशी ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी

-बोले—जीवन में लोगों को एक बार काशी अवश्य आना चाहिए

वाराणसी, (हि.स.)। मेरा भोला है भंडारी..गाकर चर्चा में आये शिवभजन गायक हंसराज रघुवंशी ने मंगलवार को बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। दरबार में विधि विधान से दर्शन पूजन के बाद विश्वनाथ धाम का अवलोकन कर गायक हंसराज ने कहा कि जीवन में लोगों को एक बार काशी अवश्य आना चाहिए। यहां जो सुख शांति वैभव है वह इस तीनों लोक में और कहीं नहीं है। बाबा दरबार का दर्शन करके साक्षात आत्मा का परमात्मा से मिलन हो जाता है। हर हर महादेव। मंदिर में दर्शन पूजन के बाद हंसराज रघुवंशी गंगा उस पार रेत में एल्बम की शूटिंग में भाग लेने के लिए निकल गये। बताते चलें हंसराज रघुवंशी एक शिव भक्त हैं और मुख्यतः भजन गाते हैं। हंसराज का भजन मेरा भोला है भंडारी सोशल मीडिया पर धूम मचा चुका है। हंसराज ने अब तक की सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचने का श्रेय महादेव की कृपा को दिया है। हंसराज अक्सर कहते है कि एक मित्र ने गाए हुए भजनों को इंटरनेट मीडिया पर डालने की सलाह दी थी। उस सलाह पर भजन इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने लगे। बाबा भोले की महिमा ही है कि ख्याति बढ़ रही है। जीवन में अब तक जो कुछ भी मिला है वह सब भगवान शिव की कृपा का परिणाम है।

झूठे मुकदमे बनाकर लोगों को फंसा रही है भाजपा : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर झूठे मुकदमे बनाने और लोगों को फंसाने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी का भी मुद्दा उठाया है। अखिलेश यादव ने मंगलवार को सुबह अपने ट्वीटर अकाउंट से पोस्ट कर भाजपा भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ह्भाजपा के राज में महंगाई, बेरोजगारी और नाइंसाफी अपने चरम पर है।

भाजपा झूठे मुकदमे बनाकर लोगों को फंसा रही है, इसीलिए न्याय बाधित हो रहा है क्योंकि सच्चे आरोपों में समय नहीं लगता पर झूठे आरोपों के लिए भाजपाइयों को सौ प्रबंध करने पड़ते हैं, जिनसे न्याय प्रक्रिया में देरी होती है।

अपरेश सिंह ने झारखंड हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभाला

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस अपरेश कुमार सिंह झारखंड हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं। उन्होंने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। इस संबंध में हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने नोटिस जारी किया गया है। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डॉ रवि रंजन के सेवानिवृत्ति के बाद जस्टिस अपरेश कुमार सिंह को कार्यवाहक बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि 16 दिसंबर को केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय की ओर से जस्टिस अपरेश कुमार सिंह को 20 दिसंबर से मुख्य न्यायाधीश के कार्यों का दायित्व संभालने संबंधी निर्देश जारी किया गया है। भारत सरकार के केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार हाई कोर्ट के वरीय जज होने के तहत जस्टिस अपरेश कुमार सिंह को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अयोध्या में रौनाही टोल प्लाजा पर डबल डेकर बस पलटी, 15 यात्री घायल

अयोध्या, (हि.स.)। जिले के थाना रौनाही के टोल प्लाजा बूथ नंबर आठ पर मंगलवार सुबह एक डबल डेकर बस पलट गई। हादसे में 15 सवारियां घायल हैं, जिसमें तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। घायल यात्रियों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस के मुताबिक, डबल डेकर बस दिल्ली से बिहार के दरभंगा जा रही थी। रौनाही टोल प्लाजा के पास पहुंचते ही चालक ने आरटीओ को देख बस की रफ्तार बढ़ा दी, जिससे बेकाबू बस टोल बूथ के डिवाइडर पर चढ़ कर पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों की चीख-पुकार मच गई। आस-पास से ग्रामीणों की मदद से टोल कर्मियों ने सभी घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए सीएचसी और जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। इसमें तीन की हालत नाजुक है। टोल प्लाजा के सहायक प्रबंधक महेश तिवारी ने बताया कि आरटीओ व सेल टैक्स विभाग के लोग रोज टोल बूथ से पहले सुबह ही आकर खड़े हो जाते है, जो नियम खिलाफ है। उन्होंने बताया कि इसी के चलते हादसा हुआ। थानाध्यक्ष रौनाही ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सभी घायलों के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

पक्ष और विपक्ष दोनों राज्यपाल से करें स्थानीय नीति विधेयक केंद्र को भेजने की मांग : मुख्यमंत्री

बिहार-यूपी के लोग साजिश के तहत झारखंडी हित में बनी नीतियों को न्यायालय ले जाते हैं : हेमंत

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि 1932 की खतियान आधारित स्थानीय नीति को मजबूत करने के लिए इसे दसवीं अनुसूची में शामिल करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष भी इसे केंद्र को भेजने के लिए राज्यपाल से आग्रह करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाई कोर्ट से नियोजन नीति रद्द की गई है। पहली बार नियोजन नीति रद्द नहीं हुई है। तीसरी बार राज्य में बने नियोजन नीति को निरस्त किया गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के प्रदेश अध्यक्ष कह रहे हैं कि हमने रघुवर सरकार में बनाये गये नियोजन नीति को रद्द करवाया था, जबकि यह सरासर गलत है। राज्य में तीन-तीन बार कार्यपालिका से नीति बनी और हाई कोर्ट से खारिज हो गया। यह दुर्भाग्य की बात है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कहा कि बिहार-यूपी के लोग साजिश के तहत झारखंडी हित में बनी नीतियों को न्यायालय में ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी बनायी नीतियों को खारिज करवाने के लिए एक आदिवासी युवा को कंप्लेंट बनाकर आगे कर दिया जाता है। फिर उसके पीछे 19 पेटीशनर आते हैं। ये सब के सब बाहरी होते हैं, क्योंकि स्थानीय नीति से तकलीफ बाहरियों को होता है। इसलिए अगर स्थानीय और नियोजन नीति को और मजबूत करना है तो हमें राज्य की भावना के साथ आगे बढ़ना होगा। हम सभी राज्यपाल से आग्रह करें कि जो नीति बनाई गई है उसे केंद्र को भेजें। दूसरे दिन जब 12:55 पर विधानसभा की कार्यवाही शुरू हुई तो सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक वेल में आ गये। सत्ता पक्ष के विधायक लोकसभा में हेमंत सोरेन के खिलाफ दिए गए निशिकांत दुबे के बयान का विरोध कर रहे थे जबकि विपक्ष के विधायक स्थानीय और नियोजन नीति को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

झारखंड में तीन साल में 364 पत्थर खनन पट्टे स्वीकृत हुए : लंबोदर महतो

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में आजसू विधायक लंबोदर महतो ने स्टोन क्रशर और बालू की नीलामी नहीं होने से रॉयल्टी नुकसान का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नीलामी नहीं होने से तीन साल में ढाई हजार करोड़ से ज्यादा का राजस्व नुकसान हुआ है। इस पर सरकार की ओर से जवाब देते हुए मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा कि 2019-20 से 2022- 23 तक 364 खनन पट्टों स्वीकृति दी गई है। वहीं, 2019-20 से नवंबर 2022 तक बालू, पत्थर और अन्य खनिज से 23,445 करोड रुपए राजस्व प्राप्त हुआ है। स-रकार की ओर से बताया गया कि राज्य में वर्तमान में कुल 563 खनन पट्टे और 559 स्टोन स्टॉक यार्ड संचालित हैं। बालू के श्रेणी -1 के कुल 21 बालू घाट संचालित है।

वर्ष 2022 में अबतक हाई कोर्ट में महिला अपराध से संबंधित कुल 5791 मामले दर्ज

-वर्ष 2014 से 2022 तक झारखंड में उच्च न्यायालय में 1109740 मामले लंबित

रांची, (हि.स.)। झारखंड उच्च न्यायालय में वर्ष 2022 में अब तक महिला अपराध से संबंधित कुल 5791 मामले दर्ज किए गए हैं जबकि राज्य के विभिन्न जिलों और अधीनस्थ न्यायालयों में 53838 मामले महिलाओं के द्वारा दर्ज हुए हैं। यह जानकारी केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा में सांसद संजय सेठ के सवाल के जवाब में दी। सांसद सेठ ने देशभर के न्यायालयों में वर्ष 2014 से लंबित पड़े मामलों को लेकर जानकारी मांगी थी। साथ ही न्यायालयों को कंप्यूटरीकृत करना, ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराने जैसी कई अन्य जानकारियां सांसद ने लोकसभा में मांगी थी। इसकी जानकारी उपलब्ध कराते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्ष 2014 से 2022 तक झारखंड में उच्च न्यायालय में 1109740 मामले लंबित है जबकि अब तक 302028 मामलों का निपटारा किया गया है। जिला और अधीनस्थ न्यायालयों में 2014 से 22 तक 3435260 मामले लंबित हैं जबकि इन वर्षों में जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में 1207182 मामलों का निपटारा किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्ष 2014 से 2022 तक उच्चतम न्यायालय में 562499 मामले लंबित पड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में देश के 3240 न्यायालयों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही 1272 का-रावासों को भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा से समर्थ बनाया गया है। कंप्यूटरीकृत न्यायालयों की संख्या अब देश में 18735 हो गई है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि न्यायालय मिशन पद्धति परियोजना को क्रियान्वित करने के लिए अब तक लगभग 2300 करोड़ रुपये की निधि निर्गत की गई है।

छपरा शराबकांड की जांच के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार की टीम पहुंची बिहार

पटना, (हि.स.)। छपरा जहरीली शराबकांड की जांच करने नेशनल ह्यूमन राइट कमीशन की जांच टीम मंगलवार को बिहार पहुंच गयी है। टीम पहले पटना पहुंची और सड़क मार्ग से छपरा के सारण के लिए रवाना हो गई हो गई है। नेशनल ह्यूमन राइट कमीशन की जांच टीम सारण में पिछले दिनों शराब से हुई 71 से अधिक लोगों की मौत की जांच करेगी। नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन की 10 सदस्यीय टीम आज दोपहर बिहार पहुंची है। जहरीली शराबकांड मामले पर एनएचआरसी की टीम पूरी तहकीकात कर केंद्र को अपना रिपोर्ट सौंपेगी। अब केंद्रीय जांच टीम के रिपोर्ट सौंपने के बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकता है। केंद्रीय जांच टीम के सदस्यों ने फिलहाल इस मामले पर कुछ भी बतलाने से इंकार किया है। उल्लेखनीय है कि बिहार में शराबबंदी को लगभग सात साल पूरे हो गये है लेकिन जहां तहां शराब मिलने का सिलसिला लगातार जारी रहता है। पिछले सात साल में कई लोगों की मौत जहरीली शराब पीने से भी हो गयी है लेकिन खास बात यह है कि पिछले दिनों छपरा के सारण में हुई जहरीली शराबकांड में मरने वालों की संख्या अब तक की सर्वाधिक संख्या है। मानवाधिकार आयोग की टीम के आने के बाद नीतीश सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। क्योंकि, इस शराबकांड को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर रहा है और इसमें दी जाने वाली मुआवजे को सीएम की ओर से दिये जाने से इंकार करने के बाद बिहार की राजनीति गर्म रही है। सरकार पर इस कांड में हुई मौत के सही आकड़ों को छुपाने का आरोप विपक्ष ने लगाया है।

कटिहार में शांतिपूर्ण माहौल में मतगणना सम्पन्न, विजयी पार्षदों को मिला प्रमाणपत्र

कटिहार, (हि.स.)। नगर निकाय चुनाव के पहले चरण में जिले के पांच निकाय की 72 सीटों के लिए, मतगणना तीनगछिया बाजार समिति के परिसर में शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो गया। मतदान केंद्र के बाहर और अंदर सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम किया गया था। इस चुनाव में बारसोई नगर निकाय के मुख्य पार्षद के लिए बिमला देवी (रिपीट) तथा उप मुख्य पार्षद प्रमोद कुमार साह विजय हुए। पार्षद में वार्ड नं-01से मोमिर आलम, 02 से धर्मेंद्र सिंह, 03 से मेघनाथ मंडल, 04 से नसेबा खातून,05 से शाहिना खातून, 06 से चंद्रकला देवी, 07 से अजय कुमार महतो, 08 से अतिबन निशा, 09 से फैजान,10 से बेबी खातून, 11 से सोनम देवी, 12 से रोहित कुमार भगत, 13 से बेबी साहा, 14 से आशा कुमारी साह, 15 से दीपक चंद्र दास, 16 से सितारा बेगम तथा 17 से दुखिया खातून ने जीत हासिल की। मनिहारी निकाय चुनाव में मुख्य पार्षद के लिए राजेश कुमार तथा उप मुख्य पार्षद पद पर शुभम कुमार विजयी हुए। पार्षद पद पर वार्ड नंबर 01 से युगल पासवान, 02 से बिमली देवी, 03 से सुल्ताना प्रवीण, 04 से रीता देवी, 05 से मनोज कुमार मंडल, 06 से श्रवण कुमार, 07 से निशा कुमारी, 08 से बेचन सिंह, 09 से रीता देवी, 10 से स्मिता सिन्हा, 11 से ओम कुमार गुप्ता, 12 से गुलाब चौधरी, 13 से लक्खी देवी, 14 से कुमुद देवी तथा 15 से काजल देवी को मतदाताओं ने विजयी बनाया। अमदाबाद निकाय चुनाव में मुख्य पार्षद पद पर बबलू मंडल एवं उप मुख्य पार्षद के लिए पृथ्वी मंडल चुने गए। पार्षद पद के लिए वार्ड नंबर 01 से फूल कुमारी देवी, 02 से शेख अब्दुल्ला कयूम, 03 से इति कुमारी, 04 से राजेन्द्र साह, 05 से समीरुद्दीन, 06 से जेबा प्रवीण, 07 से अबुतालिब मंसूरी, 08 से हेमपुष्पा कुमारी, 09 से चंद्रदीप पासवान, 10 से प्रदीप कुमार, 11 से मणिकांत मंडल, 12 से युगल किशोर साह, 13 से इशरत प्रवीण, 14 से महबूब शब्जी, 15 से जीरा देवी तथा 16 नंबर वार्ड से निर्मला देवी चुनी गई। कुसेर्ला निकाय चुनाव परिणाम में मुख्य पार्षद के लिए लवली कुमारी तथा उप मुख्य पार्षद पद पर पूनम देवी को मतदाताओं ने विजयी बनाया। वार्ड पार्षद के लिए वार्ड नं. 01 से पवन कुमार यादव, 02 से पूजा कुमारी, 03 से बसुंधरा कुमारी, 04 से मनीष कुमार, 05 से राज कुमार साह, 06 से हेमा कुमारी, 07 से नागो राम, 08 से पिंकी देवी, 09 से पंकज कुमार मंडल, 10 से पवन कुमार, 11 से भावना कुमारी, 12 से अश्वनी कुमार तथा 13 नं. वार्ड से गायत्री देवी विजयी घोषित हुई। कोढ़ा निकाय चुनाव में मुख्य पार्षद के लिए धीरज सिंह तथा उप मुख्य पार्षद पद पर रंजना राजन चुनी गई। वार्ड पार्षद के लिए वार्ड नं. 01 से माणिक लाल, 02 से डोली देवी, 03 से पूजा शर्मा, 04 से अमित कुमार, 05 से सोनी देवी, 06 से धर्मवीर चौधरी, 07 से राजेश कुमार चौधरी, 08 से मोजाम्मील हुसैन, 09 से गुलिया देवी, 10 से बिमल कुमार तथा 11 से निरज गुप्ता विजयी हुए। विजयी पार्षदों को चुनाव आयोग की ओर से प्रमाणपत्र मौके पर दी गई। पांचों नगर निकाय में चुनाव के परिणाम के बाद विजयी हुए पार्षदों एवं उनके समर्थकों में खुशी का माहौल है।

संपादकीय

हवाई यात्रा में सेवाओं का विस्तार

मोदी सरकार ने देश के यात्राओं को सुविधाजनक बनाने के लिए अपने पहले कार्यकाल से अब तक सराहनीय कार्य किया है। इस संदर्भ में न केवल रेलवे अपितु हवाई यात्रा के लिए भी आधारभूत संरचनाएं खड़ी की हैं। वर्ष 2014 में, जब प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यभार संभाला था, देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 थी, जो अब 140 हो गई है। पिछले दिनों ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। केंद्र सरकार ने आगामी पांच वर्षों में 220 हवाई अड्डों के विकास और संचालन का लक्ष्य निर्धारित किया है। गोवा में मोपा हवाई अड्डे का शिलान्यास प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा नवंबर, 2016 में हुआ था। उड्डयन क्षेत्र में हुई प्रगति को देखें तो स्पष्टतौर पर नजर आता है कि मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही इस क्षेत्र के विकास को अपनी प्राथमिकताओं में रखा है। पिछले साल नवंबर में प्रधानमंत्री मोदी ने नोएडा हवाई अड्डे की आधारशिला रखी थी और अक्टूबर में कुशीनगर हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था। इस वर्ष भी जुलाई में देवघर और नवंबर में इटानगर में भी हवाई अड्डों का उद्घाटन किया गया। उल्लेखनीय है कि महामारी के दौरान उड्डयन क्षेत्र को भारी नुकसान सहना पड़ा था और एयरलाइन कंपनियां अभी भी घाटे की भरपाई में जुटी हुई हैं। लेकिन धीरे-धीरे यात्रियों की संख्या बढ़ते जाने के साथ उड़ानों में भी तेजी आयी है। विशेषज्ञों का आकलन है कि 2024 तक भारत का उड्डयन बाजार दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन जायेगा। अर्थव्यवस्था में तीव्र वृद्धि को बनाये रखने के लिए नये हवाई अड्डों और अन्य संबंधित आधारभूत संरचनाएं विकसित करना आवश्यक है। व्यावसायिक और यात्री आवागमन के साथ-साथ पर्यटन के व्यापक विस्तार को भी ध्यान में रखा जा रहा है। मध्य आय वर्गीय परिवारों की आमदनी बढ़ने, उड़ान सेवा में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, आधारभूत ढांचे के विस्तार के साथ सकारात्मक नीतिगत आधार के कारण यह क्षेत्र बढ़ता जा रहा है। वर्ष 2010 में हमारे देश में 7.90 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की थी। वर्ष 2017 में यह आंकड़ा 15.80 करोड़ हो गया। अनुमान है कि 2037 तक यह संख्या 52 करोड़ तक पहुंच जायेगी। वर्तमान वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में देश की आर्थिक प्रगति के लिए प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत जिन सात इंजनों का उल्लेख किया गया था, उसमें एक हवाई अड्डों का विस्तार भी था। भारतीय उड्डयन बाजार के लगभग 14-15 प्रतिशत वार्षिक विकास दर के साथ 2025 तक 4.33 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इस क्षेत्र में सेवाओं का विस्तार और उनकी गुणवत्ता बढ़ाने के काम में ढेर सारी कंपनियों के साथ 42 से अधिक स्टार्टअप भी सक्रिय हैं। पायलट और अन्य कर्मचारियों की मांग भी बढ़ती जा रही है। अभी देश में 34 उड़ान प्रशिक्षण संस्थान हैं। इनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर मोदी सरकार के प्रयासों एवं संकल्प से आनेवाले समय में हवाई यात्रा और अधिक सुगम होगी, जिसका विविध प्रकार से नागरिकों को लाभ मिलेगा।

विशेषज्ञों का आकलन है कि 2024 तक भारत का उड्डयन बाजार दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन जायेगा। अर्थव्यवस्था में तीव्र वृद्धि को बनाये रखने के लिए नये हवाई अड्डों और अन्य संबंधित आधारभूत संरचनाएं विकसित करना आवश्यक है। व्यावसायिक और यात्री आवागमन के साथ-साथ पर्यटन के व्यापक विस्तार को भी ध्यान में रखा जा रहा है। मध्य आय वर्गीय परिवारों की आमदनी बढ़ने, उड़ान सेवा में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, आधारभूत ढांचे के विस्तार के साथ सकारात्मक नीतिगत आधार के कारण यह क्षेत्र बढ़ता जा रहा है। वर्ष 2010 में हमारे देश में 7 .90 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की थी। वर्ष 2017 में यह आंकड़ा 15 .80 करोड़ हो गया।

अमृत कलश

वैराग्य का अर्थ संसार से भागना नहीं

जब आप वैराग्य में नहीं होते हैं तो क्या होता है? आप अतीत या भविष्य से जुड़े होते हैं इसलिए आप वर्तमान से शत- प्रतिशत जुड़े नहीं होते हैं। इसलिए आप अधिक विभाजित होते हैं। क्या आपको यह समझ आया? इसलिए जब आपका दिमाग भविष्य में किसी चीज़ की उम्मीद कर रहा हो या अतीत पर पछतावा कर रहा हो तो यह उस पल के साथ शत प्रतिशत नहीं है जिसका अर्थ है कि यह पहले से ही विभाजित है। जब आप पूरी तरह से केंद्रित होते हैं और आप दुनिया में कुछ भी कर रहे होते हैं तो आप हर पल शत प्रतिशत होते हैं। तो आप भोजन कर रहे हैं, आप शत प्रतिशत भोजन कर रहे हैं, उस समय आप अपने द्वारा लिए जा रहे सूप के हर घूंट को अनुभव कर सकते हैं, भोजन का स्वाद बढ़िया लगता है और हर दृष्टि में ताज़ा और नया होता है, इसलिए आपका प्रेम हर क्षण, प्रथम प्रेम की तरह है। आप किसी को भी देखें, कुछ भी देखें, चाहे वह एकदम नया ही हो वह बहुत ही आकर्षक लगता है। वैराग्य में आनंद खोता नहीं है। वैराग्य आपको वह आनंद देता है जो कहीं और से नहीं मिल सकता। शंकराचार्य ने एक बहुत सुंदर बात कही है – "कस्य सुखं न करोति विरागा" ऐसा कौन सा सुख है जो वैराग्य से नहीं मिलता? इससे सारे सुख मिलते हैं है क्योंकि आप प्रत्येक क्षण वर्तमान में हैं। ये आपको शत प्रतिशत वर्तमान में रखता है। हर क्षण परम आनंद है। संसार में तथाकथित वैराग्य बड़ा शुष्क लगता है। जो लोग सोचते हैं कि वे बहुत ही प्रताड़ित हैं, उदासीन हैं, दुखी हैं, वे दुनिया से भाग जाते हैं और फिर वे कहते हैं, मैंने दुनिया को त्याग दिया है, यह कोई त्याग नहीं है। लोग, असफलताओं से, दुःख से, पीड़ा से बचने के लिए भाग खड़े होते हैं और स्वयं को कहते हैं कि वैराग्य में आ गये। वैराग्य बहुत बहुमूल्य है यदि आप वैरागी हैं तो आप बहुत केन्द्रित होंगे, आनंद से परिपूर्ण, पूरी तरह से संतुष्ट। हर व्यक्ति वैसा होना चाहेगा। जब सिकंदर भारत आया तो उसे लोगों ने सलाह दी कि अगर कोई साधू सन्यासी मिले तो उसे यहाँ पकड़ ले आना। वहाँ के साधू बहुत कीमती हैं। तो उसने आदेश दिया कि साधु उसके समक्ष आये। उसने कहा पंडितों अगर तुम नहीं आये तो मैं तुम्हारा सर कलम कर दूँगा। जब लोग इस पर भी सहमत नहीं हुए तो उसने कहा अगर तुम लोग नहीं आये तो मैं तुम्हारी सारी किताबें, सारे वेद ले लूँगा। ऐसा उसने आदेश दिया। इस पर साधुओं ने कहा ठीक है, कल शाम को ले जाना। तो इन पंडितों ने क्या किया कि अपने शिष्यों को रात भर में सभी वेद कंठस्थ करवा दिए और पांडुलिपियां उठाकर सिकंदर को दे दीं और कहा कि ले जाओ अब हमें इसकी आवश्यकता नहीं है।

–श्री श्री रविशंकर

बोध कथा

मोक्षसुख

बहुत ही पुराने समय की बात है। मिस्त्र देश का एक राजा था जिस पर देवता प्रसन्न हो गये और उसके पास आये और उसे उपहार स्वरुप एक चमत्कारी तलवार दी और उसे बोले कि जाओ और दुनिया फतह करो। इस पर राजा ने भगवान से सवाल किया, "भगवन ! मुझे किस चीज़ की कमी है जो मैं पूरी दुनिया को फतह करूँ।" इस पर देवता ने फिर से कुछ सोचकर "पारसमणि देते हुए राजा से कहा ये लो पारसमणि और जितना चाहे उतना धन की प्राप्ति करो।" इस पर राजा ने फिर से सवाल किया, "भगवान ! मैं इतना धन प्राप्त करके क्या करूँगा।" राजा ने पारसमणि लेने से भी मना कर दिया। इस पर देवता ने उसे एक अप्सरा देते हुए कहा, "ये लो मैं तुम्हे तुम्हारे साथ रहने को ये खूबसूरत अप्सरा देता हूँ।" इस पर राजा ने कहा, "भगवान ! मुझे ये भी नहीं चाहिए आपके पास इन सब से कुछ बेहतर हो तो बताओ। देवता अब सोचा में पड़ गया और कहने लगा सभी मनुष्य तो यही सब पाने के लिये संघर्ष करते हैं, और मैं तुम्हे सहर्ष इतना सब दे रहा हूँ फिर भी तुम मना कर रहे हो। तो तुम ही बताओ मैं तुम्हारे लिये किस चीज़ की व्यवस्था करूँ जो तुम्हे पसंद हो। राजा ने देवता से कहा, "भगवान ! जरा सोचिए, मैं अगर तलवार को धारण करता हूँ तो उसकी धार भी एक न एक दिन चली जायेगी और नहीं तो मैं कौन सा युगों युगों तक यहाँ रहने वाला हूँ और अगर अप्सरा के लिये हाँ करता हूँ तो उसका सौंदर्य भी तो कोई चिरस्थाई नहीं है।

विकास मन्त्र पाश्चात्य विकास सिद्धान्त से पूरी तरह भिन्न था और वह मानते थे कि गांवों के आत्मनिर्भर होने से भारत में आत्मनिर्भरता आयेगी

मोहन भागवत की विकास अवधारणा का भारत

ललित गर्ग

भारत के वर्तमान वकिास को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके संघ प्रमुख श्री मोहन भावगत निरंतर जागरूक है एवं अपने वचिारों से यह वकिास कहीं भटक न जाये, उसके लिये चेताते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने मुम्बई में यह बयान देकर भारत के जन-जन को अभिप्रेरित किया है कि इस देश का वकिास अमेरिका या चीन की तर्ज पर नहीं हो सकता बल्कि इसका वकिास भारतीय दर्शन और इसकी संस्कृति तथा सकल संसार के बारे में इसके सुस्थापित वचिारों के अनुरूप ही किया जा सकता है। देश के वकिास की प्राथमिक आवश्यकता है कि गरीब का संबोधन मिटे। गरीबी एवं अमीरी के बीच का दूरियों को समाप्त किया जाये। प्रकृति एवं पयार्वरण के प्रति जागरूकता बढ़े।

भारत दुनिया की एक उभरती हुई सशक्त आर्थिक व्यवस्था है, विकास के नये आयाम उद्घाटित करते हुए भारत ने दुनिया को चौंकाया है, अचंभित किया है। भारत की विकास अवधारणा न केवल आर्थिक संवृद्धि से जुड़ी है, अपितु यह एक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक प्रक्रिया है जो लोगों को जीवन की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए अभिप्रेरित करती है और विकास प्रक्रिया में उन्हें सहभागी बनाती है। यह विकास अंततः आत्मनिर्भरता, समानता, न्याय एवं संसाधनों का एकसमान वितरण को बल देती है जो राष्ट्रीयता एवं लोकतंत्र की मजबूती का भी आधार है। भारत के वर्तमान विकास को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके संघ प्रमुख श्री मोहन भागवत निरंतर जागरूक है एवं अपने विचारों से यह विकास कहीं भटक न जाये, उसके लिये चेताते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने मुम्बई में यह बयान देकर भारत के जन-जन को अभिप्रेरित किया है कि इस देश का विकास अमेरिका या चीन की तर्ज पर नहीं हो सकता बल्कि इसका विकास भारतीय दर्शन और इसकी संस्कृति तथा सकल संसार के बारे में इसके सुस्थापित विचारों के अनुरूप ही किया जा सकता है। देश के विकास की प्राथमिक आवश्यकता है कि गरीब का संबोधन मिटे। गरीबी एवं अमीरी के बीच का दूरियों को समाप्त किया जाये। प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़े। संघ एक समतामूलक संतुलित समाज व्यवस्था का पोषक है। तभी वह गांव का विकास चाहता हैं और तभी ग्राम आधारित अर्थ-व्यवस्था को विकसित होते हुए देखना चाहता है। संघ प्रमुख भागवत ऐसे ही विकास को चाहते हैं और मुंबई में उनके इन्हीं विचारों में ऐसी ही रोशनी प्रकट भी हुई है। उनके विचारों में जहां विवेकानन्द का दर्शन है वहीं गांधीवाद भी समाया है। उनके विचार उन आर्थिक सिद्धान्तों से उपजा है जिनके बारे में राष्ट्रपति महात्मा गांधी जीवनभर समर्पित थे और ग्रामों के विकास को ही भारत के सर्वांगीण विकास का फार्मूला मानते थे। उनका विकास मन्त्र पाश्चात्य विकास सिद्धान्त से पूरी तरह भिन्न था और वह मानते थे कि गांवों के आत्मनिर्भर होने से भारत में आत्मनिर्भरता आयेगी। इसका मतलब यह कदापि नहीं था कि गांव व ग्रामीण जगत आधुनिक विकास प्रणाली से विमुख रहेगा बल्कि यह था कि औद्योगीकरण का पहिया गांवों से शहरों की तरफ घूमेगा तभी देश का समुचित और सम्यक विकास संभव होगा तथा गरीबी का प्रवाह रुकेगा। गांवों के विकास को गति देकर ही गरीबी को दूर किया जा सकता है। अब तक की विकास अवधारणा में गरीबी की रेखा का महिमामंडन बहुत हुआ है। गरीबी की रेखा क्या? क्यों है? किसने खींची यह लक्ष्मण रेखा, जिसको कोई पार नहीं कर सकता। जिस पर सामाजिक व्यवस्था चलती है, जिस पर राजनीति चलती है, जिसको भाग्य और कर्म की रेखा मानकर उपदेश चलते हैं। वस्तुतः ये रेखाएं तथाकथित गरीबों ने नहीं खींचीं। आप सोचिए, भला कौन दिखायेगा अपनी जांघ। यह रेखाएं अमेरिकी एवं चीनीवादी सोच ने खींची हैं जो अपनी जांघ ढकी रहने देना चाहते हैं। इस रेखा (दीवार) में खिड़कियां हैं, ईर्ष्या की, दम्भ की। पर दरवाजे नहीं हैं इसके पार जाने के लिए। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में यह रेखा नहीं होनी चाहिए। यह रेखा उन कर्णधारों के लिए "शर्म की रेखा" है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए। गांधी ने इसी रेखा को दूर करने का दर्शन दिया और अब भागवत उसी राह पर आगे बढ़ रहे हैं। भारत की वर्तमान विकास प्रक्रिया में अनेक चिन्तन के बिन्दू है कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? जो शिष्य को अच्छे-बुरे का भेद न बता सके, वह गुरु कैसा? अगर तटस्थ दृष्टि से बिना रंगीन चश्मा लगाए देखें तो हम सब गरीब हैं। गरीब, यानि जो होना चाहिए, वह नहीं हैं। जो प्राप्त करना चाहिए, वह प्राप्त नहीं है। चाहे हम अज्ञानी हैं, चाहे भयभीत हैं, चाहे लालची हैं, चाहे निराश हैं। हर दृष्टि से हम गरीब हैं। जैसे भय केवल मृत्यु में ही नहीं, जीवन में भी है। ठीक उसी प्रकार भय केवल गरीबी में ही नहीं, अमीरी में भी है। यह भय है आतंक मचाने वालों से, सत्ता का दुरुपयोग करने वालों से जहां है वहां से नीचे उतर जाने का, प्रियजनों की सुरक्षा का। जब चारों तरफ अच्छे की उम्मीद नजर नहीं आती, तब मनुष्य नैतिकता की ओर मुड़ता है। यह वह सशक्त मोड़ है जो शर्म की रेखा को तोड़ने के लिए यत्न करता है। शर्मी और बेशर्मी दोनों मिटें। गरीबी का संबोधन मिटे। तब हम सूर्योदय के नजदीक होंगे। ऐसा सूर्योदय न तो चीन का अनुसरण करने से आयेगा और अमेरिका का। यह भारतीय दर्शन को, यहां की संस्कृति को मजबूती देकर ही आ सकेगा। भागवत भारतीय संस्कृति के प्रवक्ता है, भाष्यकार है, वे जितने दार्शनिक है, उतने ही व्यावहारिक भी है। सांस्कृतिक उत्थान के साथ वे स्वस्थ समाज निर्माण के सूत्रधार भी हैं। वे ऐसे धार्मिक है जिनका प्राथमिक धर्म राष्ट्रीयता है। तभी श्री भागवत ने कहा कि जो धर्म मनुष्य को सुविधा सम्पन्न और सुखासीन बनाता है मगर प्रकृति को नष्ट करता है, वह धर्म नहीं है। यहां धर्म का अर्थ मजहब नहीं बल्कि कर्त्तव्य या इंसानियत है। उपभोग एवं सुविधावादी धर्म की जड़ 'पाश्चात्य की उपभोग' संस्कृति में बसी हुई है। जबकि भारत की मान्यता 'उपयोग' की रही है, त्याग की रही है। इस बारे में भी महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत में प्रत्येक रईस या सम्पन्न व्यक्ति को अपने उपभोग की अधिकतम सीमा तय करनी चाहिए और शेष सम्पत्ति को समाज के उत्थान मूलक कार्यों में लगाना चाहिए। वास्तव में यही गांधी का 'अहिंसक समाजवाद' था और ऐसा ही उनका ट्रस्टीशिप का सिद्धान्त था। इसी समाजवाद की स्थापना संघ का ध्येय है। प्रकृति का विनाश करके विकास खोजने वाले राष्ट्र भारत के आदर्श नहीं हो सकते। कोरोना जैसी महाव्याधियों को पैदा करने वालों को हम आदर्श मान भी नहीं सकते। क्योंकि कोरोना महामारी प्रकृति की उपेक्षा का ही परिणाम है। चीन व अमेरिका जैसे देशों में प्रकृति को बेजान मानते हुए उसकी कीमत पर किये गये विकास को उपलब्धि मान लिया गया है। चीन में तो विकास का पैमाना अमेरिका से भी और ज्यादा विद्रूप एवं त्रासद है क्योंकि इस देश की 'कम्युनिस्ट पूंजीवादी' सरकार ने मनुष्य को ही 'मशीन' में तब्दील कर डाला है जिसकी वजह से मनुष्य की संवेदनाएं भी मशीनी हो गई हैं। भारतीय संस्कृति में भौतिक सुख का अर्थ यह कदापि नहीं बताया गया कि व्यक्ति पूर्णतः स्वार्थी होकर समाज, संस्कृति और दैवीय उपकारों की उपेक्षा करने लगे बल्कि यहां 'दरिद्र नारायण' की सेवा को ईश्वर भक्ति का साधन माना गया। जब हम प्रकृति के संरक्षण की बात करते हैं तो इसमें सम्पत्ति के समुचित बंटवारे का भाव भी समाहित रहता है क्योंकि भारत में प्राकृतिक सम्पदा पर आश्रित रहने वाला पूरा समाज अपने आर्थिक विकास के लिए इसी पर निर्भर रहता है।

राजस्थान में कई गुटों में बंटी कांग्रेस को जोड़ गयी राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा

प्रदेश में सत्तारुढ़ कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ सत्ता वरिोधी माहौल बना हुआ था। जिसे राहुल गांधी की पदयात्रा ने काफी हद तक कम करने का काम किया है। अब लगने लगा है कि अगले वधिानसभा चुनाव में भाजपा को चुनावी मुकाबले में कांग्रेस से कड़ा संघर्ष करना पड़ेगा। चार दिसंबर को राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा ने राजस्थान के झालावाड़ जिले से प्रदेश में प्रवेश किया था। झालावाड़ जिला पूर्व मुख्यमंत्री व सुंधरा राजे का गढ़ रहा है। वहां से राजे व उनके पुत्र दुष्यंत सिंह लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। झालावाड़ से अभी वसुंधरा के पुत्र दुष्यंत सिंह सांसद हैं। जिले की चारों सीटों पर भाजपा का कब्जा है। लंबे समय से कांग्रेस झालावाड़ जिले में प्रभाव जमाने में नाकामयाब रही है। लेकिन राहुल गांधी की पदयात्रा को वसुंधरा राजे के प्रभाव वाले इलाके में जो जनसमर्थन मिला, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि अगले वधिानसभा चुनाव में यहां कांग्रेस पहले से अधिक मजबूत होकर उभरेगी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा इन दिनों राजस्थान से गुजर रही है। राहुल गांधी की इस पदयात्रा से राजस्थान में कई गुटों में बंटी कांग्रेस जहां एकजुट हुई है वहीं संगठन की दृष्टि से भी मजबूत हुई है। एक तरह से कहा जाए तो राजस्थान कांग्रेस के लिए यह पदयात्रा संजीवनी साबित हो रही है। राजस्थान विधानसभा के अगले चुनाव में एक वर्ष से भी कम समय रह गया है। प्रदेश में सत्तारुढ़ कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल बना हुआ था। जिसे राहुल गांधी की पदयात्रा ने काफी हद तक कम करने का काम किया है। अब लगने लगा है कि अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा को चुनावी मुकाबले में कांग्रेस से कड़ा संघर्ष करना पड़ेगा। चार दिसंबर को राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा ने राजस्थान के झालावाड़ जिले से प्रदेश में प्रवेश किया था। झालावाड़ जिला पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का गढ़ रहा है। वहां से राजे व उनके पुत्र दुष्यंत सिंह लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। झालावाड़ से अभी वसुंधरा के पुत्र दुष्यंत सिंह सांसद हैं। जिले की चारों सीटों पर भाजपा का कब्जा है। लंबे समय से कांग्रेस झालावाड़ जिले में प्रभाव जमाने में नाकामयाब रही है। लेकिन राहुल गांधी की पदयात्रा को वसुंधरा राजे के प्रभाव वाले इलाके में जो जनसमर्थन मिला, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि अगले विधानसभा चुनाव में यहां कांग्रेस पहले से अधिक मजबूत होकर उभरेगी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के रूट को कुछ इस ढंग से बनाया गया था जिससे भाजपा के बड़े नेताओं के प्रभाव वाले क्षेत्रों से होकर पदयात्रा गुजरे ताकि वहां कांग्रेस की जमीन मजबूत हो सके। राजस्थान में राहुल गांधी की पदयात्रा झालावाड़, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, टोंक, दौसा, अलवर जिलों से होकर गुजर रही है। अपनी यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने जहां सीधे आम लोगों से संवाद स्थापित किया। वहीं कई मौकों पर निर्धारित कार्यक्रम से अलग हटकर लोगों से मिलते नजर आए। राहुल गांधी की पदयात्रा के दौरान हजारों की संख्या में लोग बड़े उत्साह के साथ शामिल होते रहे हैं। राहुल गांधी की पदयात्रा में सबसे अधिक क्रेज युवा वर्ग में देखने को मिला। पूरे रास्ते युवक राहुल गांधी की यात्रा में शामिल होते रहे। राहुल गांधी ने भी युवाओं के साथ बातचीत करने व सेल्फी लेने में जरा भी कंजूसी नहीं बरती। वह हर जगह लोगों से खुल कर मिलते रहे। कई स्थानों पर तो वह लोगों के साथ बैठकर नुक्कड़ की दुकानों पर चाय पीते नजर आए तो कहीं खेतों में महिलाओं संग चारा काटने लगे। इस पदयात्रा से आमजन में कांग्रेस के प्रति एक सकारात्मक माहौल बना है। जिसका लाभ निश्चय ही आने वाले चुनाव में कांग्रेस को मिलेगा। राहुल गांधी की राजस्थान यात्रा के चलते कांग्रेस में चल रहे आपसी झगड़ों पर भी विराम लगा है। 25 सितंबर की घटना के बाद राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के गुट के नेता एक दूसरे के खिलाफ खुलकर बयानबाजी कर रहे थे जिससे कांग्रेस की छवि लगातार खराब हो रही थी। मगर राहुल गांधी की पदयात्रा के कारण दोनों ही गुटों के नेता पूरी ताकत के साथ पदयात्रा को सफल बनाने में जुट गए। जिसके चलते जहां आपसी बयानबाजी पर तो रोक लगी ही साथ ही पार्टी में गुटबाजी भी कम हुई है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कई दिनों तक राजस्थान में रहने के कारण राहुल गांधी ने राजस्थान के अधिकांश नेताओं से व्यक्तिगत बातचीत कर फीडबैक लिया है। जिससे उनको राजस्थान की वास्तविक स्थिति का भी ज्ञान हो गया है। राजस्थान कांग्रेस को एकजुट करने का जो काम कांग्रेस आलाकमान नहीं कर पा रहा था। वह काम राहुल गांधी की पदयात्रा से अपने आप ही होता नजर आ रहा है। अपनी राजस्थान यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस के सभी नेताओं को संदेश दिया है कि एकजुट होकर अगले विधानसभा चुनाव में उतरें और फिर से सरकार बनाएं। भारत जोड़ो यात्रा के 100 दिन पूरे होने पर राहुल गांधी ने जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि राजस्थान में चिरंजीवी योजना की लोग तारीफ कर रहे हैं। इसके अलावा शहरी मनरेगा योजना को भी शुरू किया गया है, उसके बारे में भी लोग अच्छी बातें कर रहे हैं। हालांकि लोग कहते हैं कि यहां बिजली नहीं आ रही है या फ्लोराइड के पानी की शिकायतें आती हैं। लेकिन ऐसी छोटी मोटी शिकायतें तो हर जगह से आती रहती हैं। ओवरऑल देखा जाए तो राजस्थान सरकार के बारे में लोगों का बहुत अच्छा रिस्पॉन्स है। राहुल गांधी ने सचिन पायलट और अशोक गहलोत गुटों के बीच चल रही बयानबाजी को लेकर कहा कि कांग्रेस पार्टी के अंदर लोकतंत्र है। इसलिए अगर कोई अपनी बात रखना चाहता है तो कांग्रेस पार्टी में उसे दबाया नहीं जाता है। सभी लोग मिलकर काम करते हैं। कोई भी नेता ऐसा बयान ना दे जिससे पार्टी को नुकसान हो। उन्होंने कहा कि अगर कार्यकर्ता ने अच्छा काम किया तो जरूर फिर सरकार बनेगी। हिमाचल के परिणाम सामने हैं। कांग्रेस को कम करके नहीं आंकें। उन्होंने कहा कि पार्टी का आम कार्यकर्ता जो सड़क पर लड़ता है उसको हमें प्राथमिकता देनी है। राजस्थान में अपनी पद यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने पार्टी को एकजुट करने का बड़ा काम कर दिया है। उसके बाद अब राजस्थान के नेताओं को भी एकजुट होकर जनता के बीच जाना चाहिए और लोगों को पार्टी में ऑल इज वेल का संदेश देना चाहिए। तभी अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस भाजपा का मुकाबला कर पाएगी। वरना कुछ दिनों पूर्व प्रदेश में कांग्रेस के नेताओं की जो स्थिति थी, उस स्थिति में तो कांग्रेस का फिर से जीत पाना मुश्किल लग रहा था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रदेश के सबसे बड़े नेता और सरकार के मुखिया हैं। उनकी जिम्मेवारी बनती है कि वह सचिन पायलट या अन्य किसी नेता के खिलाफ गैर जरूरी बयानबाजी नहीं करें और सबको साथ लेकर चलें। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान आम जन से जो वादे किए थे उनको भी हर हाल में पूरा करें। किसानों की कर्ज माफी, युवाओं को रोजगार, संविदा कर्मियों को नियमितीकरण, नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता देने जैसे कार्य अभी पूरे नहीं हुए हैं।

देश दुनीया से

बेहतर होती भारतीय अर्थव्यवस्था

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों को लेकर केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत को आगामी वर्ष 2023 के लिए दुनिया की विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्था वाले बीस प्रमुख देशों के संगठन जी-20 की अध्यक्षता मिली है। इस समय भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, अब जी-20 की अध्यक्षता से भारतीय अर्थव्यवस्था और तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगी। गौरतलब है कि 6 दिसंबर को विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान पहले के 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर दिया है। विश्व बैंक ने देश की अर्थव्यवस्था में बाहरी चुनौतियां झेलने की क्षमता और जुलाई-सितंबर 2022 की तिमाही में मजबूत वृद्धि को इसका कारण बताया है। विश्व बैंक की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल घटनाक्रम के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था जुझारू क्षमता दिखा रही है और मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद अन्य उभरते बाजारों की अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज और बेहतर अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर दिखाई दे रही है। उल्लेखनीय है कि वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने भी अपनी ताजा वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा है कि 2022-23 में वैश्विक जीडीपी की वृद्धि महज 1.4 फीसदी रहेगी। जबकि भारत के लिए वित्त वर्ष 2022-23 में अनुमानित वृद्धि दर करीब 7 फीसदी होगी। ज्ञातव्य है कि 30 नवंबर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यक्रम के द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 की जुलाई से सितंबर की दूसरी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर 6.3 फीसदी रही, चीन में इसी दौरान विकास दर 3.9 फीसदी रही। वैश्विक मंदी के दौर में भारत की विकास दर चीन की तुलना में डेढ़ गुना है। जीडीपी के नए आंकड़ों के मुताबिक निर्माण, सेवा और कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कृषि क्षेत्र से अर्थव्यवस्था को दम मिला है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस समय जब वैश्विक मंदी की चुनौतियों के बीच दुनिया के अधिकांश देशों की विकास दर घट गई है, तब दुनिया के प्रमुख आर्थिक और वित्तीय संगठन भारत की वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह भी स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि भारतीय बाजार पर विदेशी निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार फिर तेजी से बढ़ रहा है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो दिसंबर को 11.02 अरब डॉलर बढक़र 561.162 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। वैश्विक घटनाक्रमों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपए की विनियम दर में तेज गिरावट को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने की वजह से विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आई थी। इतना ही नहीं इस समय भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के जरिए विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। हाल ही में भारत-आस्ट्रेलिया के बीच एफटीए को 29 दिसंबर से लागू किए जाने का निर्णय लिया गया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए नए मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के बीच वर्तमान द्विपक्षीय व्यापार को करीब 27 अरब डॉलर से बढ़ाकर अगले पांच वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर तक पहुंचाए जाने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच एफटीए इस वर्ष 2022 में हुआ दूसरा एफटीए है। इसके पहले एक मई से लागू संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ हुए समग्र आर्थिक साझेदारी समझौता (सीपा) से भारत और यूएई के बीच वस्तुओं का कारोबार 5 साल में दोगुना बढ़ाकर 100 अरब डॉलर किए जाने का लक्ष्य रखा गया है जोकि इस समय करीब 60 अरब डॉलर है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस एफटीए के लागू होने के बाद वैश्विक मंदी चुनौतियों के बीच भी हर महीने भारत से यूएई को निर्यात में वृद्धि हो रही है। पिछले साल जून से अक्टूबर 2021 के दौरान भारत ने यूएई को 11.27 अरब डॉलर का निर्यात किया था जो इस वर्ष इसी अवधि में बढक़र 12.67 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

हमें देश की नई लॉजिस्टिक नीति 2022 और गति शक्ति योजना की अभूतपूर्व रणनीतियों से भारत को आर्थिक प्रतिस्पर्धी देश के रूप में तेजी से आगे बढ़ाकर देश की अर्थव्यवस्था को निर्यात प्रधान अर्थव्यवस्था बनाना होगा। हम उम्मीद करें कि इस समय जब आगामी वर्ष 2023 के लिए भारत के हाथों में जी-20 की कमान है, तब जी-20 की अध्यक्षता से भारत के आर्थिक विकास का नया अध्याय लिखा जाएगा।

नागरिक बोध

देश मे सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं कलंक समान

समाज मे दुष्कर्म की घटनाए में दिन प्रतिदिन वृद्धि देखने को मिल रही है। दुधमुंही बच्चियों के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने की घटनाओं से सभ्य समाज स्तब्ध है। जिस तरह हवशखोरो की बाढ़ आ रही है। उससे समाज पर विपरीत असर पड़ने लगा है। महिलाएं और युवतियां कही पर भी सुरक्षित नही है। पौराणिक युग के राक्षसों को शर्म आए वैसी घटना वर्तमान में समाज मे घट रही है। जिसकी कहानी अखबार के पन्ने में सिमट कर रह जाती है। यह वहशीपना कब समाप्त होगा। उसके लिए कुछ कहा नही जा सकता है। समाज मे बेटियाँ सुरक्षित नही है। समाज मे विदेशी अंधानुकरण और मोबाइल में बीपी क्लिपिंग से युवाओ के मन पर गहरा असर छोड़ते हुए प्रतीत हो रहा है। देश की महान संस्कृति की दुहाई दी जाती है। लेकिन भारत जैसे सभ्य देश मे दुष्कर्म की घटना सरकार के माथे पर कलंक समान है। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करना आम चलन होता जा रहा है। समाज मे फुसलाकर कर शादी करने के बाद धर्मांतरण की सच्चाई सामने आने के बाद उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जाता है। उनके विचारो से सहमत नही होने पर लड़की को मार दिया जाता है। भदोही में आठ साल की बच्ची का शव मिला। क्षेत्र में सनसनी फैल गई। दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। मैनपुरी के थाना दन्नाहार क्षेत्र में एक गाँव में कुछ लोग एक महिला कर उठा ले गए और उसके साथ तमंचे के बल पर दुष्कर्म किया गया। कानपुर में सौतेले पिता ने बेटी से मुह काला किया। पिता पुत्री के रिस्ते को कलंकित कर दिया। बैरिया के गोपालगंज में किशोरी से दुष्कर्म और गर्भवती होने पर डरा धमकाकर गर्भपात कराने के मामले में पुलिस ने माँ और बेटे को गिरफ्तार किया। मुम्बई की घटना में दोस्त के साथ बैठी किशोरी के साथ रेप की घटना सामने आई है। पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। गोरखपुर के गुलरिहा रघुनाथपूरा गांव के भगवानपुर में भाइयों के साथ मिलकर बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। उसके बाद सुलह करने का दबाव बनाया गया। महारास्ट्र के पालघर में एक नाबालिग़ लड़की से 11 लोगो ने सामूहिक गैंगरेप किया। दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पुलिस प्रशासन हरकत में आते ही पांच दुष्कर्मियों को दबोच लिया गया उपरोक्त घटना से हड़कम्प मच गया है। सातपाटी की इस घटना की चारो तरह निंदा की जा रही है। दुष्कर्मियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए जाने की मांग की जा रही है। यह हमारे देश का वास्तविक चित्रण है। जहाँ सख्त कानून की बात की जा रही है। वही पुलिस के नाक के नीचे से दुष्कर्मी फरार होते दिख रहे है। महिलाओं और युवतियों के साथ दुष्कर्म जैसी घिनौनी घटना से हर कोई स्तब्ध है। देश मे सामूहिक नियंत्रण के प्रयास नही किए तो अब तो शुरुआत है। बाद में ऐसी घटना सामने आएगी। जिसकी किसी को कल्पना भी नही होगी। भारत मे दुष्कर्म एवं बलात्कार की घटना का मख़ौल उड़ाया जाता है। हम एक पल के लिए हंस लेते है और दुष्कर्मी को कोसते है। लेकिन यह कोसना कायम हल नही है।

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बढ़ सकती है स्थायी सदस्यों की संख्या, महासचिव गुटेरेस ने की पुष्टि

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार भी किया जा रहा है। सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि सुरक्षा परिषद के विस्तार की संभावना के प्रश्न पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। हालांकि, वीटो के अधिकार का मुद्दा अभी भी बड़ा सवाल बना हुआ है। न्यूयार्क में वार्षिक सम्मलेन के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा, बड़ा सवाल सुरक्षा परिषद के विस्तार और वीटो के अधिकार से संबंधित हैं और यह सदस्य देशों का मामला है। इन वार्ताओं में सचिवालय का कोई हस्तक्षेप नहीं है। संवाददाताओं को संबोधित करते हुए गुटेरेस ने कहा, अमेरिका और रूस की ओर से यह स्पष्ट संकेत मिल चुका है कि वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यों की संख्या में विस्तार के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, कुछ समय पहले ब्रिटेन और फ्रांस से भी ऐसा ही संकेत मिल चुका है। हालांकि, उनकी ओर से वीटो के अधिकार पर कुछ प्रतिबंधों के साथ प्रस्ताव भेजा गया है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा, सुरक्षा परिषद की संरचना में सुधार के लिए महासभा के दो-तिहाई मतों के अलावा सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों - चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका के पांच सकारात्मक मतों की आवश्यकता है। स्थायी देशों में चीन को छोड़कर अन्य चार देश सुधार के पक्ष में हैं। बता दें, पिछले सप्ताह ही गुटेरेस ने ट्वीट किया था कि संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देश अब स्वीकार करते हैं कि आज की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को दर्शाने के लिए सुरक्षा परिषद में सुधार किया जाना चाहिए।

रूस-यूक्रेन जंगः यूक्रेन के जिन चार इलाकों को रूसी हिस्सा घोषित किया, वहां हालात बेहद नाजुक

मास्को। रूस में व्यापक तौर पर मनाए गए सुरक्षा सेवा दिवस के मौके पर पुतिन ने रूसी सीमाओं को मजबूत करने का भी आदेश दिया। उन्होंने रूस द्वारा नियंत्रित यूक्रेन के इलाकों में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। इससे पहले सितंबर में पुतिन ने क्रेमलिन में आयोजित समारोह में यूक्रेन के करीब 15 फीसदी हिस्से पर कब्जा करने का दावा किया था, लेकिन इस माह की शुरुआत में उन्होंने कहा कि जंग लंबी चल सकती है। सोमवार को पुतिन ने माना कि डोनेत्सक, लुहान्स्क, खेरसान और जापोरिज्जिया क्षेत्रों में हालात मुश्किल भरे हैं। इन चारों इलाकों पर रूसी कब्जे की यूक्रेन व उसके सहयोगी पश्चिम देशों ने निंदा की है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन सोमवार को बेलारूस पहुंचे। 2019 के बाद इस पड़ोसी देश की उनकी पहली यात्रा है। पुतिन व बेलारूस के राष्ट्रपति ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने घनिष्ठ संबंधों की दुहाई दी, लेकिन यूक्रेन जंग खास जिक्र नहीं किया। उधर, रूसी ड्रोनों द्वारा यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाए जाने के कारण कीव ने पश्चिमी देशों से और हथियार मांगे हैं। रूसी कामिकेज ड्रोनों द्वारा ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाने के बाद यूक्रेन ने पश्चिमी देशों से और हथियारों की मांग की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमें हथियार, गोला बारूद और नई रक्षा प्रणाली चाहिए, जो हमें इस जंग को समाप्त करने की क्षमता प्रदान करेंगे। रूस ने कल यूक्रेन की राजधानी कीव पर जबर्दस्त धावा बोला। हालांकि, यूक्रेनी सेना ने दावा किया है कि उसने 28 में से 23 रूसी ड्रोन को मार गिराया।

महीनों पहले आई बाढ़ के लिए अब तक चंदा मांग रहा पाकिस्तान, यूएन के सामने फिर फैला दिए हाथ

इस्लामाबाद। विनाशकारी बाढ़ के गुजरने के कई महीनों बाद भी पाकिस्तान आर्थिक संकट से नहीं उबर पा रहा है। वह अब भी संयुक्त राष्ट्र की मदद से चंदा जुटाने की कोशिश में लगा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाढ़ से पाकिस्तान पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है। पर्यावरणीय आपदा ने पाकिस्तान को दुनिया के सामने हाथ फैलाने के लिए मजबूर कर दिया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने अगले महीने होने वाले संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन से पहले धन जुटाने के लिए दक्षिण एशियाई राष्ट्र को विनाशकारी बाढ़ से उबरने में मदद करने के लिए दुनिया से आग्रह किया। पाकिस्तान आयात, डॉलर की कमी और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ अपने ऋण कार्यक्रम में देरी को कवर करने वाले भंडार के साथ आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। इस महीने 8000 करोड़ के बॉन्ड के भुगतान के बावजूद लंबी अवधि के डॉलर के बॉन्ड के संकटग्रस्त स्तर पर व्यापार जारी रहने के कारण निवेशक अभी भी देश की ऋण क्षमता के बारे में चिंतित हैं। गर्मियों में पाकिस्तान की अभूतपूर्व बाढ़ ने 1,700 से अधिक लोगों की जान ले ली, देश का तीसरा हिस्सा डूब गया और देश के विकास को आधा कर दिया।

पाकिस्तान में शहबाज और इमरान के बीच तू डाल-डाल, मैं पात-पात का खेल

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश में जल्द ही आम चुनाव कराने की अपनी मांग मनवाने के लिए एलान किया है कि उनकी पार्टी 23 दिसंबर को अपने बहुमत वाले दोनों राज्यों- पंजाब और खैबर पख्तूनवा की प्रांतीय असेंबलियों को भंग करवा देगी। लेकिन ऐसा होने से रोकने के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाले गठबंधन- पाकिस्तान डेमोक्रेटिक एलायंस (पीडीएम) ने अपनी चाल चल दी है।

पाकिस्तान के संविधान के मुताबिक असेंबली भंग होने के बाद 60 दिन के अंदर उसका चुनाव कराना जरूरी हो जाता है। पीडीएम अभी चुनाव टलवाने की रणनीति पर चल रहा है। इसलिए उसने देश के सबसे बड़े प्रांत पंजाब की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश कर दिया है। पंजाब में पाकिस्तान मुस्लिम लीग (क्यू) के नेता परवेज इलाही मुख्यमंत्री हैं। पीएमएल (क्यू) इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का सहयोगी दल है।

कानून विशेषज्ञों के मुताबिक अविश्वास प्रस्ताव पेश होने के बाद उस पर मतदान से पहले असेंबली भंग नहीं हो सकती। विधि विशेषज्ञ मुनीब फारूक ने कहा- 'अगर मुख्यमंत्री विश्वास मत हासिल कर लेते हैं, तब वे सदन भंग कराने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। लेकिन अभी महत्वपूर्ण सवाल यह हो गया है कि क्या इलाही बहुमत हासिल कर पाएंगे'

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक अपनी सदस्यता जाने के डर से संभव है कि पीटीआई-पीएमएल (क्यू) गठबंधन के कुछ सदस्य अविश्वास प्रस्ताव पारित करवाने में सहायक बन जाएं। फारूक ने कहा कि अगर इलाही सरकार गिर गई, तो फिर गवर्नर पंजाब असेंबली के किसी सदस्य को सरकार बनाने की कोशिश करने के लिए कह सकते हैं। गवर्नर की नियुक्ति शहबाज शरीफ सरकार ने की है। इसलिए अनुमान है कि सदन भंग होने से रोकने की वे पूरी कोशिश करेंगे।

विश्लेषकों के मुताबिक इस महीने यह खबर चर्चित हुई थी कि कुछ 'मित्र' देशों के हस्तक्षेप के कारण शहबाज शरीफ सरकार समय से पहले चुनाव कराने पर राजी हो गई है। लेकिन अब ऐसा लगता है कि इस बारे में बनी सहमति टूट गई है। बल्कि अब चर्चा यह है कि चुनाव को तय समय से भी आगे ले जाने की कोशिश हो सकती है। ये चर्चा निर्वाचन आयोग के एक बयान के बाद शुरू हुई है, जिसमें आयोग ने कहा था कि अगर जनगणना की रिपोर्ट उसे सही समय पर नहीं मिली, तो वह तय समय यानी अगले साल अक्टूबर में चुनाव नहीं करवा पाएगा। जनगणना की रिपोर्ट अगले मार्च या अप्रैल में अपेक्षित है।

रिपोर्ट के मुताबिक इन्हीं संकेतों के कारण इमरान खान ने दो असेंबलियां भंग कराने की रणनीति पर आगे बढ़ने का एलान किया। लेकिन पीडीएम उनकी इस कोशिश को भी नाकाम करने में जुटी हुई है। इस बीच द न्यूज की एक रिपोर्ट में चर्चा है कि पंजाब के मुख्यमंत्री इलाही भी मुख्यमंत्री की अपनी कुर्सी बचाने के लिए पाला बदल सकते हैं। यह संभव है कि वे शहबाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन से हाथ मिला लें। प्रांतीय असेंबली इन दोनों के दलों की साझा संख्या बहुमत के लिए जरूरी 186 से अधिक हो जाएगी।

चीन में फिर बढ़ा कोरोना का कहर

अस्पतालों में बेड और दवाओं की कमी लाशें रखने के लिए जगह भी नहीं

बीजिंग।

चीन में एक बार फिर से कोरोना ने कहर ढाना शुरू कर दिया है। अस्पतालों में मरीजों की संख्या में 85 से 95 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। आलम ये है कि अस्पतालों में बेड की कमी हो गई है। मरीजों को फर्श पर लेटाकर उनका इलाज किया जा रहा है। डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ की भी कमी हो गई है। दवा और ऑक्सीजन का संकट भी गहराने लगा है।

हर रोज सैकड़ों लोग दम तोड़ रहे हैं। इतनी मौतें हो चुकी हैं कि अस्पतालों में अब लाश रखने की जगह भी नहीं बची है। रूम से लेकर अस्पताल के बाहर तक लाशों को रखा जा रहा है। कब्रिस्तानों में अंतिम संस्कार के लिए लंबी-लंबी कतारें लग रहीं हैं। विशेषज्ञों का दावा है कि अगले दो से तीन महीने के अंदर चीन के 80 करोड़ लोग कोरोना से संक्रमित हो सकते हैं।

सड़कों पर सन्नाटा-कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते चीन की सड़कों पर सन्नाटा पसर गया है। स्वस्थ्य लोग घरों से निकलने से डर रहे हैं और बीमार लोग अस्पतालों में मौत से जूझ रहे हैं। इसके पहले चीन की सरकार ने कोरोना के रोकथाम के लिए लॉकडाउन भी लगाया था। हालांकि, शंघाई के रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पर लोगों की भारी भीड़ जरूर देखने को मिलती है। लोग यहां से दूसरे शहरों की ओर जा रहे हैं। शंघाई में कोरोना सबसे तेजी से बढ़ा है। कोरोना जांच केंद्रों पर लोगों की लंबी-लंबी लाइनें लग रहीं हैं। एनबीआर की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस साल ठंड में चीन के आठ करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना से संक्रमित हो सकते है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संक्रमण के बढ़ने की रफ्तार सबसे तेज होगी।

अस्पतालों में बेड, दवाओं का संकट- अस्पतालों में मरीजों की संख्या में हुए इजाफे की वजह से बेड और दवाइयों की कमी होने लगी है। अभी चीन में एक लाख लोगों के बीच केवल 10 आईसीयू बेड की व्यवस्था है। ऐसे में संक्रमितों की लगातार बढ़ती संख्या और बेड की कमी के चलते मरीजों को फर्श पर लिटाया जा रहा है।

लाश रखने की जगह भी नहीं, कब्रिस्तानों में वेटिंग लिस्ट- हर रोज सैकड़ों लोग दम तोड़ रहे हैं। कोविड प्रोटोकॉल के हिसाब से अस्पतालों में लाशों को रखने के लिए जगह भी कम पड़ गई है। वहीं, कब्रिस्तानों में भी अंतिम संस्कार के लिए लंबी-लंबी कतारें लग रहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन कोरोना के आंकड़ों को लगातार छिपा रहा है। नवंबर मध्य तक 11 मौतों की आधिकारिक सूचना दी गई है, जबकि रोज 10,000 से ज्यादा संक्रमित मिल रहे थे। उधर, अंत्येष्टि स्थलों और अस्पतालों के वीडियो कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में दावा किया गया है कि चीन के अस्पताल कोरोना मरीजों से भरे पड़े हैं और अंत्येष्टि के लिए कतारें लग रही हैं। शव घरों के कर्मचारियों की अतिरिक्त तैनाती करानी पड़ी है, क्योंकि कोविड से मौतों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

स्कूल- कॉलेज बंद - चीन के कई शहरों में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। व्यवसायिक क्षेत्र पर भी संक्रमण का असर देखने को मिला है। इन केंद्रों पर कामगारों की एक साथ ज्यादा भीड़ न जुटे, इसके लिए व्यवस्था की जा रही है।

जियाओफेंग लियांग सीडीसी चीन के निदेशक हैं। उन्होंने एक पब्लिक स्टेटमेंट जारी कर बताया है कि चीन में इस लहर के दौरान 60 प्रतिशत से ज्यादा लोग चपेट में आ सकते हैं। दस लाख से ज्यादा लोगों की मौत भी हो सकती है। महामारी विशेषज्ञ एरिक फेगल-डिंग ने भी कई वीडियो शेयर किए हैं। उन्होंने कहा है कि चीन में कोरोना की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। देशभर में संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। डिंग अमेरिकी सार्वजनिक स्वास्थ्य वैज्ञानिक हैं। वे वर्तमान में न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स सिस्टम्स इंस्टीट्यूट में कोविड टास्क फोर्स के प्रमुख हैं। सीडीसी चीन के निदेशक जियाओफेंग लियांग ने दावा किया है कि अगले 90 दिन के अंदर पूरी दुनिया में कोरोना का कहर देखने को मिलेगा। दुनिया के 10 प्रतिशत से ज्यादा लोग कोरोना की चपेट में आ सकते हैं। महामारी विशेषज्ञ बेन काउलिंग भी इस दावे से सहमत हैं। काउलिंग हॉन्गकॉन्ग विश्वविद्यालय से हैं। वे कहते हैं, दुर्भाग्य से कोरोना के मामलों में बहुत तेजी से उछाल आने वाला है। यह सबसे बुरी बात है। अगर संक्रमण फैलने की रफ्तार धीमी होती तो चीन के पास इससे निपटने के लिए तैयारी करने का समय होता।

पाक सरकार की नहीं सुन रहे तालिबानी आतंकी, बंधक बनाए लोगों को छोड़ने से इनकार

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान सरकार खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो दिन पहले एक आतंकवाद रोधी केंद्र पर कब्जा करने और बंधक बनाए कुछ लोगों को छुड़ाने में कामयाब नहीं हो पा रही है। तालिबानी आतंकी पाकिस्तान सरकार की एक भी सुनने को तैयार नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आतंकियों ने सुरक्षा बलों से उन्हें सुरक्षित अफगानिस्तान पहुंचने के लिए एक हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराने की मांग की है।

क्या है मामला- पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में पाकिस्तानी तालिबान आतंकवादियों ने एक आतंकवाद विरोधी केंद्र पर कब्जा कर लिया और कुछ लोगों को बंधक बना लिया, जिसमें कम से कम दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

आतंकियों ने पुलिस से छीने एके -47 और बरसा दीं गोलियां- कैंटोनमेंट के अंदर काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) पुलिस स्टेशन में गिरफ्तार किए गए और पूछताछ किए जा रहे आतंकवादियों में से एक ने रविवार को पुलिस से एक एके-47 छीन लिया और गोलियां चला दीं। इसके बाद उन्होंने इमारत में बंद अन्य संदिग्धों को रिहा कर दिया जिन्होंने परिसर पर नियंत्रण कर लिया था। उन्होंने कई पुलिसकर्मियों को भी बंधक बना लिया।

घटना के 48 घंटे बाद भी स्थिति तनावपूर्ण - घटना के 48 घंटे बाद भी स्थिति तनावपूर्ण है क्योंकि सैन्य अभियान जारी है। प्रांत के पूर्व मुख्यमंत्री अकरम खान दुर्रानी और मौजूदा प्रांतीय मंत्री मलिक शाह मुहम्मद उग्रवादियों के साथ बातचीत शुरू करने के लिए बन्नू पहुंचे हैं। दुर्रानी और मुहम्मद दोनों बन्नू के रहने वाले हैं। आतंकियों ने सुरक्षा बलों से उन्हें सुरक्षित अफगानिस्तान पहुंचने के लिए एक हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराने की मांग की है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने बताया कि जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) बन्नू मोहम्मद इकबाल ने कहा कि बाहर से कोई हमला नहीं हुआ और पूछताछ के दौरान आतंकवादियों में से एक ने पुलिस से राइफल छीन ली और इमारत में तैनात गार्ड को बेअसर कर दिया।

इस्राइल और फिलिस्तीन के बीच कैसे सुलझेगा विवाद? संयुक्त राष्ट्र में भारत ने दिया जवाब

संयुक्त राष्ट्र।

संयुक्त राष्ट्र में इस्राइल और फिलिस्तीन के बीच विवाद के मसले पर आज भारत ने अपना पक्ष रखा है। भारत ने बताया कि आखिर दोनों राज्यों के बीच मसला कैसे सुलझेगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सुरक्षा परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि इस्राइल और फिलिस्तीन के बीच स्थायी शांति की गारंटी के लिए कोई दूसरा विकल्प नहीं हैं। इस विवाद के समाधान के लिए बातचीत ही एकमात्र रास्ता है जो हमें वहां तक ले जा सकती है। बता दें कि इस्राइल और फिलिस्तीन दो ऐसे देश हैं, जिनका विवाद काफी लंबे समय से चला आ रहा है। दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने और मतभेद को खत्म करने के लिए कई बार समझौते हुए पर निष्कर्ष कुछ खास नहीं निकला। आज हम आपको इस लेख के माध्यम से उन सभी वजहों के बारे में बताएंगे, जिसके कारण इन दोनों देशों के बीच का विवाद दिन-प्रतिदिन बढ़ता चला गया। इस्राइल और फिलिस्तीन के बीच के मतभेद की शुरुआत ओटोमन साम्राज्य के खत्म होने के साथ होती है। इस दौरान पूरे यूरोप में राष्ट्रवाद का व्यापक प्रभाव देखा जा रहा था। कई देश टुकड़ों-टुकड़ों में बंटे थे। राष्ट्रवाद की लहर इन्हें एक कर रही थी। इटली और जर्मनी जैसे देश राष्ट्रवाद के नाम पर एक हो रहे थे। इसका प्रभाव यहूदियों के बीच भी देखने को मिला। राष्ट्रवाद की भावना यहूदी लोगों के बीच जगी। उन्हें अपने पवित्र स्थान पर दोबारा जाकर बसने की लालसा उठी। यहीं से जियोनिष्ट आंदोलन की शुरूआत होती है। 19वीं शताब्दी में यहूदियों की यह पवित्र भूमि फिलिस्तीन के नाम से जानी जाती थी। इस दौरान पूरे यूरोप में यहूदी बिखरे हुए थे। उनके साथ यूरोप में काफी शोषण होता आया था। जियोनिष्ट आंदोलन के दौरान शुरूआत में छोटे स्तर पर यहूदियों का पलायन फिलिस्तीन की ओर हुआ। इसके बाद आता है प्रथम विश्व युद्ध का दौरा। 1917 में बेलफोर डिक्लेरेशन आया। कई लोगों का मानना है कि बेलफोर डिक्लेरेशन ही वह प्रमुख वजह थी, जिसने इस्राइल और फिलिस्तीन मतभेद को जन्म दिया।

अमेरिका की पेशकश : 'भारत-पाकिस्तान मतभेद सुलझाना चाहें तो मदद को तैयार, हम वाकयुद्ध नहीं चाहते'

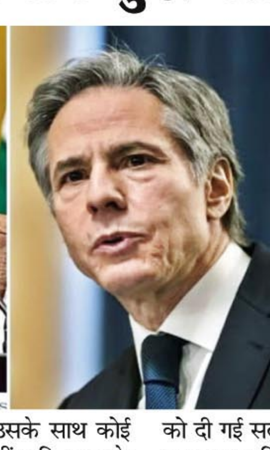

वॉशिंगटन।

अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के बीच रचनात्मक बातचीत की पैरवी की है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा दोनों देशों की बातचीत से उनके लोगों की भलाई होगी। हमारे रिश्ते दोनों में से किसी के भी साथ शून्य नहीं हैं, बल्कि भागीदारी के हैं। हम दोनों देशों के बीच वाकयुद्ध नहीं चाहते हैं।

नेड प्राइस ने कहा कि भारत के साथ हमारी वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। पाकिस्तान के साथ हमारी गहरी साझेदारी के बारे में भी उन्होंने बात की है। सोमवार को दैनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेड प्राइस ने कहा कि दोनों देशों के साथ हमारी भागीदारी है। हम भारत और पाकिस्तान के बीच रचनात्मक बातचीत चाहते हैं। हमें लगता है कि इसमें पाकिस्तानी और भारतीय लोगों की भलाई है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों में से प्रत्येक अमेरिका के लिए अपरिहार्य है। हम मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं।

बता दें, पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद के समर्थन व प्रायोजन के खिलाफ भारत ने उसके बातचीत लंबे समय से बंद कर रखी है। 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद उसे साफ कह दिया गया है कि जब तक वह आतंकवाद खत्म नहीं करता, उसके साथ कोई बातचीत नहीं होगी। इतना ही नहीं पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय रिश्ते भी टूटे हुए हैं।

अमेरिका मतभेद सुलझाने में मदद को तैयार-नेड प्राइस ने कहा कि निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच मतभेद हैं और उन्हें दूर करने की जरूरत है। अमेरिका इन्हें सुलझाने में मदद को तैयार है। एक अन्य सवाल के जवाब में प्राइस ने कहा कि दुनिया भर के देशों ने पीएम नरेंद्र मोदी की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दी गई सलाह कि 'यह युद्ध का युग नहीं है', का स्वागत किया था। अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा कि यह बात जी-20 सम्मेलन में भी सराही गई थी। अमेरिका निश्चित रूप से इसका स्वागत करता है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत का रूस के साथ ऐसा रिश्ता है, जैसा कि अमेरिका के साथ रूस का नहीं है। आगामी जी-20 सम्मेलन के संदर्भ में भारत के साथ अमेरिका निकट संपर्क में रहेगा और यह सहयोग बढ़ाने का अवसर होगा।

नेपाल में सियासी सरगर्मी, प्रधानमंत्री से राष्ट्रपति पद तक को लेकर जारी है अनिश्चय

काठमांडो।

नेपाल में आम चुनाव के बाद नई सरकार बनाने की चल रही प्रक्रिया के बीच नए राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति पद पर भी विभिन्न नेता अपना दावा जता रहे हैं। नेपाल के संविधान के मुताबिक ये दोनों पद प्रतीकात्मक महत्त्व के हैं। इसके बावजूद वे वरिष्ठ नेता इनमें दिलचस्पी दिखा रहे हैं, जिनके प्रधानमंत्री या किसी महत्वपूर्ण विभाग का मंत्री बनने की संभावना नहीं है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक जिन नेताओं ने राष्ट्रपति पद बनने में दिलचस्पी दिखाई है, उनमें कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के दो बड़े नेता- माधव कुमार नेपाल और झलानाथ खनाल भी शामिल हैं। उनके अलावा उप-राष्ट्रपति नंद बहादुर पुन, पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई, पूर्व स्पीकर अग्नि सपकोटा और नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राम चंद्र पौडेल भी यह पाने की कोशिश में बताए जाते हैं। जबकि कुछ खबरों में बताया गया है कि प्रमुख राजनीतिक दलों में एक राय यह भी उभरी है कि यह पद किसी गैर-राजनीतिक व्यक्ति दिया जाना चाहिए।

नेपाल में राष्ट्रपति का चुनाव एक इलेक्ट्रॉल कॉलेज के सदस्य करते हैं। इस मतदाता मंडल में संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के 275, ऊपरी सदन नेशनल असेंबली के 59, और प्रांतीय असेंबलियों के 550 सदस्य शामिल होते हैं। इस तरह मतदाता मंडल के सदस्यों की कुल संख्या 884 है। लेकिन सांसदों और प्रांतीय असेंबलियों के सदस्यों के मतदान का मूल्य अलग-अलग होता है।

संसद के दोनों सदनों के सदस्यों के वोट का मूल्य 79 है, जबकि प्रांतीय असेंबलियों के सदस्यों के हर वोट का मूल्य 48 है। इस तरह कुल मिला कर इलेक्ट्रॉल कॉलेज में पूरे वोट का मूल्य 52,786 है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक अगर सत्ताधारी गठबंधन एकजुट रहता है, तो उसके पास अपनी पसंद का राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति चुनने के लिए पर्याप्त समर्थन है। नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले सत्ताधारी गठबंधन में पांच पार्टियां शामिल हैं। लेकिन इस गठबंधन के एकजुट रहने को लेकर सवाल लगातार बने हुए हैं। खास कर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के नेता पुष्प कमल दहल के बार-बार बदलते रुख ने अनिश्चय बना रखा है। आम चर्चा है कि अगर नेपाली कांग्रेस ने दहल को पांच साल के कार्यकाल के पहले हिस्से में प्रधानमंत्री बनाने को राजी नहीं हुई, तो दहल पाला बदल सकते हैं। अगर उन्होंने ऐसा किया, तो राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति चुनाव के समीकरण भी बदल जाएंगे।

इलेक्ट्रॉल कॉलेज में विपक्षी दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के पास 15,202 वोट हैं। जबकि नेपाली कांग्रेस के पास 16,221 वोट हैं। माओइस्ट सेंटर के पास 3,936 वोट हैं। अगर ये वोट यूएमएल के पाले में चले गए, तो फिर कुछ अन्य छोटे दलों को साथ लेकर नया गठबंधन अपना राष्ट्रपति चुनवाने की स्थिति में पहुंच सकता है। खासकर ऐसा तब हो सकता है कि जब यूएमएल और माओइस्ट सेंटर सत्ताधारी गठबंधन में शामिल किसी अन्य दल को अपने साथ लाने में सफल हो गए। पर्यवेक्षकों के मुताबिक राष्ट्रपति कौन बनेगा, यह काफी कुछ इस पर निर्भर करेगा कि सत्ताधारी गठबंधन में प्रधानमंत्री पद को लेकर क्या सहमति बन पाती है। 22 दिसंबर को नव निर्वाचित सांसदों को शपथ दिलवाई जाएगी। राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने राजनीतिक दलों के सरकार बनाने के लिए अपना दावा 25 दिसंबर तक पेश करने को कहा है। इसलिए अनुमान है कि इस हफ्ते के बाकी बचे दिन राजनीतिक सरगर्मी से भरपूर होंगे।

राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के आखिरी दिन गहलोत बोले, यात्रा हमारे लिए वरदान

अलवर (हिंस)। मंगलवार को राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा का आखिरी दिन है। 21 दिसंबर को यात्रा हरियाणा में प्रवेश करेगी। सुबह यात्रा की शुरुआत भगवान महावीर आईआईटी के पास, बुर्जा गांव से हुई। सुबह ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग यात्रा में शामिल हुए। आज ज़्यादातर कांग्रेस के कार्यकर्ता राहुल गांधी के साथ चले। सुबह के सत्र में भारत के पूर्व वित्त सचिव अरविंद मायाराम एवं शैल मायाराम भी साथ चले। इस दौरान मौजूदा समय में अर्थव्यवस्था को लेकर किस तरह की चुनौतियां हैं, इस विषय पर मुख्य रूप से बात हुई। इस दौरान शासन व्यवस्था में विभिन्न चरणों से भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए स्टेट का हस्तक्षेप कम करने का सुझाव आया। दिन में 12 बजे कांग्रेस सांसद एवं पार्टी के संचार प्रभारी जयराम रमेश, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राजस्थान के कांग्रेस प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा, कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार के चेयरमैन पवन खेड़ा एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। जयराम रमेश ने बताया कि आज राजस्थान में यात्रा का आखिरी दिन है। 16 दिन यात्रा राजस्थान में रही। इस दौरान 6 जिलों में 485 किलोमीटर की दूरी कवर की गई। कल सुबह यात्रा हरियाणा में प्रवेश करेगी और 24 दिसंबर की रात को दिल्ली पहुंचेगी। उसके बाद 9 दिनों का ब्रेक होगा। ब्रेक के दौरान कंटेनर्स को पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में पढ़ने वाली कठोर सर्दी के लिए तैयार किया जाएगा। इस दौरान कुछ भारत यात्री घर भी जाना चाहते हैं, जो करीब 4 महीने से यात्रा में हैं। कल हरियाणा में *जय जवान दिवस* मनाया जाएगा। पूर्व सैनिकों के साथ बातचीत होगी। 23 तारीख को *जय किसान दिवस* मनाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का असर केंद्र की भाजपा सरकार पर दिखने लगा है। पूर्वी राजस्थान कैनाल परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का प्रधानमंत्री ने दो बार वादा किया था। लेकिन जब गहलोत सरकार ने प्रस्ताव भेजा तब उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आ रही थी। मुख्यमंत्री ने इसे लेकर कई चिट्ठियां लिखीं, राजस्थान से राज्यसभा सांसद ने इस मुद्दे को संसद में भी उठाया, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा था। अब जाकर उन्होंने कहा है कि इस पर वे सोचेंगे। यह भारत जोड़ो यात्रा का बड़ा असर है। वे समझ गए कि अगर इस मामले में कुछ नहीं करेंगे तो राजस्थान और खासकर के पूर्वी राजस्थान में उनकी बड़ी आलोचना होगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने एनडीए सरकार को हिला कर रख दिया है। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह घबरा गए हैं। नड्डा साहब और बीजेपी वाले विचलित हो गए हैं। अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि इन्होंने मीडिया पर दबाव बनाया है, जिस वजह से यात्रा से जुड़ी खबरें दिल्ली की मीडिया नहीं दिखा रहा है। यह यात्रा सामाजिक सरोकार के लिए है। महंगाई, बेरोजगारी और नॉन वायलेंस की बात करते हुए राहुल गांधी निकल पड़े हैं। लोगों का जबरदस्त समर्थन यात्रा को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान के लिए वरदान साबित हुई है। यात्रा का जो उद्देश्य है, महंगाई से लोगों को राहत दिलाना, उसी हिसाब से राजस्थान की सरकार भी काम कर रही है। हमने 500 में गैस सिलेंडर देने का वादा किया। चिरंजीवी, पेंशन, शहरी मनरेगा, उड़ान एवं पुरानी पेंशन योजना का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि इनसे लोगों को महंगाई से राहत मिली है। हम इन योजनाओं को आधार बनाएंगे और आने वाले बजट में इनमें जो कमियां हैं उन्हें दूर करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि योजनाएं बनाना और उनका सफल क्रियान्वयन, दोनों दो तरह की चीजें होती हैं। ये 5 योजनाएं सफल हुई हैं। सामाजिक सुरक्षा का हमने जो थीम रखा है, वो आगे भी चलता रहेगा। राजस्थान सरकार जल्द ही ओला, उबर, स्विगी जैसे ऐप के माध्यम से काम कर रहे गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा के लिए भी एक स्कीम बनाएगी, ताकि कंपनियां इनके साथ मनमानी ना कर सकें।

शेरगढ़ गैस त्रासदी मृतकों के आश्रितों की सहायता राशि बढ़ाई

जोधपुर (हिंस)। जिले के शेरगढ़ के भूंगरा गांव में हुए सिलेंडर ब्लास्ट हादसे में मृतकों के आश्रितों को सीएम रिलीफ फंड से दो की जगह पांच लाख रुपए मिलेंगे। शेरगढ़ विधायक मीना कंवर ने बताया कि शेरगढ़ के भूंगरा में हुआ हादसा अत्यंत हृदय विदारक है। पीड़ितों के लिए मुआवजा राशि बढ़ाने की मांग को लेकर सीएम अशोक गहलोत से अनुरोध किया। इस पर सीएम ने 2 लाख की जगह 5 लाख रुपए बढ़ाने की घोषणा की है। पीड़ित परिवारों को 17 लाख की जगह अब कुल 20 लाख का सहायता पैकेज दिया जाएगा। इसके अलावा कई अन्य समाजसेवी संगठनों और संस्थाओं से भी पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता देने का अभियान जारी है।

बॉयलर फटने से दो मजदूरों की मौत, चार घायल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में लुधियाना जिले में मंगलवार को एक फैक्टरी का बॉयलर फटने से दो मजदूरों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना लुधियाना के कस्बा दोराहा स्थित ग्रेट इंडिया स्टील फैक्टरी की है। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान विनय और राहुल के रूप में हुई है। हादसा उस वक्त हुआ, जब मजदूर अपने कमरे में आराम कर रहे थे। धमाका होने के बाद चारों तरफ अंधेरा छा गया। लोगों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड और पुलिस को दी, जिन्होंने दुर्घटना स्थल पर पहुंच कर राहत और बचाव कार्य को अंजाम दिया। थाना प्रभारी गुरमीत सिंह ने बताया कि घायलों में रमेश कुमार, आशीष कुमार, अनिल कुमार और बाबू राम है। घायलों को सिद्धू अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र 26 दिसंबर से

चंडीगढ़(हिंस)। हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र 26 दिसंबर से शुरू होगा। यह सत्र तीन दिन चलेगा। बीसीए की 26 दिसंबर को होने वाली बैठक में सत्र की अवधि बढ़ाने या न बढ़ाने पर कोई निर्णय लिया जाएगा। सत्र के लिए अभी तक 52 विधायकों ने 311 तारांकित प्रश्न भेजे हैं। मंगलवार को ड्रॉ के जरिए तीन दिन के लिए 60 तारांकित प्रश्नों की पर्चियां निकाली गईं। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने मंगलवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों को बताया कि पहले दिन सत्र सुबह 11 बजे शुरू होगा और शाम छह बजे तक चलेगा। फिलहाल सत्र की अवधि तीन दिन रखी गयी है। 26 दिसंबर को सुबह 9 बजे बीएसी की बैठक में तय होगा कि सत्र की अवधि बढ़ाई जाए या नहीं। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि सत्र के लिए अभी तक 52 विधायकों ने 311 तारांकित प्रश्न दिए हैं। इसके अलावा 22 विधायकों की तरफ से 171 अतारांकित प्रश्न भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा तीन विधेयक आए हैं। इसके अलावा दो गैर सरकारी संकल्प भी प्राप्त हुए हैं। अध्यक्ष ने बताया कि विधायकों द्वारा अभी तक 25 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव भेजे गए हैं। एक लघु अवधि का प्रस्ताव है। अभी तक सत्र के दौरान काम रोको प्रस्ताव कोई नहीं आया है। विधानसभा स्पीकर ने बताया कि इस शीतकालीन सत्र में ई-विधान के माध्यम से ही प्रश्न लिए जाने का प्रयास किया जा रहा है। इस बार 70 से 75 प्रतिशत काम ई-विधान से ही होगा। विधानसभा के 26 दिसंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र के मद्देनजर मंगलवार को विधानसभा परिसर में ड्रा के माध्यम से सवालों का चयन किया गया।

राजस्थान के दो जिलों में मिले 11 नए संक्रमित

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में मंगलवार को दो जिलों जयपुर और जोधपुर में 11 नए कोरोना संक्रमित सामने आए। जबकि, 48 संक्रमित रिकवर हुए। इसके बाद सक्रिय मामले कम होकर 53 रह गए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को जयपुर में 10 और जोधपुर में एक नया संक्रमित मिला। जबकि, अकेले जयपुर जिले में 36 संक्रमित रिकवर हुए। जयपुर के अलावा अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, राजसमंद और उदयपुर में भी संक्रमितों को सेहत लाभ मिला। प्रदेश में बीते दो दिनों से नए संक्रमितों की संख्या में खासी कमी आ गई थी। इसके साथ ही दो दिनों से संक्रमितों के रिकवर होने का सिलसिला भी थम गया था।

काफी प्रयासों से आया बदलाव, पहले से किसान हुआ सशक्त : दुष्यंत चौटाला

सिरसा (हिंस)। पिछले तीन सालों से सरकार में लगातार गरीब व कमेरे वर्ग की भलाई व खुशहाली के लिए काम कर रहे हैं। इन प्रयासों का ही परिणाम है, जो बदलाव आया है, उससे हर वर्ग लाभान्वित हुआ है। हाल ही में सरकार ने किसानों के खाते में उनकी फसल खरीद की 12 हजार करोड़ रुपए की राशि सीधे 72 घंटों में डाली है। कृषि से संबंधित निर्णयों व योजनाओं से किसान पहले से और अधिक सशस्त हुआ है। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला मंगलवार को ऐलनाबाद के गांव मिठी सुरेरां में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि आज तकनीकी तौर पर बदलाव आया है, जिससे न केवल भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है, बल्कि लोगों को घर बैठे ही योजनाओं का लाभ मिल रहा है। कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। सरकार ने गवर्नमेंट ऑफ इंडिया से एक सॉफ्टवेयर लिया है। अब कंप्यूटर से निकलने वाली फर्द पर किसी स्टपिंग की जरुरत नहीं होगी, उस पर क्यू आर कोड आ जाएगा। क्यू आर कोड के साथ किसी भी सरकारी

दस्तावेज के के ऊपर इसे वैलिड डाक्यूमेंट के तौर पर इस्तेमाल कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अब किसानों को अपनी फसल के पैसों के लिए आढ़ती के पास जाने की जरुरत नहीं रह गई है, बल्कि किसानों के खातों में उनकी फसल की राशि सीधे डाली जाती है, वो भी 72 घंटे के भीतर। लोगों में भ्रम पैदा किया गया कि आढ़ती की दुकान बंद हो जाएगी। लेकिन इससे न तो किसी आढ़ती की दुकान बंद हुई और न ही किसी आढ़ती को किसी प्रकार का नुकसान हुआ है। इस प्रकार के बदलाव से किसान पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले डीसी रेट की नौकरियों में ठेकेदारी प्रथा का चलन था, जिससे कर्मचारियों की अकसर ठेकेदार को लेकर शिकायत रहती थी। अब सरकार ने ठेकेदारी प्रथा को खत्म कर हरियाणा कौशल रोजगार निगम बनाया है, जिसके माध्यम से युवाओं को पारदर्शी ढंग से सरकारी नौकरी में आने का अवसर मिला है। इसमें गरीब परिवारों के बच्चों को वरीयता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य को लेकर भी सरकार पूरी तरह से गंभीर है। जिस भी परिवार की आय 1.80 हजार रुपए से कम है, उन परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। ऐसे परिवार का सदस्य मेडिकल अमरजेंसी में देशभर में कहीं पर भी अपना इलाज करवा सकता है। इस अवसर पर पार्टी प्रदेश अध्यक्ष सरदार निशान सिंह, पूर्व मंत्री भागीराम, राजेंद्र लितानी, पूर्व विधायक कृष्ण कंबोज, जिला अध्यक्ष सर्वजीत मसीता, अंजनी लढा, सुरेंद्र लेघा, अशोक वर्मा, हरिसिंह भारी, सुरेंद्र बेनीवाल, डॉ. राधेश्याम शर्मा, तरमेश मिढा, सरदार जगरुप, अजय ओला, अनिल कासनिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

हरियाणा में शुरू होगी मुख्यमंत्री आवास योजना : मनोहर लाल

हिसार (हिंस)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा में वंचितों व जरूरतमंदों के सिर पर छत मुहैया करवाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना की तर्ज पर हरियाणा सरकार की ओर से अलग से मुख्यमंत्री आवास योजना शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सर्वे किया जा रहा है और जिनके पास आवास नहीं हैं, ऐसे पात्र लाभार्थियों को आवास प्रदान किये जाएंगे। वे मंगलवार को हिसार में महाराजा शूर सैनी की जयंती के अवसर पर हिसार में सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को चंडीगढ़ से वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल को मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचना था, लेकिन ऐन वक्त पर उनका दौरा रद्द होने की सूचना आ गई। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया। चर्चा है कि कार्यक्रम का आयोजन करने वाले सैनी सभा ट्रस्ट पर पिछले कुछ दिनों से लग रहे आरोपों पर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की रिपोर्ट मिलने के बाद मुख्यमंत्री का कार्यक्रम रद्द किया गया है।

हालांकि उनके न आने की वजह धुंध को भी बताया गया। मुख्यमंत्री ने सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के जीर्णोद्धार व नवनिर्माण के लिए अपने ऐच्छिक कोष से 31 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता व विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा की ओर से 11-11 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने सैनी समाज के प्रतिनिधियों की मांग पर विचार करते हुए कहा कि प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले के नाम पर शिक्षण संस्थान का नाम रखा जाएगा। इसके लिए समाज के लोग व प्रतिनिधि जिस शहर या क्षेत्र में कॉलेज या स्कूल का नाम रखने के लिए सरकार को बताएंगे, उस शिक्षण संस्थान का नाम सावित्री बाई फूले के नाम पर रख दिया जाएगा। मनोहर लाल ने धर्मशाला के लिए जमीन देने की मांग पर घोषणा करते हुए कहा कि समाज के लोगों को आवेदन करना होगा और नियमानुसार धर्मशाला के लिए प्लॉट आवंटित किया जाएगा। इसके अलावा, अन्य मांगों पर भी विचार कर उन्हें पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा शूरसैनी जयंती पर यह दूसरा राज्य स्तरीय समारोह है। इससे पहले वर्ष 2020 में कुरुक्षेत्र में पहले राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया था। समारोह में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा, उत्तर प्रदेश से राज्य मंत्री जसवंत सैनी, कुरूक्षेत्र से सांसद नायब सिंह सैनी, मेयर गौतम सरदाना, पार्टी महामंत्री डॉ. पवन सैनी, पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व सांसद कैलाशो सैनी, पूर्व मंत्री हरि सिंह सैनी, विधायक विनोद भयाना, विधायक भव्य बिश्नोई, समारोह के संयोजक जवाहर सिंह सैनी, सीनियर डिप्टी मेयर अनिल मानी, रवि सैनी, सैनी सभा ट्रस्ट के प्रधान ओमप्रकाश राड़ा, कर्मबीर सैनी, जसवंत सैनी, सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से समाज के अनेक जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुक्तसर साहिब में कालेज की दीवारों पर लिखे-मिले खालिस्तानी नारे

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब के मुक्तसर साहिब स्थित सरकारी कॉलेज की दीवारों मंगलवार की सुबह खालिस्तानी नारे लिखे मिले। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मुक्तसर साहिब के गवर्नमेंट कॉलेज की दीवारों पर खालिस्तानी समर्थकों की तरफ से रात के समय नारे लिखे गए। खालिस्तान जिंदाबाद के नारों के साथ-साथ पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बारे में भी आपत्तिजनक शब्दावली का प्रयोग किया गया है। कालेज की दीवारों पर राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का विरोध करने की बात कही गई है। घटना की सूचना मिलते ही मुक्तसर पुलिस मौके पर पहुंच गई और नारों को दीवारों से साफ करवाया। पुलिस जब यह कार्रवाई कर रही थी तो सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इस पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी ली। आतंकी पन्नू ने कहा कि कांग्रेस ने पंजाब पर अत्याचार किए हैं। सिखों का कत्लेआम किया है। आज भी दिल्ली में मारे गए सिखों की विधवाओं की गली है। भारत जोड़ो यात्रा को पंजाब में रोका जाएगा। बहरहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जमीन खाली करने को लेकर भू-माफियाओं व अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

जम्मू। आज सामाजिक कार्यकर्ता श्री चंदन दत्ता के नेतृत्व में वीसी जेडीए श्री पंकज मगोत्रा से संपर्क किया और सेक्टर 1 रूप नगर के निवासियों को विभिन्न समस्याओं का सामना करने के मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की। मामले की जांच के लिए कुलपति जेडीए के निर्देश पर सचिव जेडीए साहिल जंडयाल को सौंपा ज्ञापन। साहिल जंड्याल तुरंत हरकत में आए और सीटीपी अनुभाग से बात कर अपने भूखंडों के साथ खाली पड़ी जमीन की पट्टियों की स्थिति की जांच की और उन्हें नक्शे का अध्ययन करने के लिए कहा और एक रिपोर्ट बुलाई। जेडीए की जमीन पर भी अतिक्रमणकारियों का कब्जा है, जो इन निवासियों के लिए चिंता का विषय है क्योंकि क्षेत्र में अपराध दर बढ़ रही है। चोरी होती है और अक्सर होती है इसलिए सचिव साहिल जंड्याल से अपील है कि खाली पड़े भूखंडों की स्थिति की जांच करें और यदि यह जेडीए को नहीं दिया गया है तो अतिक्रमणकारियों को हटा दें जो प्रतिनियुक्ति के लिए एक बड़ी चिंता है। साहिल ने धैर्यपूर्वक मामले को सुना और स्थिति की जांच करने के लिए एक टीम की प्रतिनियुक्ति की और तुरंत टीम की प्रतिनियुक्ति की। दत्ता ने रूप नगर के निवासियों के इस मुद्दे को लाया और भू-माफिया और अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी कि वे सरकारी भूमि को खाली करें और जम्मूवासियों को परेशान न करें।

लोंगेवाला हीरो भैरोसिंह की देह पंचतत्व में विलीन, गांव में गूंजा भैरोसिंह अमर रहे..

जोधपुर(हिंस)। 1971 में हुए भारत-पाक युद्ध के असली हीरो भैरो सिंह राठौड़ का सोमवार को निधन हो गया। मंगलवार को उनके पैतृक गांव सोलंकियातला में राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि की गई। इस दौरान गांव में भैरोसिंह अमर रहे.. जब तक सूरज चांद रहेगा भैरों तेरा नाम रहेगा के नारे गूंज उठे। मार्चपास्ट की सलामी के साथ बंदूकों से सलामी दी गई। कई सैन्य अफसरों के जन प्रतिनिधिगण भी मौजूद रहे। इसस पहले मंगलवार सुबह जोधपुर से पार्थिव देह की विदाई से पहले सैन्य सम्मान के साथ अधिकारियों ने पुष्पचक्र अर्पित किए। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी जोधपुर पहुंची और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। उल्लेखनीय है कि 81 साल के भैरोसिंह 14 दिसंबर से जोधपुर के एम्स हॉस्पिटल में एडमिट थे। उन्हें सांस लेने में दिक्कत परेशानी थी। इलाज के बीच सोमवार को दोपहर करीब 1 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। भैरो सिंह मूलत: जोधपुर जिले के शेरगढ़ तहसील के सोलंकियातला गांव के रहने वाले थे। बेटे सवाई सिंह ने बताया कि ब्रेन स्ट्रोक की वजह से वे सांस नहीं ले पा रहे थे। इसके बाद उनके शरीर में कोई मूवमेंट नहीं हो रहा था। उन्हें एम्स के आईसीयू में एडमिट किया गया था। सोमवार दोपहर उनका देहांत हो गया। भैरो सिंह के निधन की सूचना मिलने पर बीएसएफ डीआईजी संजय यादव भी एम्स पहुंचे। यहां से पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए मंडोर स्थित बीएसएफ के हेडक्वार्टर ले जाया गया है।

आदर्श समाज में हरियाणा विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन निवारण कानून जरूरी : धनखड़

चंडीगढ़ (हिंस)। भाजपा के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि आदर्श समाज निर्माण के लिए हरियाणा विधिविरुद्ध धर्म परिवर्तन निवारण जैसा कानून बनाकर लागू करना मनोहर लाल सरकार का ऐतिहासिक निर्णय है। कानून के लागू होने से लालच, भय और जालसाजी से प्रेम जाल (लव जिहाद) यानी धर्म छिपाकर शादी करने वालों या धर्म के नाम पर बहकाकर मतांतरण करने वालों की दुकान अब बंद हो जाएगी। ऐसे समाज व राष्ट्र विरोधी तत्वों पर कानून के दायरे में कड़ा शिकंजा कसा जाएगा। ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि हरियाणा में कोई भी व्यक्ति अब सिर्फ शादी करने के लिए मतांतरण नहीं कर सकेगा। जबरन मतांतरण के मामले में आरोपी को न केवल 10 साल तक की कैद व लाखों रुपए का जुर्माना भुगतना होगा बल्कि दोषी द्वारा पीड़िता को भी गुजारा भत्ता व अन्य खर्च देना पड़ेगा। अगर आरोपी का निधन हो जाता है तो उसकी अचल संपत्ति से पीड़ितों को आर्थिक मदद दिलाई जाएगी। मतांतरण के बाद विवाह से जन्मे नाबालिगों को भी भरण-पोषण के लिए आर्थिक मदद देनी होगी। यह कानून में प्रावधान किया गया है। धनखड़ ने सख्त कानून बनाने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल और गृह मंत्री अनिल विज का आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है कि जबरन मतांतरण को रोकने के लिए मार्च में हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में विधेयक पारित हुआ था। सरकार ने विगत एक दिसंबर को हुई कैबिनेट बैठक में हरियाणा विधिविरुद्ध धर्म परिवर्तन निवारण अधिनियम के नियम तय कर दिए थे। अब राज्यपाल द्वारा अनुमोदन करने से यह कानून प्रदेश में तत्काल प्रभावी हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमें गर्व है कि हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की है लेकिन समाज व राष्ट्र तोड़ने वालों के साथ कानूनन सख्ती से निपटना भी जरूरी है।

SHORT RE-TENDER NOTICE

Sealed tenders affixing Court fee stamp Rs. 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only are invited from registered eligible Contractors/Firms for supply of the following items under "**SOPD Scheme** —"'**Amenities to Staff & Labour**" during 2022-23 to be executed in the Kamrup East Division, Basistha, Guwahati -29 as mentioned below :

Details of Works: -

Sl. No.	Particulars	Earnest Money
1	Khaki TC Raymonds Shirt & Pant with Epaulettcs & Loop.	
2	Jungle Hunding Boot (Apollo or Liberty)	
3	Rain Coat Branded	
4	Whistle Code with Whistle	
5	Leather Belt with Monogram	2% for General 1% for SC/ST/OBC of offered amount.
6	Shoulder Badge	
7	Name Plate	
8	Socks	

The tenders will be received up till 03/01/2023 up to 3.00 PM (IST) in the office of the undersigned and it will be opened on the same day by Tender Evaluation Committee at 3.30 PM (IST) in presence of the interested tenderers or their authorized representative.

The detailed estimate particulars of works may be seen and tender paper may also be obtained from the office of the undersigned on all working days up to 5.00 PM on payment of Rupees 250.00 (Rupees Two Hundred Fifty) only for each tender paper though Bank Draft in favour of the Divisional Forest officer, Kamrup East Division, Basistha, Guwahati-29

The works to be completed within 10 (Ten) days from the date of issue of the final work order. The payment will be made only after the release of fund from the competent authority.

The undersigned and Tender Evaluation Committee reserves the right to accept or cancelled any tender without assigning reasons thereof and does not bind to accept the lowest tenderer.

Sd/-
Divisional Forest Officer,
Kamrup East Division, Basistha,
Guwahati -29.

-- Janasanyog/C/16488/22

खादी डिजाइन क्रिएशन एवं खादी फैशन शो कल

बीकानेर (हिंस)। जिला प्रशासन, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड तथा खादी संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में 22 दिसंबर को सायं 5 बजे रविंद्र रंगमंच में खादी डिजाइन क्रिएशन एवं खादी फैशन शो का आयोजन किया जाएगा। संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के पवन ने मंगलवार को इससे संबंधित पोस्टर का विमोचन किया। संभागीय आयुक्त ने बताया कि खादी कतिन और बुनकरों को आर्थिक संबल देने एवं प्रोत्साहित करने के लिए के साथ आमजन तक खादी की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से इस फैशन शो का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि फैशन शो में महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, महारानी

सुदर्शन कन्या महाविद्यालय, होम साइंस कॉलेज तथा महिला मंडल स्कूल सहित विभिन्न संस्थाओं की भागीदारी रहेगी। शो का पूर्वाभ्यास महिला मंडल स्कूल में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के समन्वयक ज्योति प्रकाश रंगा ने बताया कि फैशन शो का आयोजन अभिमन्यु सिंह के निर्देशन तथा आरव खत्री के सह निर्देशन में आयोजित किया जाएगा। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक मंजू नैण गोदारा, खादी के पूर्व संभागीय अधिकारी शिशुपाल सिंह, खाद्य विभाग के संभागीय अधिकारी मदन चंद स्वामी, विशुद्ध खादी ग्रामोद्योग के मंत्री कृष्ण व्यास, ग्रामोद्योग विकास संस्थान के झंवर पन्नू मौजूद रहे।

चीन की सबसे बड़ी स्मार्टफोन निर्माता कंपनी में छंटनी: शाओमी ने अपनी टोटल वर्कफोर्स में से 15प्रतिशत वर्कर्स को जॉब से निकाला

नई दिल्ली ।
चाइनीज टेक्नोलॉजी कंपनी शाओमी ने छंटनी शुरू कर दी है। अपने स्मार्टफोन और इंटरनेट सर्विसेस यूनिट्स में से वर्कर्स को निकालना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शाओमी ने अपनी टोटल वर्कफोर्स में से लगभग 15प्रतिशत वर्कर्स की छंटनी कर दी है। 30 सितंबर तक शाओमी की टोटल वर्कफोर्स 35,314 थी, जिसमें से 32,000 चीन में बेस्ड है।

छंटनी से प्रभावित कई लोग हाल ही में कंपनी में शामिल हुए थे - इस छंटनी से प्रभावित कई लोग हाल ही में कंपनी में शामिल हुए थे। शाओमी ने दिसंबर 2021 में हायरिंग की थी। फिर चीन में कोविड-19 प्रतिबंधों और कंज्यूमर डिमांड में गिरावट के कारण शाओमी ने नवंबर में तीसरी तिमाही के रेवेन्यू में 9.7प्रतिशत की गिरावट की रिपोर्ट के बाद कंपनी में छंटनी की थी। स्मार्टफोन रेवेन्यू, जो कंपनी की टोटल सेल्स का लगभग 60प्रतिशत बनाता है। यह साल-दर-साल 11प्रतिशत गिर गया था।

कई कर्मचारियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दुख बयां किया - छंटनी से प्रभावित शाओमी के कई कर्मचारियों ने वीबो, शियाओहोंगशू और मैमाई सहित कई चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपना दुख बयां किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि शाओमी की नौकरी में कटौती के बारे में सभी प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की बाढ़ आ गई है। दुनिया के सबसे बड़े स्मार्टफोन मेकर्स में से एक है और चीन में सबसे बड़ी कंपनी है। छंटनी से पता चलता है कि नौकरी में कटौती की नई लहर ने चीनी कंपनियों को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है।

कुछ दिनों पहले लेटेस्ट फ्लैगशिप शाओमी -13 सीरीज को पेश किया - शाओमी ने कुछ दिनों पहले अपने लेटेस्ट फ्लैगशिप शाओमी -13 सीरीज को पेश किया था। इस नए स्मार्टफोन में टॉप-टीयर क्वालकॉम स्नैपड्रैगन चिपसेट और स्नैपड्रैगन 8 जेन-2 का यूज किया गया है। शाओमी -13 में कैमरा, बैटरी और डिजाइन जैसे की-एरियाज पर फोकस किया गया है। कंपनी को मार्केट में वीवो, ओप्पो और वनप्लस जैसे चीनी राइवल्स से कॉम्पिटिशन करना पड़ रहा है। भारत में शाओमी सैमसंग, वीवो, रियलमी और ओप्पो जैसे मैन्युफैक्चरर के कारण मार्केट शेयर खो रहा है। हालांकि, शाओमी अभी टॉप स्पॉट पर बना हुआ है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, शाओमी के राइवल्स अब उसके बेहद करीब पहुंच गए हैं। इंडियन मार्केट में शाओमी और सैमसंग दोनों की बाजार हिस्सेदारी 19-19प्रतिशत है।

न्यूज ब्रीफ

चीन को झटका, भारत एपल का पसंदीदा विनिर्माण केंद्र, विदेशी कंपनियों के लिए बना आकर्षक बाजार

नई दिल्ली। चीन में भू-राजनीतिक और स्वास्थ्य की चुनौतियां अब उसके लिए भारी पड़ रही हैं। एपल की सप्लायर कंपनियां भारत और वियतनाम को अपना पसंदीदा विनिर्माण केंद्र बना रही हैं। काउंटरप्वाइंट रिसर्च के अनुसार, प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता स्थानीय प्रोत्साहन नीतियों का लाभ उठाते हुए वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता में विविधता लाने के लिए तेजी से आगे बढ़ रही हैं। यहां की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक कंपनियां उन देशों में अपना केंद्र बना रही हैं, जहां उन्हें प्रोत्साहन मिल रहा है। फॉक्सकॉन विनिर्माण क्षमता का 30 फीसदी हिस्सा ब्राजील और अन्य एशियाई देशों में ले जाना चाहती है। फॉक्सकॉन और ताइवानी असेंबलर पेगाट्रॉन कॉर्प जैसी कंपनियां असेंबली और पैकेजिंग के लिए चीन के बाहर अपना पांव पसार रही हैं। फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन के नेतृत्व में कंपनियों ने पहले ही कारखानों, उत्पादन लाइनों, उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाओं और भारत में कर्मियों के प्रशिक्षण में निवेश किया है। वियतनाम में चीन की तुलना में सस्ते कामगार मिल रहे हैं। भारत में निर्मित स्मार्टफोन इस साल की दूसरी तिमाही में 16 फीसदी की वृद्धि के साथ 4.4 करोड़ यूनिट से अधिक तक पहुंच गए। विश्वबैंक के आंकड़ों के मुताबिक, चीन में 2020 के बाद से लगातार कामगारों की संख्या घट रही है। कुछ शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कुशल श्रमिकों का एक समूह चीन की रीढ़ रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या विदेशी कंपनियों के लिए एक आकर्षक बाजार बनाती है। चेन्नई के पास ताइवानी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर फॉक्सकॉन करीब 20 एकड़ की जमीन पर मेगा हॉस्टल का निर्माण तेजी से कर रही है। इसमें कई बड़े छात्रावास ब्लॉक होंगे।

विश्व बैंक ने 2022 के लिए चीन के विकास दर का अनुमान घटाया, 4.3प्रतिशत से घटाकर 2.7प्रतिशत किया

नई दिल्ली । मंगलवार को जारी अपनी एक रिपोर्ट में विश्व बैंक ने वर्ष 2022 में चीन के विकास दर का अनुमान 4.3 प्रतिशत से घटाकर 2.7 प्रतिशत कर दिया है। 4.3 प्रतिशत का आंकड़ा विश्व बैंक की ओर से जून के महीने में जारी किया गया था। यह कटौती विश्व बैंक की ओर से चीन में महामारी और प्रोपर्टी सेक्टर में कमजोरी के कारण की गई है। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट नेविगेटिंग अनसर्टिनिटी, चाइना इकोनॉमी इन 2023 में बताया है कि महामहारी के दौरान चीन की पब्लिक हेल्थ पॉलिसी बहुत कठोर रही है। लोगों को स्वास्थ्य को देखते हुए ये ठीक हैं, पर इसका अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि चीन में बेरोजगारी बढ़ी है। अक्तूबर महीने में यह बढ़कर 18 प्रतिशत पर पहुंच गया है। सरकार की नीतिगत प्रतिक्रिया काफी हद तक अल्पकालिक समर्थन पर निर्भर करती है और इसे और अधिक संरचनात्मक उपायों के साथ पूरक बनाया जा सकता है।

फ्लेक्सिबल दफ्तरों की उपलब्धता के मामले में बेंगलुरु सबसे अव्वल; दिल्ली-एनसीआर पांचवे नंबर पर

नई दिल्ली । सीबीआरई के आंकड़ों के मुताबिक, एशिया प्रशांत क्षेत्र में बेंगलुरू में सबसे अधिक 1.06 करोड़ वर्ग फुट प्रीमियम फ्लेक्सिबल ऑफिस स्पेस (दफ्तर) उपलब्ध हैं। अपनी नवीनतम रिपोर्ट में, रियल एस्टेट क्षेत्र की सलाहकार फर्म सीबीआरई ने कहा कि बेंगलुरु एशिया-प्रशांत क्षेत्र (एपीएसी) के शहरों की सूची में सबसे ऊपर है, जिसमें 11 प्रमुख शहरों से आगे सबसे अधिक दफ्तर उपलब्ध हैं। सितंबर 2022 तक, बेंगलुरु ने 10.6 मिलियन वर्ग फुट (ग्रेड-ए संपत्ति) में दफ्तर के लिए जगह उपलब्ध थे, जो शंघाई, बीजिंग, सियोल, टोक्यो और सिंगापुर सहित सभी प्रमुख एशियाई शहरों में सबसे अधिक है। दिल्ली-एनसीआर ग्रेड-ए संपत्ति के मामले में 6.6 मिलियन वर्ग फुट दफ्तरों के उपलब्ध स्पेस के साथ 12 शहरों की सूची में पांचवें स्थान पर है, जबकि हैदराबाद 5.7 मिलियन वर्ग फुट स्पेस के साथ सातवें स्थान पर है। सीबीआरई के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के चेयरमैन और सीईओ अंशुमान मैगज़ीन ने कहा, भारत एशिया के शहरों में दफ्तरों की उपलब्धता के मामले में नेतृत्व कर रहा है।

एक साल में 4.6प्रतिशत, बीते दशक में 211प्रतिशत चढ़ा, अब 2023 में कहां पहुंचेगा निफ्टी 50 बेंचमार्क

नई दिल्ली ।
शेयर बाजार लंबी समय अवधि में मोटा मुनाफा देने के लिए जाने जाते हैं। एक दशक पहले जो निफ्टी 6000 का स्तर भी हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहा था। 10 वर्षों के बाद दिसंबर 2022 में वहीं निफ्टी 18900 के करीब पहुंच गया। पिछले एक दशक के दौरान निफ्टी 211प्रतिशत की आश्यचर्यजनक वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2022 में मैक्रोइकोनॉमिक अनिश्चितताओं और जियोपॉलिटिकल तनावों के कारण बाजार में आए उठा-पटक के बावजूद भारतीय बाजार ने अपने समकक्षों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया और ऑलटाइम हाई का आंकड़ा छू लिया। अब जबकि वर्ष 2023 कदम रखने में दो हफ्ते से भी कम का समय रह गया है, निफ्टी 50 के और अधिक मजबूत होने के कयास लगाए जा रह हैं। केवल इतना हीं नहीं, जानकारों का मानना है कि वर्ष 2030 तक निफ्टी ऊंचाईयों को हासिल करते हुए 50,000 का आंकड़ा छू सकता है।

यूरोप और अमेरिकी बाजार में मंदी की आशंका के बावजूद भारतीय बाजार मजबूत -सोमवार को निफ्टी 151.45 अंकों (0.83प्रतिशत) की बढ़त के साथ 18,420.45 के स्तर पर बंद हुआ। पर फिलहाल बाजार की स्थिति उठा-पटक वाली बनी हुई है, ऐसा यूरोप और अमेरिका के केंद्रीय बैंकों की ओर से महंगाई पर काबू पाने के लिए ब्याज दरों में की गई बढ़ोतरी के कारण है। केंद्रीय बैंकों के इस कदम से दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मंदी की आशंका गहरा गई है। हालांकि सोमवार के दिन भारतीय बेंचमार्क निफ्टी और सेंसेक्स ने वैश्विक बाजार में कमजोरी के संकेतों के बावजूद पिछले दो दिनों के

घाटे को पाटने में सफलता पाई। इस वर्ष 1 दिसंबर को निफ्टी अपने लाइफटाइम हाई 18,887.60 का स्तर छूटने में सफल रहा। वर्ष 2022 में निफ्टी अब तक 4.6प्रतिशत की बढ़त हासिल कर चुका है। आईसीआईसीआई डायरेक्ट ने 19 दिसंबर को प्रकाशित अपने टेक्नीकल आउटलुक रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2023 के लिए निफ्टी 50 का लक्ष्य 21400 का स्तर है। वहीं अगर बाजार नीचे की ओर फिसलता है तो 16200 के लेवल पर इसे एक मजबूत सपोर्ट मिलेगा। हालांकि बात यहीं खत्म नहीं होती, ब्रोकरेज हाउस के अनुसार निफ्टी 50 वर्ष 2030 के अंत तक 50,000 का स्तर छू सकता है।

ब्रोकरेज हाउस ने निफ्टी के लिए नए साल में जो लक्ष्य तय किया है उसके पक्ष में कुछ ठोस तर्क भी दिए हैं, वे हैं- पिछले चार दशकों में हर दशक के तीसरे वर्ष में बाजार को सकारात्मक रिटर्न मिला है। औसतन यह करीब 18प्रतिशत प्रतिशत रहा है। इस आधार पर जारी वर्ष के लिए प्रोजेक्ट किया गया 18900 का स्तर हासिल कर लिया गया है। इससे इस तर्क को और बल मिलता है। वर्तमान में निफ्टी के स्तर 18420 को आधार माना जाए तो इस तर्क के आधार पर बाजार 2023 में 21720 के लेवल पर पहुंच सकता है। इस तर्क का एक दूसरा मजबूत आधार भी है। वह यह है कि आम चुनावों के पूर्व के वर्षों में 70प्रतिशत बार बाजार ने सकारात्मक रिटर्न दिया है। पिछले 13 महीनों में बाजार ने जिस रेंज (18300-15200) के बीच कारोबार किया है वह 21400 के स्तर की ओर ब्रेकआउट का इशारा कर रहा है। पिछले दो दशकों के दौरान हर 10 में से आठ मौकों पर निफ्टी 500 के घटकों में 60प्रतिशत 200 डीएमए (डेज मूविंग एवरेज) के ऊपर पहुंचे। इससे पिछले 12 महीनों के दौरान निफ्टी में औसतन 25प्रतिशत का रिटर्न मिला। इसके अलावे ब्रोकरेज हाउस ने बताया है कि निफ्टी के मिडकैप स्टॉक्स आने वाले वर्षों में लार्ज कैप स्टॉक्स की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। ब्रोकरेज ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि मिड कैप शेयरों के बेहतर प्रदर्शन से वर्ष 2023 में करीब 20प्रतिशत का रिटर्न मिल सकता है। 2023 में जिन सेक्टर्स पर बाजार में नजर बनी रहेगी उनमें बीएफएसआई, ऑटो, पीएसयू, कैपिटल गुड्स एंड इंफ्रा, टेलीकॉम सेक्टर हैं। इसके अलावे आईटी सेक्टर के शेयर भी बढ़िया रिस्क-रिवार्ड दे सकते हैं।

वर्ष 2030 तक निफ्टी पहुंचेगा 50000 के लेवल पर - आईसीआईसीआई डायरेक्ट की रिपोर्ट के अनुसार इस दशक में भारतीय बाजारों में वही चाल दिख सकती है जो अमेरिकी बाजारों में 1990-2000 के दशक में और निक्केई में 1980-90 के दशक में दिखी थी। उस दौरान इन बाजारों में पांच गुना से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, तकनीकी अध्ययनों के आंकड़े बताते हैं कि निफ्टी वर्ष 2030 तक 50,000 के स्तर को छू सकता है। वर्ष 2021 और 2022 के दौरान बाजार के प्रदर्शन से हमारे तर्क को बल मिलता है। निफ्टी हमारे अनुमानों के मुताबिक ही कारोबार कर कर रहा है। सबसे रोमांचक बात यह है कि हम वर्ष 2023 में प्रवेश करने वाले हैं, पिछले दशकों के अध्ययन से पता चलता है कि यह वर्ष बाजार को मजबूती देने वाला हो सकता है। वर्ष 1979 में सेक्सेक्स की स्थापना के बाद इसमें हर दशक में चार गुने का इजाफा हुआ हालांकि ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि ऐसे लॉन्ग टर्म ट्रेंड बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण थोड़े-आगे पीछे रह सकते हैं। उदाहरण के लिए वर्ष 2018 उन्होंने बताया था कि वर्ष 2022 तक बाजार 19000 के लेवल पर पहुंचेगा पर विभिन्न कारणों से यह 18900 के स्तर तक ही पहुंच पाया। हालांकि निफ्टी ने यह उपलब्धि कोविड महामारी की चुनौतियों से जूझते हुए हासिल किया ऐसे में यह महत्वपूर्ण है। डिकेडल साइकिल को विस्तार से बताते हुए आईसीआईसीआई डायरेक्ट का कहना है कि वर्ष 1979 में सेंसेक्स की स्थापना के बाद से हर दशक में यह चार गुनी रफ्तार से बढ़ा है।

देश में घट रहे मोबाइल यूजर्स

दो महीने में 54.77 लाख लोगों ने मोबाइल से बनाई दूरी, जियो नंबर वन पर कायम

नई दिल्ली ।
देश में मोबाइल यूजर्स की संख्या लगातार घट रही है। पिछले दो महीने में 54.77 लाख लोगों ने मोबाइल से दूरी बनाई है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अनुसार अक्टूबर 2022 में देश भर में मोबाइल यूजर्स की संख्या 114.36 करोड़ हो गई हैं। जबकि अगस्त महीने में लगभग 114.91 करोड़ मोबाइल यूजर्स थे। सितंबर माह में मोबाइल यूजर्स की संख्या 36.64 लाख घटकर 114.54 करोड़ हो गई थी। वहीं अक्टूबर माह में 18.13 लाख मोबाइल यूजर्स कम हुए हैं।

जियो से 14.14 लाख और एयरटेल से 8.05 लाख यूजर्स जुड़े

रिलायंस जियो टेलीकॉम सेक्टर में अपना दबदबा बनाए हुए है और अपनी नंबर वन की पोजीशन पर कायम है। अक्टूबर में जियो ने 14.14 लाख नए यूजर्स को अपने नेटवर्क से जोड़ा है। इससे जियो नेटवर्क के यूजर्स की संख्या बढ़कर 42.13 करोड़ पहुंच गई है। वहीं भारती एयरटेल से अक्टूबर में 8.5 लाख नए यूजर जुड़े हैं। इसके बाद एयरटेल के उपभोक्ताओं की संख्या 36.50 करोड़ हो गई है।

वोडाफोन-आइडिया के यूजर्स कम हुए

वोडाफोन आइडिया के यूजर्स लगातार कम हो रहे हैं। वोडाफोन-आइडिया कंपनी के 35.09 लाख यूजर्स ने अक्टूबर में नेटवर्क को छोड़ा है। इससे कंपनी के कुल उपभोक्ताओं की संख्या 24.56 करोड़ रह गई है। वहीं बीएसएनएल के

5.92 लाख यूजर्स कम हुए हैं। इससे इसके यूजर्स की संख्या घटकर 10.86 लाख रह गई है।

जियो का 36.85प्रतिशत मार्केट शेयर

ट्राई के मुताबिक टेलीकॉम मार्केट में रिलायंस जियो का मार्केट शेयर 36.66प्रतिशत से बढ़कर 36.85प्रतिशत हो गया हैं, जबकि भारती एयरटेल का मार्केट शेयर 31.80प्रतिशत से बढ़कर 31.92प्रतिशत पर पहुंच गया है। वहीं वोडाफोन-आइडिया की हिस्सेदारी सितंबर के मुकाबले में 21.75 से घटकर 21.48प्रतिशत रह गई है।

देश में 20,980 5जी बेस स्टेशन लगे

बात करें 5जी सर्विस की तो देश के 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 26 नवंबर तक 20,980 बेस स्टेशन लगाए जा चुके हैं। संचार राज्य मंत्री देवू सिंह चौहान ने राज्यसभा में शुक्रवार को एक सवाल के जवाब में बताया था कि देश में हर हफ्ते 5जी के लगभग 2500 नए टॉवर लगाए जा रहे हैं। सबसे ज्यादा दिल्ली में 5829 5जी टॉवर लग चुके हैं। दिल्ली में 938 5जी टॉवर एयरटेल ने लगाए हैं, तो रिलायंस जियो ने 4891 टॉवर लगाए हैं।

जुलाई-सितंबर तिमाही में 78,000 लोगों को मिला अस्थायी रोजगार, पिछली तिमाही के मुकाबले 6प्रतिशत ज्यादा

नई दिल्ली ।
देश में इस साल जुलाई-सितंबर तिमाही में 78,000 लोगों को अस्थायी रोजगार (फ्लेक्सी स्टॉफिंग) मिला है। यह अप्रैल-जून तिमाही की तुलना में 6प्रतिशत ज्यादा है।फ्लेक्सी स्टाफिंग से तात्पर्य अस्थायी रूप से रोजगार या किसी परियोजना के लिए कर्मचारियों को रखने से है। इंडियन स्टाफिंग फेडरेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, मजबूत त्योहारी सीजन और सभी क्षेत्रों में बढ़ती मांग से रोजगार बढ़ा है।जुलाई-सितंबर में नए अस्थायी रोजगार सामान्य क्षेत्र और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नई नौकरियों का संयोजन हैं।

आईटी क्षेत्र में 2.2 फीसदी की मामूली वृद्धि - रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर तिमाही में आईटी क्षेत्र को छोड़कर सामान्य क्षेत्र एफएमसीजी, ई-कॉमर्स, विनिर्माण, खुदरा, लॉजिस्टिक्स, बैंकिंग, आतिथ्य, पर्यटन, बीमा, बुनियादी ढांचा में नएरोजगार 7.3 फीसदी बढ़े हैं।आईटी क्षेत्र में मामूली 2.2 फीसदी की वृद्धि हुई।

बजट में 5 लाखकी जाए होम लोन ब्याज पर कटौती की सीमा - रियल एस्टेट क्षेत्र के निकाय क्रेडाई ने होम लोन के ब्याज पर कटौती (डिडक्शन) की सीमा को मौजूदा 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने की मांग की है। क्रेडाई अध्यक्ष हर्षवर्द्धन पटोदिया ने कहा, मई से रेपो दर 2.25 फीसदी बढ़ चुका है।इससे होम लोन पर ब्याज दरें सात महीने में करीब 2प्रतिशत बढ़कर 8.5 फीसदी हो गई हैं। अगर कटौती की सीमा बढ़ाई जाती है तो इससे लोग घर खरीदने के लिए प्रेरित होंगे। चीनी उत्पादन 5प्रतिशत बढ़ा, निर्यात अनुबंध 45-50 लाख टन चीनी उत्पादन चालू विपणन वर्ष में एक अक्तूबर से 15 दिसंबर के बीच 5 फीसदी बढ़कर 82.1 लाख टन पहुंच गया।

अबांस होल्डिंग के आईपीओ का अलॉटमेंट, निवेशक बीएसई की वेबसाइट पर ले सकते हैं जानकारी

नई दिल्ली । अबांस होल्डिंग आईपीओ के 345.6 करोड़ रुपये के आईपीओ के शेयरों का आवंटन मंगलवार को हो सकता है। डायवर्सिफाइड फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर का आईपीओ 1.1 गुना सब्सक्राइब किया गया था। इस आईपीओ का इश्यू 256-270 रुपये प्रति शेयर के प्राइस रेंज में 12-15 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। खुदरा बोलीदाताओं के लिए आरक्षित कोटा को केवल 40प्रतिशत सब्सक्राइब किया था जबकि एचएनआई सेगेमेंट में इसे 1.48 गुना सब्सक्राइब किया गया था। संस्थागत निवेशकों के सेगमेंट में इस आईपीओ को 4.10 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

पीएनबी और इंडियन बैंक ने एफडी पर बढ़ाया 0.95 फीसदी तक ब्याज, दस साल में सबसे कम होगा बैंकों का एनपीए

नई दिल्ली ।
पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और इंडियन बैंक ने (फिक्स्ड डिपॉजिट) एफडी पर 0.95 फीसदी तक ब्याज बढ़ा दिया है। दोनों बैंकों की बढ़ी हुई दरें 19 दिसंबर से लागू हो गई हैं। पीएनबी ने कहा, दो करोड़ रुपये से कम के 666 दिन के एफडी पर ब्याज दर 0.95प्रतिशत बढ़कर 6.30 से 7.25प्रतिशत हो गई है। तीन से 10 साल के जमा पर 0.40प्रतिशत अधिक यानी 6.50प्रतिशत ब्याज मिलेगा। वरिष्ठ नागरिकों को 4 से 7.75प्रतिशत तक ब्याज मिलेगा। उधर, इंडियन बैंक ने इंड शक्ति

नाम से 555 दिन का एफडी लॉन्च किया है। इस पर 6.25 फीसदी तक ब्याज मिलेगा। वरिष्ठ नागरिकों को 0.50प्रतिशत अतिरिक्त फायदा मिलेगा। इसमें 91 से 120 दिन के जमा पर 3.50 फीसदी ब्याज मिलेगा। तीन से पांच साल के जमा पर 6.25 फीसदी तक ब्याज दिया जाएगा। स्मॉल फाइनेंस बैंक फिनकेयर अब 8प्रतिशत तक ब्याज देगा। वरिष्ठ नागरिकों को 8.5 फीसदी ब्याज मिलेगा। दर 17 दिसंबर से लागू है। एक्सिस बैंक ने सभी अवधि की कर्ज की सीमांत लागत आधारित दर (एमसीएलआर) में 0.30 फीसदी की बढ़ोतरी की है। नई दर 17 दिसंबर से लागू है। एक साल के कर्ज पर 8.75 फीसदी ब्याज देना होगा।उधर, आवास वित्त कंपनी एचडीएफसी ने खुदरा प्रधान कर्ज दर में 0.35प्रतिशत वृद्धि की घोषणा की है। इससे होम लोन की न्यूनतम दर बढ़कर 8.65 फीसदी हो गई है। नई दरें मंगलवार से लागू होंगी। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि 2023-24 के अंत तक बैंकों का बुरा फंसा कर्ज (एनपीए) चार फीसदी पर पहुंच जाएगा। यह 10 साल में सबसे सर्वश्रेष्ठ स्तर होगा। 2022-23 में बैंकों का कर्ज वृद्धि 15.2-16.1 फीसदी रहेगा, लेकिन 2023-24 में यह कम होकर 11-11.6प्रतिशत पर आ जाएगा।

ट्विटर पर पीएम मोदी का ब्लू टिक ग्रे हुआ

सरकारी ट्विटर अकाउंट्स को मिला ग्रे वैरिफाइड टिक; राहुल के पास अभी भी ब्लू टिक

नई दिल्ली ।
ट्विटर पर नए वेरिफिकेशन सिस्टम के तहत बदलाव दिखना शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के अकाउंट्स से ब्लू टिक हट गया है। इनके हैंडल में ग्रे टिक दिखने लगा है। हालांकि, ग्रे टिक वाले नियम को अभी तक पूरी तरह से रोल आउट नहीं किया गया है। कई राजनेताओं के हैंडल में अभी भी ब्लू टिक दिखाई दे रहा है। राहुल गांधी के अकाउंट पर अभी भी ब्लू टिक बना हुआ है। 13 दिसंबर को ट्विटर ने वैरिफाई की पॉलिसी चेंज कर दी है। इसे तीन कलर की कैटेगरी में बांटा गया है। कंपनियों को गोल्ड चेक, सरकार को ग्रे चेक और आम नागरिकों को ब्लू टिक मिलेगा।

बाइडेन और सुनक का वैरिफाई टिक बदला - पीएम मोदी के साथ-साथ प्राइम मिनिस्टर ऑफिस जैसे सरकारी संस्थानों के ट्विटर हैंडल पर ग्रे टिक दिखने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक सहित कई राजनेताओं के ट्विटर प्रोफाइल पर ग्रे टिक दिख रहा है।

ट्विटर ने ब्लू टिक सर्विस में कई बार बदलाव किए - ट्विटर ने 9 नवंबर को चेक-मार्क बैज के साथ ट्विटर ब्लू लॉन्च किया था, लेकिन फेक अकाउंट की संख्या बढ़ने के कारण 2 दिन बाद ही सर्विस को होल्ड कर दिया था। नए ब्लू साइन अप बंद कर दिए गए थे। अभी इस सर्विस को अमेरिका समेत कुछ देशों में रिलॉन्च किया गया है। इसके लिए हर महीने 8 डॉलर चुकाने होंगे। अगर इसे एपल के ऐप स्टोर पर खरीदते हैं तो यह 11 डॉलर प्रति माह पर उपलब्ध होगा। एपल स्टोर पर इसके महंगे होने का कारण एपल की ओर से लिया जाने वाला 30प्रतिशत टैक्स है। बीते दिनों एलन मस्क ने एपल के इस टैक्स के बारे में बताया था। भारत में जब ये सर्विस लॉन्च होगी तो इसके लिए 700 रुपए प्रति माह चुकाने पड़ सकते हैं।

ट्विटर ने कू का अकाउंट सस्पेंड किया - ट्विटर ने भारतीय माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म कू का एक अकाउंट सस्पेंड कर दिया है। ट्विटर हैंडल जिसे यूजर्स की क्वेरी के लिए स्थापित किया गया था, 16 दिसंबर को सस्पेंड कर दिया गया। कू के को-फाउंडर और चीफ एग्जीक्यूटिव अप्रमेय राधाकृष्ण ने कहा, हमें पता नहीं है कि हैंडल क्यों सस्पेंड किया गया है। कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। उन्होंने एक ट्वीट भी किया ट्विटर पर कू के एक हैंडल को बैन कर दिया गया है। किस लिए! क्योंकि हम ट्विटर से कॉम्पिटिशन करते हैं इसलिए मास्टोडन भी आज ब्लॉक कर दिया गया। ये कैसी फ्री स्पीच और हम किस दुनिया में जी रहे हैं यहां क्या हो रहा है ।

ट्विटर टॉप पर - दुनिया में ट्विटर के 22 करोड़ एक्टिव यूजर्स हैं। अमेरिका में 7.6 करोड़ और भारत में इसके 2.3 करोड़ यूजर्स है। दुनियाभर में हर रोज करीब 50 करोड़ ट्वीट किए जाते हैं। ट्विटर को जुलाई 2006 में लॉन्च किया गया था। जैक डॉर्सी, नोआ ग्लास, इवान विलियम्स और बिज स्टोन ने इसकी स्थापना की थी।

ट्विटर से महिलाओं को निकाल रहे मस्क - एलन मस्क के ट्विटर खरीदने के बाद से ही कंपनी में कई बदलाव किए जा रहे हैं। कंपनी में सबसे पहले बड़े पैमाने पर छंटनी की गई।

ईडी ने एनएससीएन -आईएम कोषाध्यक्ष व अन्य के खिलाफ आरोप पत्र किया दाखिल, जबरन वसूली का है मामला

नई दिल्ली । नागालैंड में एनएससीएन (इसाक मुइवा) गुट के खिलाफ ताजा कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्वयंभू कर्नल रायिलुंग नसरंगबे और उनकी पत्नी रूथ च्वांग सहित अन्य के खिलाफ अभियोजन शिकायत या चार्जशीट दायर की है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में की गई है। नेशनलिस्ट सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड - इसाक मुइवा गुट या की ओर से चलाए जा रहे एक सुसंगठित जबरन वसूली रैकेट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नारंगबे उर्फ पेला उर्फ पेला एनसा जेमे, उनकी पत्नी और अन्य को नामजद किया है। ईडी ने चार्जशीट में कहा है कि एनएससीएन -आईएम के सामूहिक नेतृत्व के कोषाध्यक्ष के रूप में नसरंगबे की ओर से भारी मात्रा में जबरन वसूली की गई है। उनकी ओर से अवैध कर सीधे एकत्र किया जा रहा था।

अमिताभ ने फिर की बेटे की तारीफ बताया कैसे पक्षपातपूर्ण आलोचना के बीच काम करते रहे अभिषेक

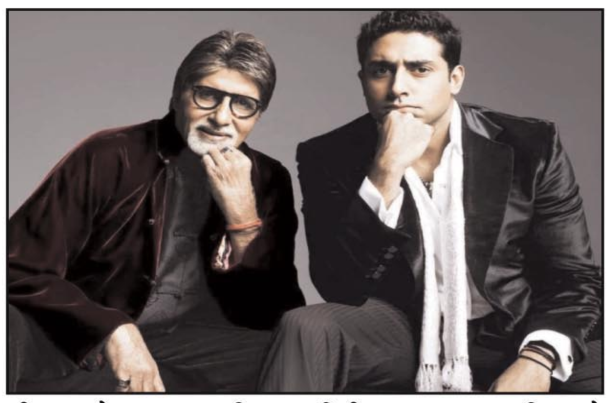

मुंबई (ईएमएस)। अमिताभ बच्चन का अपने बेटे अभिषेक बच्चन के लिए प्यार और सम्मान से सभी वाकिफ हैं। वे ट्विटर पर अभिषेक की तारीफ में कुछ-न-कुछ लिखते रहे हैं। आज रविवार को भी कुछ ऐसा ही हुआ। अमिताभ सुबह अभिषेक बच्चन की टीम जयपुर पिंक पैंथर्स के प्रो कबड्डी लीग जीतने के बाद ट्वीट में टीम की तारीफ तो की ही साथ ही यह भी बताया कि कैसे पक्षपातपूर्ण आलोचना के बीच भी अभिषेक चुपचाप काम कर रहे हैं। उन्होंने ट्वीट में लिखा चैंपियंस-चैंपियंस। जयपुर पिंक पैंथर्स चैंपियंस। अभिषेक आप एक चैंपियन हैं। आप पक्षपातपूर्ण आलोचना के बीच समर्पण और संकल्प के साथ चुपचाप काम करते रहे और फिर आप जीत जाते हैं! आप पर बहुत गर्व है। अभिषेक ने जवाब दिया हमने आपको याद किया पापा पूरी टीम की तरफ से धन्यवाद। अमिताभ ने कूकी गुलाटी के बधाई वाले पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा चुपचाप आपनी अपनी किस्मत पर काम किया आपने अपने संकल्पों को कभी टूटने नहीं दिया। आपने पक्षपातपूर्ण आलोचनाओं का खामियाजा भुगता और चुपचाप उन सभी को शांत कर दिया। आप एक चैंपियन हैं अभिषेक और हमेशा एक चैंपियन बने रहेंगे। जब दसवीं का ट्रेलर रिलीज हुआ था तब अमिताभ ने अभिषेक की ऐसी ही प्रशंसा की थी। अमिताभ ने ट्रेलर का लिंक पोस्ट करते हुए लिखा था मेरे बेटे बेटे होने से तुम मेरे उत्तराधिकारी नहीं होंगे जो मेरे उत्तराधिकारी होंगे वो मेरे बेटे होंगे।-हरिवंश राय बच्चन। बिग बी ने आगे लिखा था अभिषेक तुम मेरे उत्तराधिकारी होगे बस कह दिया तो कह दिया। अभिषेक ने तुरंत जवाब में लिखा लव यू पा।

हालीवुड की अवतार द वे आफ वाटर ने 3 दिन में कमाए 3600 करोड़ भारत में भी बनाया रिकॉर्ड

मुंबई (ईएमएस)। हॉलीवुड के निर्देशक जेम्स कैमरून की फिल्म अवतार द वे ऑफ वाटर इन दिनों सिनेमाघरों में जमकर धूम मचा रही है। तीन दिन में अवतार-2 ने विश्वभर में 3598 करोड़ रुपए कमा लिए है। भारत में इस अवधि में अवतार टू का अनुमानित कलेक्शन 131-133 करोड़ रुपए हो चुका है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार अवतारः द वे ऑफ वॉटर ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दो दिनों में भारत में लगभग 86.45 करोड़ रुपए की कमाई की है। अवतार का पहला संस्करण 13 साल पहले आया था। अवतार 2 की लागत 1900 करोड़ रुपए है। सैकनिल्क के शुरूआती अनुमान के मुताबिक तीसरे दिन फिल्म ने भारत में 46.50 करोड़ रुपए कमाए। अवतार 2 अब तक भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 131 से 133 करोड़ रुपए के बीच कारोबार कर चुकी है। इसके साथ ही फिल्म ने कमाई के मामले में डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस फिल्म को पीछे छोड़ दिया है। डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस ने 126.94 करोड़ रुपये की कमाई की थी। कोरोना के बाद अवतार दो भारत में ओपनिंग डे पर सर्वाधिक कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। फर्स्ट वीकेंड पर अवतार दो की कमाई इस साल रिलीज हुई किसी भी हिंदी फिल्म से ज्यादा है। इसके साथ ही रिलीज के पहले दिन भारत में सर्वाधिक कमाई करने हॉलीवुड फिल्मों की सूची में यह दूसरे स्थान पर आ गई है। ओपनिंग डे पर सर्वाधिक कमाई करने का रिकॉर्ड एवेंजसः एंडगेम के नाम है। अवतारः द वे ऑफ वॉटर भारत में 5 भाषाओं में रिलीज हुई है। फिल्म में सैम वर्थिंगटन सिगोरनी वीवर जो सलदाना और केट विंसलेट मुख्य भूमिकाओं में हैं। अवतार 2 ने भारत में ओपनिंग डे पर 41 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई की। दूसरे दिन इसने 44 करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनेस किया। पहले दो दिन में ही अवतार 2 ने 86 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली। फिल्म ने संडे को 50 करोड़ रुपये के करीब का बिजनेस किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह फिल्म 40000 स्क्रींस पर रिलीज की गई है। इतने बड़े स्तर पर रिलीज होने वाली यह डिज्नी के इतिहास में पहली फिल्म बनी है। यह पूरी दुनिया में एक साथ रिलीज हुई है।

सलमान किसी से नहीं डरता क्रिमिनल माइंड नहीं

– प्रकाश राज ने बताया कैसा बर्ताव करते हैं सल्लू

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही साउथ फिल्मों के स्टार प्रकाश राज ने सलमान खान के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया। प्रकाश राज ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनका शाहरुख खान के साथ काम करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा और दबंग एक्टर असल जिंदगी में किस तरह के इंसान हैं। प्रकाश राज हाल ही ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर वेब सीरीज मुखबिर में नजर आए। इसमें उनके साथ एक्टर आदिल हुसैन भी दिखे। प्रकाश राज ने कहा कि सलमान बेहद शरारती हैं। वह उन्हें एक एक्टर के रूप में नहीं बल्कि एक प्रैंक करने वाले इंसान के रूप में देखते हैं जो हमेशा सेट पर मस्ती करता है। प्रकाश राज ने कहा मैं सलमान को एक एक्टर के रूप में नहीं देखता। मैं उसे एक शरारती बच्चे के रूप में देखता हूं जो कभी बूढ़ा नहीं हो सकता। उसमें कोई फिल्टर नहीं हैं। वह जो बोलता है मुंह पर बोलता है। प्यार है तो प्यार और गुस्सा है तो गुस्सा। उसका क्रिमिनल माइंड नहीं है। मैंने सलमान के साथ दो फिल्में की हैं और मुझे उसकी कंपनी बहुत अच्छी लगी। वो किसी से डरता नहीं है। प्रकाश राज ने खुलासा किया कि सलमान खान हमेशा सेट पर लेट आते हैं और अपनी ही धुन में काम करते हैं। प्रकाश राज बोले सलमान को अपना मार्केट पता है।

अच्छा फैन बेस है यह भी मालूम है और उसमें वह संतुष्ट भी है। वह सेट पर आता है और बोलता है कि आराम से करो। आओ दोस्तों खाते हैं..तो इस तरह से बात करता है। प्रकाश राज ने कहा कि कुछ लोग हैं जिन्हें जज नहीं किया जा सकता और सलमान खान उन्हीं में से एक हैं। प्रकाश राज अब जल्द ही साउथ की दो फिल्मों में नजर आएंगे। कुछ समय पहले प्रकाश राज ने यह कहकर सनसनी मचा दी थी कि उनका काम अब उनकी राजनीतिक सोच और रिश्तों के कारण खराब हो रहा है।

प्रकाश राज ने यह भी कहा था कि बहुत से लोग उनके साथ काम नहीं करना चाहते। उन्हें किसी ने रोका नहीं है पर उन्हें डर है कि इससे वो खुश नहीं होंगे। बता दें कि प्रकाश राज ने सलमान के साथ प्रभुदेवा की फिल्म वॉन्टेड में काम किया था। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी और इसने सलमान के करियर की भी कायापलट कर दी थी।

30 दिसंबर को हिन्दी में रिलीज होगी कनेक्ट

लेडी सुपरस्टार नयनतारा की अपकमिंग फिल्म कन्केट के मेकर्स ने फिल्म के तमिल वर्जन की रिलीज के ठीक 1 हफ्ते बाद हिंदी में रिलीज करने का फैसला किया है। बता दें कनेक्ट एक हॉरर थ्रिलर है जो 30 दिसंबर को हिन्दी में रिलीज होगी। वहीं फिल्म का हिंदी ट्रेलर जारी हो चुका है। फिल्म के ट्रेलर में एक खुशहाल परिवार को दिखाया गया है जो दुनिया भर में फैली महामारी के कारण अलग अलग जगाहों पर फंस गए है। लेकिन यह सिर्फ महामारी नहीं है जिसने फैमिली तो परेशान किया है। कनेक्ट दर्शकों को अपनी सीटों के किनारे पर ले आएगी। राउडी पिक्चर्स के तहत विग्नेश शिवन द्वारा निर्मित कनेक्ट अश्विन सरवन द्वारा निर्देशित हैं। फिल्म में नयनतारा लीड रोल में हैं वहीं सत्यराज अनुपम खेर और विनय राय भी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म अश्विन सरवनन और काव्या रामकुमार द्वारा लिखी गई हैं और 30 दिसंबर 2022 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

अक्षय कुमार की आंखों में आंसू देख इमोशनल हुए सलमान खान लिखा प्रेरक संदेश

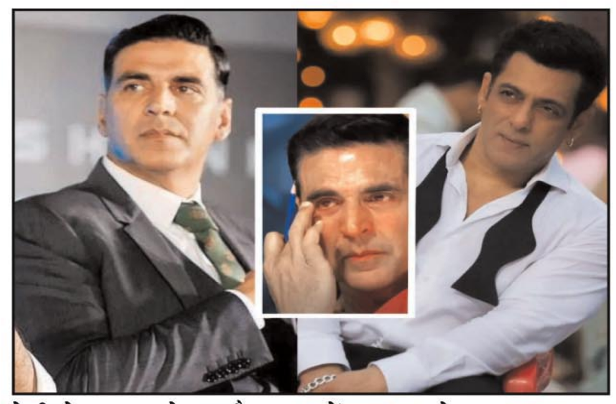

मुंबई (ईएमएस)। सलमान खान और अक्षय कुमार बॉलीवुड के सबसे पॉपुलर और कमाई करने वाले अभिनेता हैं। एक बॉलीवुड का दबंग तो दूसरा जबर्दस्त खिलाड़ी। दोनों ही इंडस्ट्री के सबसे महंगे अभिनेताओं में शुमार किए जाते हैं और दोनों की दोस्ती भी काफी गहरी है। दोनों एक साथ मुझसे शादी करोगे और जान-ए-मन में साथ काम कर चुके हैं। दोनों अक्सर पर्सनल और पब्लिक लाइफ में एक-दूसरे को चीयर-अप करते नजर आते हैं। सलमान खान ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अक्षय रोते हुए दिख रहे हैं। सलमान खान ने इस वीडियो को शेयर करते हुए अक्षय कुमार को मोटिवेट किया है और उनके नाम के बहुत प्यारा और मोटिवेशनल मैसेज भेजा है। यह एक थ्रोबैक वीडियो है जिस पर सलमान ने जमकर प्यार लुटाया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। यह वायरल वीडियो एक रियलिटी शो का है जिसमें अक्षय की बहन अल्का भाटिया ने उन्हें एक ऑडियो मैसेज भेजा जिससे सुनते हुए अक्षय की आंखों से आंसू निकल पड़ते हैं।

सलमान खान ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा मैंने अभी कुछ ऐसा देखा है जिसे देखकर मुझे लगा कि इसे हर किसी के साथ शेयर करना चाहिए। भगवान आपको आशीर्वाद दें अक्की सच में अद्भुत यह देखकर बहुत अच्छा लगा। फिट रहो काम करते रहो और भगवान हमेशा तुम्हारे साथ रहें भाई। वहीं अक्षय कुमार ने भी सलमान खान द्वारा शेयर किए गए वीडियो को अपनी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट किया। इसे पोस्ट करते हुए उन्होंने सलमान के मैसेज के रिप्लाई किया। उन्होंने लिखा सच में आपके मैसेज से बहुत अच्छा लगा सलमान खान। बहुत अच्छा लगा। भगवान आप पर भी कृपा बनाए रखे। चमकते रहो।

शाहरुख ने पठान के लिए वसूले 100 करोड़ दीपिका को 15 और जॉन अब्राहम को मिले 20 करोड़ रुपए

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म पठान अपने पहले गाने बेशर्म रंग के चलते विवाद में फंस गई है। इसके पीछे की वजह है फिल्म के गाने में दीपिका पादुकोण की बिकिनी। हालांकि इससे पहले भी फिल्म को लेकर कई बार विवाद की बात सामने आ चुकी हैं लेकिन अब इस फिल्म से जुड़ी एक नई बात सामने आई है। बीते दिनों खबरें आई थीं कि इस फिल्म से शाहरुख खान ने मोटी रकम वसूली है। इनके अलावा दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की फीस को लेकर भी कई खुलासे किए गए थे। अब सलमान की फीस को लेकर खुलासा किया गया है। शाहरुख की इस मोस्ट अवेटेड फिल्म में सुपरस्टार सलमान खान भी स्पेशल अपीयरेंस में हैं। इस फिल्म में उनका कैमियो है। लंबे समय से इस फिल्म में सलमान के कैमियो की जोरो शोरों से चर्चा हो रही है। लोग इस फिल्म में सलमान खान और शाहरुख को साथ देखने के लिए बेताब हैं। अब इस फिल्म से सलमान खान की फीस का भी खुलासा किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में कैमियो के लिए सलमान खान ने कोई पैसा नहीं लिया है। उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग यश राज स्टूडियो में शुरू कर दी है। शाहरुख के फैंस को पठान की रिलीज का बड़ी बेसब्री से इंतजार है। फिर फिल्म में शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण जॉन अब्राहम भी अहम भूमिका में हैं। तो फैंस की एक्साइटमेंट का लेवल और ज्यादा बढ़ गया है। बात अगर फिल्म की स्टारकास्ट की फीस की करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख ने इस फिल्म के लिए 100 करोड़ रुपये फी चार्ज की है वहीं दीपिका ने फिल्म के लिए 15 करोड़ लिए हैं और जॉन अब्राहम ने अपने रोल के लिए 20 करोड़ रुपए फीस ली है। बता दें कि इस फिल्म में शाहरुख का लुक काफी अलग होने वाला है। फिल्म में शाहरुख लंबे बाल और 6 पैक्स एब्स बॉडी के साथ पर्दे पर धमाल मचाने आ रहे हैं। लेकिन फिल्म के गाने और दीपिका की बिकनी से पैदा हुआ विवाद फिल्म के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

मलाइका ने अपनी असुरक्षाओं के बारे में बताया

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने अपनी असुरक्षा और इससे निपटने के तरीकों के बारे में बात की। अपने शो मूविंग इन विद मलाइका से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कदम रखने वाली मलाइका ने अपनी प्रिय मित्र नोरा फतेही के साथ बातचीत की। इस मौके पर मलाइका ने अपनी असुरक्षाओं के बारे में बताया और बताया कि कैसे वह आज भी इसे बेहद शालीनता से संभालती हैं। उन्होंने बताया मैं दिन के अंत में एक इंसान हूं। ऐसे दिन होते हैं जब मैं बैठती हूं और मैं बकवास व्यक्ति की तरह हूं वह काम मेरा हो सकता था। यह हर समय होता है और ऐसी चीजें हैं जो किसी को भी बना और बिगाड़ सकती हैं। कोई और है जो युवा है सुंदर है शायद अधिक प्रतिभाशाली भी है। बनिजय एशिया और मलाइका अरोड़ा द्वारा निर्मित श्रृंखला डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर चल रही है। आपको अपने जीवन के हर दिन इस तरह की असुरक्षाओं से निपटना होगा। शो के साथ मलाइका हॉटस्टार स्पेशल्स में अनफिल्टर्ड बातचीत के माध्यम से प्रशंसकों को अपने जीवन तक पहुंच प्रदान की है।

संतोषी फिल्म गांधी गोडसे-एक युद्ध से करेंगे वापसी

राजकुमार संतोषी 9 साल बाद बतौर निर्देशक वापसी को लेकर चर्चा में हैं। संतोषी फिल्म गांधी गोडसे-एक युद्ध से फिल्म उद्योग में दमदार वापसी की तैयारी कर रहे हैं। अब संतोषी और उनकी फिल्म इसलिए चर्चा में है क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर इसकी सीधी टक्कर शाहरुख खान की फिल्म पठान से हो रही है। पठान जहां 25 जनवरी को रिलीज हो रही है वहीं गांधी गोडसे एक युद्ध 26 जनवरी 2023 को रिलीज होगी। ज्ञातव्य है कि अपने समय में राजकुमार संतोषी ने घायल घातक द लीजेंड ऑफ भगत सिंह दामिनी और अजब प्रेम की गजब कहानी जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। राजकुमार संतोषी ने आखिरी बार 2013 में आई शाहिद कपूर स्टारर फिल्म फटा पोस्टर निकला हीरो निर्देशित की थी।

स्त्री 2 की शूटिंग शुरू करने की तैयारी

बालीवुड फिल्म स्त्री 2 की शूटिंग शुरू करने की तैयारी चल रही है। प्रोडक्शन हाउस के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि अभिनेता स्त्री के मूल कलाकारों के साथ मार्च में शूटिंग शुरू करेंगे जिसकी शूटिंग 4 शहरों में होगी। अभिनेता राजकुमार राव अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी मार्च 2023 में स्त्री 2 की शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सूत्र का कहना है भेड़िया में राजकुमार राव (विक्की) और अपारशक्ति खुराना (बिट्टू) का अंतिम क्रेडिट द्रश्य एक स्पष्ट इशारा है कि उनकी योजना में स्त्री 2 है। 2018 की फिल्म स्त्री की मूल स्टार कास्ट तैयार होगी। मार्च 2023 से शूट के लिए तैयार हैं। हम कुछ विचित्र और मजेदार संवादों की उम्मीद कर सकते हैं। वर्तमान में सभी कलाकार अन्य प्रतिबद्धताओं में व्यस्त हैं और फिल्म का प्री प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। स्त्री में अपनी भूमिका के लिए खुराना को सर्वश्रेष्ठ सहायक भूमिका श्रेणी में एक अभिनेता के लिए फिल्मफेयर नामांकन भी मिला।2018 की फिल्म स्त्री में अपारशक्ति ने बिट्टू का किरदार निभाया है जो राजकुमार के किरदार विक्की का दोस्त है। फिल्म लेखक-निर्देशक-निमार्ता जोड़ी राज निदिमोरु और कृष्णा डीके द्वारा लिखित एक हॉरर कॉमेडी है जिसे राज एंड डीके के नाम से जाना जाता है।

सूडोकु नवताल- 6554

★☆☆☆☆ सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6553 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 7618

■	1		2		■	3	■	■
■		■		■	4			5
6		7	■	8			■	
■	9		10	■		■	11	
12	■	13				14	■	
15		■		■	16		17	■
	■	18			■	19		
20				■	21	■		■
■	■		■	22				■

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -7617 का हल

त	फ	री	ह	■	क	ल	र	व
क	■	छ	ल	क	प	ट	■	र
रा	ख	■	■	म	■	■	बं	दा
र	त	■	प	ल	क	■	दा	न
■	र	स	ना	■	मा	ख	न	■
त	ना	■	ह	म	ल	■	वा	स
ल	क	■	■	ग	■	■	ज	ल
घ	■	म	न	र	ख	ना	■	वा
र	म	जा	न	■	त	क	दी	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत में वनडे नहीं खेलेंगे विलियमसन और साउदी : पाक दौरे के बाद दोनों न्यूजीलैंड लौटेंगे; टॉम लैथम करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली ।
न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने जनवरी 2023 में होने वाले भारत दौरे के लिए वनडे टीम घोषित कर दी है। इस टीम में लिमिटेड ओवर्स के कप्तान केन विलियमसन और टेस्ट कप्तान टिम साउदी को आराम दिया गया है। दोनों पाकिस्तान में टेस्ट और वनडे सीरीज के बाद अपने घर लौट जाएंगे। विकेटकीपर टॉम लैथम विलियमसन की गैरमौजूदगी में कप्तानी करेंगे। वनडे सीरीज 18 जनवरी से शुरू होगी। टी-20 सीरीज के लिए टीम अब तक जारी नहीं की गई है। विलियमसन, साउदी नहीं आएंगे भारत दौरे की टीम में न्यूजीलैंड ने लिमिटेड ओवर्स के कप्तान केन विलियमसन को आराम दिया है। न्यूजीलैंड को भारत से पहले पाकिस्तान में टेस्ट और वनडे सीरीज भी खेलनी हैं। विलियमसन दोनों ही सीरीज में टीम का हिस्सा हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में फिट रखने के उद्देश्य से दोनों को आराम दिया गया। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज 16 फरवरी से शुरू होगी। केन के अलावा टेस्ट कप्तान टिम साउदी, हेड कोच गैरी स्टेड और बॉलिंग कोच शेन जर्गेसन भी भारत नहीं आएंगे। सभी पाकिस्तान दौरे के बाद सीधा अपने घर लौट जाएंगे।

टॉम लैथम करेंगे कप्तानी - विलियमसन की गैरमौजूदगी में विकेटकीपर बैटर टॉम लैथम भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में कप्तानी करेंगे। विलियमसन की जगह मार्क चैपमेन और साउदी की जगह ऑलराउंडर जैकब डफी भारत दौरे पर न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा होंगे। वहीं, कोच स्टेड की जगह भारत दौरे पर ल्युक रोंची हेड कोच का काम देखेंगे।

हेनरी शिपले पहली बार नेशनल टीम में - ऑलराउंडर हेनरी शिपले को पहली बार न्यूजीलैंड के स्क्वॉड में जगह मिली है। लेग स्पिनर ईश सोढी और बैटर हेनरी निकोल्स को न्यूजीलैंड की वनडे टीम में शामिल किया गया है। इसी साल जून में इंजर्ड हुए तेज गेंदबाज काइल जेमीसन अभी तक फिट नहीं हो पाए। इस कारण उन्हें भी टीम में जगह नहीं मिली।

18 जनवरी से शुरू होगा भारत दौरा - न्यूजीलैंड टीम 18 जनवरी 2023 से भारत में 3 वनडे और 3 टी-20 की सीरीज खेलेगी। 18, 21 और 24 जनवरी को 3 वनडे खेले जाएंगे। वहीं, 27 और 29 जनवरी को 2 टी-20 और एक फरवरी को तीसरा मैच होगा। न्यूजीलैंड ने फिलहाल भारत से वनडे सीरीज की टीम ही जारी की है।

न्यूज ब्रीफ

करीम बेंजेमा का अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास, विवाद पर बोले- अपनी गलती पर गर्व है

नई दिल्ली । फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर करीम बेंजेमा ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास का एलान कर दिया है। वह चोट की वजह से फीफा विश्व कप 2022 में अपने देश के लिए कोई मैच नहीं खेल पाए। फीफा विश्व कप से पहले चोट की वजह से उन्हें कतर से वापस घर भेज दिया था। हालांकि, फाइनल मैच से पहले उन्होंने रियल मैड्रिड के लिए एक फ्रैंडली मैच भी खेला था। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल मैच में वह फ्रांस के लिए खेल सकते हैं। कथित तौर पर बेंजेमा और फ्रांस की टीम के मैनेजर डिडिएर डेसचैम्प्स के बीच अनबन हो गई थी। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलने का फैसला किया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने उन्हें फाइनल में खेलने के लिए बुलाया था और कतर आने के लिए अपना प्राइवेट जेट देने के लिए राजी थे, लेकिन बेंजेमा यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। बेंजेमा ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की जानकारी देते हुए लिखा मैं आज जहां हूं, वहां पहुंचने के लिए मैंने प्रयास और गलतियां कीं और मुझे इस पर गर्व है! मैंने अपनी कहानी लिखी है और अब हमारी कहानी खत्म हो रही है। फाइनल से पहले बेंजेमा ने साफ किया था कि उन्हें खिताबी मुकाबले में शामिल होने में कोई रुचि नहीं है। इसी वजह से उन्होंने हर प्रस्ताव को ठुकरा दिया। उन्होंने अपने साथियों के लिए एक शुभकामना संदेश दिया था। उन्होंने लिखा था यह सबके साथ आने का समय है। वामोनोस। कम ऑन लेस ब्लूस (फ्रांस)। फ्रांस के लिए बेंजेमा ने 15 साल के करियर में 97 मैच खेले और 37 गोल किए, लेकिन राष्ट्रीय टीम के साथ उनका सफर आसान नहीं रहा। साल 2007 में ऑस्ट्रिया के खिलाफ अपने पहले मैच में वह सब्सटीट्यूट के रूप में आए थे और दूसरे हाफ में गोल किया था। 2008 में वह यूरो कप के लिए फ्रांस की टीम में शामिल थे, लेकिन फ्रांस की टीम इस टूर्नामेंट से जल्द ही बाहर हो गई।

वेस्टइंडीज की स्टार खिलाड़ी हैली मैथ्यूज टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने के करीब

दुबई। वेस्टइंडीज की कप्तान हैली मैथ्यूज आलराउंडरों की आईसीसी महिला टी20 खिलाड़ी रैंकिंग में शीर्ष

स्थान पर पहुंचने के करीब पहुंच गई हैं। कैरिबियन में इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज में पांच विकेट लेने वाली मैथ्यूज ने गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान और आलराउंडर रैंकिंग में एक स्थान की छलांग लगाई और दोनों सूचियों में शीर्ष पांच में पहुंच गयीं। मैथ्यूज अब आलराउंडरों की आईसीसी महिला टी20 खिलाड़ी रैंकिंग में शीर्ष रैंकिंग वाली सोफी डिवाइन से चार रेटिंग अंक दूर हैं। आईसीसी ने मंगलवार को बयान में कहा कि वह सोफी एक्लेस्टोन, सारा ग्लेन और दीप्ति शर्मा के बाद गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर 4 पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की टी20 सलामी बल्लेबाज सोफिया डंकले की रैंकिंग में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुई, जो 19 स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष 10 में पहुंच गई। वेस्टइंडीज में अब तक चार टी20 मैचों में 147 रनों के साथ, डंकले सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी है और बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर 12 पर पहुंच गई हैं।

एलीट प्रो बास्केटबॉल लीगः 12 टीमों के लिए 204 खिलाड़ी रोस्टर की घोषणा की गई

नई दिल्ली। जब से भारत की पहली एलीट प्रो बास्केटबॉल लीग की घोषणा हुई है, तब से यह लीग तेजी से आगे बढ़ी है। लीग ने अब टूर्नामेंट के लिए प्री-सीजन की तारीखों और 12 टीमों के लिए टीम रोस्टर की घोषणा की है जिसमें 204 खिलाड़ी शामिल हैं। लीग में प्रत्येक टीम में न्यूनतम 2 विश्वविद्यालय खिलाड़ी भी शामिल होंगे, जिससे उन्हें पेशेवर बनने का मौका मिलेगा। प्री-सीजन फरवरी के महीने के लिए निर्धारित है जिसके बाद जल्द ही मुख्य सीजन होगा। प्री-सीजन खिलाड़ियों को एक दूसरे को जानने और एक टीम के रूप में एक साथ रहने में मदद करेगा। प्री-सीजन का सबसे आकर्षक हिस्सा सभी 204 खिलाड़ियों को उनके सीजन अनुबंधों के अतिरिक्त वेतन मिलेगा। यह भारत में पहली बास्केटबॉल लीग बन गई है जो सभी खिलाड़ियों को भारी वेतन दे रही है जिसकी कमी थी। एलीट प्रो बास्केटबॉल लीग के सीईओ सनी भंडारकर ने इस बारे में बात करते हुए कहा, हम एक प्री-सीजन चाहते थे ताकि खिलाड़ी एक-दूसरे के साथ खेल सकें। हालांकि ज्यादातर खिलाड़ी या तो एक साथ खेले हैं या एक-दूसरे के खिलाफ खेले हैं, हम सेट करना चाहते थे। पेशेवर टूर्नामेंट कैसे आयोजित करें, इस पर एक मिसाल। हम विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को भी पेशेवर बनने का अवसर देंगे, प्रत्येक टीम में 2 खिलाड़ी होंगे।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान में पहली बार क्लीन स्वीप किया

कराची टेस्ट में 8 विकेट से हराया, 60 साल पहले किया था पहला दौरा

कराची।
इंग्लैंड ने पाकिस्तानी सरजमीं पर टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। उसने 3 मुकाबलों की सीरीज में पाकिस्तान को 3-0 से हराया। बेन स्टोक्स की लीडरशिप में खेल रही इंग्लिश टीम ने तीसरा टेस्ट 8 विकेट से जीता है। टेस्ट इतिहास में पहली बार अंग्रेजों ने पाकिस्तान का उनके घर में सूपड़ा साफ किया है। इंग्लैंड ने चौथे दिन जीत के लिए जरूरी 55 रन को बिना विकेट गंवाए पहले सत्र में ही हासिल कर लिया। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक नाबाद रहने वाले बेन डकैट (50) और कप्तान बेन स्टोक्स (10) ने इंग्लैंड की पारी को 2 विकेट पर 112 रन से आगे ले जाते हुए दूसरी पारी में मिले 167 रन के टारगेट को हासिल कर लिया। दोनों के बीच 73 रन की साझेदारी हुई। इंग्लैंड ने 2 विकेट के नुकसान पर 170 रन बना लिए। कप्तान बेन स्टोक्स 35 और बेन डकैट 82 रनों पर नाबाद रहे। पाकिस्तान की ओर से अबरार अहमद ने आखिरी पारी में दो विकेट लिए। शेष गेंदबाज खाली हाथ रहे।

1961-62 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान में खेली थी पहली टेस्ट सीरीज

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 1954 में हुई। पहली बार पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड में 4 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने गई। यह सीरीज 1-1 से ड्रॉ रहा। उसके बाद इंग्लैंड की टीम ने 1961-62 में पहली बार पाकिस्तान दौरा किया था। तब इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज1-0 से जीती थी।

हैरी ब्रूक प्लेयर ऑफ द सीरीज और मैन ऑफ द मैच रहे

हैरी ब्रूक प्लेयर ऑफ द सीरीज और मैन ऑफ द मैच रहे। उन्होंने कराची में खेले गए आखिरी मैच में पहली पारी में 111 रन की पारी खेली। तीन मैचों की सीरीज के 5 पारियों में लगभग 94 की औसत से 468 रन बनाए। वहीं उन्होंने रावलपिंडी में खेले गए पहले टेस्ट में पहली पारी में 153 और दूसरी पारी में 87 रन बनाए। वहीं मुल्तान में खेले गए दूसरे टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 9 और दूसरी पारी में 108 रन बनाए।

बाबर आजम की कप्तानी जानें का खतरा

बाबर की कप्तानी में पहली बार पाकिस्तान को उसके घर में लगातार 4 टेस्ट हारने के अलावा क्लीन स्वीप से हार मिली हैं। इंग्लैंड ने जहां 3 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने खेले टेस्ट सीरीज की आखिरी टेस्ट में पाकिस्तान को हराया था। पाकिस्तान की टीम घर में 1955 से टेस्ट क्रिकेट खेल रही है। इस दौरान बाबर आजम सहित 26 खिलाड़ी बतौर कप्तान उतर चुके हैं। लेकिन किसी भी कप्तान के खिलाफ 2 या उससे अधिक मैच की टेस्ट सीरीज में व्हाइट वॉश नहीं हुआ था। इस तरह बाबर ने पिछले 25 कप्तानों के व्हाइट वॉश नहीं होने के रिकॉर्ड को बरकरार नहीं रख सके और 67 साल का खराब रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज करवा लिया है।

आजम की कप्तानी में पाकिस्तान को लगातार बड़े टूर्नामेंट और सीरीज में मिल रही हार की वजह से उनके कप्तानी को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। उनकी कप्तानी जाने का खतरा मंडरा है। घर में पहली बार सीरीज में क्लीन स्वीप हार के अलावा उनकी टीम को टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। वहीं एशिया कप में भी पाकिस्तान को फाइनल में श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा था।

बाबर-शकील के अर्धशतक

इसके पहले दूसरी पारी में पाक ने 21/0 से खेलना शुरू किया। बाबर आजम (54) और सऊद शकील (53) ने अर्धशतक जमाए। दोनों के बीच 110 रन की पार्टनरशिप हुई। 54 रनों की पारी के साथ बाबर के साल एक हजार टेस्ट रन पूरे हो गए। बाबर ने पहली पारी में 123 गेंदों पर 78 रन बनाए।

दूसरी पारी में इंग्लैंड की ओर से रेहान अहमद को पांच, जैक लीच को तीन विकेट मिले। मार्क वुड और जो रुट को एक-एक सफलताएं मिलीं।

डेब्यू मैच में 5 विकेट लेने वाले सबसे युवा गेंदबाज रेहान अहमद

इंग्लैंड की ओर से डेब्यू कर रहे स्पिनर रेहान अहमद टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 5 विकेट लेने वाले सबसे युवा डेब्यूटांट बन गए है। उन्होंने पाकिस्तान की दूसरी पारी में 5 प्लेयर्स को आउट किया।

ब्रूक ने तोड़ा डेविड गॉवर का रिकॉर्ड

दो दिन पहले हैरी ब्रूक ने शतक जड़कर अपने ही देश के बल्लेबाज डेविड गॉवर का रिकॉर्ड तोड़ा। वे पाकिस्तान में टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले इंग्लिश बल्लेबाज बन गए है। डेविड गॉवर ने 1983-84 पाकिस्तान के खिलाफ उनकी धरती पर 449 रन बनाए थे।

धर्मसंकट में ईशान, धोनी से ऊपर साइन कैसे करें

फैन ने मोबाइल पर ऑटोग्राफ मांगा, उस पर पहले से था माही का साइन

रांची।
बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे में दोहरा शतक जड़कर सुर्खियां बटोरने वाले भारतीय क्रिकेटर ईशान किशन रणजी ट्रॉफी के दौरान धर्मसंकट में फंस गए। दरअसल, एक फैन ने उनसे अपने मोबाइल कवर पर ऑटोग्राफ मांगा। उस कवर पर पहले से ही महेंद्र सिंह धोनी का ऑटोग्राफ था। ईशान के सिग्नेचर के लिए नीचे जगह नहीं थी। हां, थोड़ी जगह धोनी के ऑटोग्राफ के ऊपर जरूर थी। ऐसे में किशन सोच में पड़ गए कि धोनी के ऑटोग्राफ के ऊपर कैसे साइन कर दें... उन्होंने ऑटोग्राफ देने से मना कर दिया। हालांकि उस फैन की मिन्नतों के बाद किशन ने ऑटोग्राफ तो दिया, लेकिन धोनी के ऑटोग्राफ के नीचे।

केरल-झारखंड मैच का मामला - मामला रांची में झारखंड-केरल के बीच खेले गए रणजी ट्रॉफी मैच का है। इस मुकाबले में झारखंड की पहली पारी में ईशान किशन (132) ने शतक जमाया। इस पारी के बाद एक फैन उनके पास पहुंचा और अपने मोबाइल कवर पर ऑटोग्राफ देने का आग्रह किया। ईशान ने जैसे ही ऑटोग्राफ देने के लिए मोबाइल पलटा तो देखा कि कवर पर पहले से ही एमएस धोनी का ऑटोग्राफ था और उनके साइन के लिए जगह नहीं थी। ईशान ने कहा कि किसी और चीज में ऑटोग्राफ दे देता हूं। इस पर फैन ने धोनी के ऑटोग्राफ के ऊपर ही साइन करने को कहा। ईशान किशन ने कहा- %अभी मैं इतना बड़ा नहीं हुआ हूं कि माही भाई के सिग्नेचर के साथ अपना ऑटोग्राफ दूं।

सोशल मीडिया पर पोस्ट हुआ वीडियो - इसका वीडियो सोशल मीडिया में अपलोड हो गया है और सोशल मीडिया फैन उसे पसंद भी कर रहे हैं। वीडियो में ईशान कहते हुए सुने जा रहे हैं- माही भाई का सिग्नेचर है और उसके ऊपर मुझे कह रहे हैं करने को, मुझसे यह हो नहीं रहा है। माही भाई के सिग्नेचर के साथ में मैं क्या करूंगा। माही भाई के सिग्नेचर के ऊपर मैं कहां से घुस जाऊं, अभी हम लोग उनके बराबरी तक पहुंचे नहीं हैं। मैं नीचे कर देता हूं, ठीक है। इस वीडियो से अंदाजा लगाया जा सकता है कि टीम इंडिया के क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी की कितनी इज्जत करते हैं।ईशान किशन ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में वनडे में दोहरा शतक जमाया था।

अर्जेंटीना टीम जीत का जश्न ब्यूनस आयर्स में मनाएगीः मेसी की पत्नी एंटोनेला बोली- हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए, यह सिखाने के लिए धन्यवाद

अर्जेंटीना।
नियोनल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना टीम 36 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड जीत कर लौट चुकी है। टीम सेना की सुरक्षा के घेरे में अर्जेंटीना पहुंची। उसकी जीत का जश्न मंगलवार को राजधानी ब्यूनस आयर्स में ओबिलिस्को डी ब्यूनस आयर्स स्मारक स्थल पर मनाने की तैयारी की जा रही है। वहीं मेसी के पहले वर्ल्ड कप जीतने पर उनकी पत्नी एंटोनेला के भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एंटोनेला ने उन्हें अंत तक लड़ने वाला योद्धा बताया है।

पहले जानते हैं क्या चल रही है तैयारी - अर्जेंटीना फुटबॉल फेडरेशन ने घोषणा की कि वर्ल्ड कप जीतने वाली नेशनल टीम जीत का जश्न मंगलवार को खेल के लिए जाने वाले देश की राजधानी में स्थित ओबिलिस्को डी ब्यूनस आयर्स स्मारक स्थल पर मनाएगी। टीम मंगलवार को दोपहर में प्रंशसकों के साथ वहां के लिए रवाना होगी।

अर्जेंटीना ने मंगलवार को बैंकों के अवकाश की घोषणा - जीत के जश्न में सभी लोग शामिल हो सकें, इसलिए अर्जेंटीना सरकार ने मंगलवार को बैंक अवकाश की घोषणा की है।

राज्य एयरलाइन से पहुंची अर्जेंटीना पहुंची - स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में फ्रांस को हराने वाली लियोनल मेसी की कप्तानी वाली टीम मंगलवार को राज्य एयरलाइन की उड़ान से अर्जेंटीना पहुंची और रात हवाई अड्डे के पास बिताई। उसके बाद इजीजा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। टीम सोमवार को कतर से रवाना हुई थी। बीच में रोम में रुकी थी।

मेसी की पत्नी ने क्या लिखा पोस्ट में - मेसी की पत्नी एंटोनेला ने इंस्टग्राम पर फोटो शेयर की और भावुक पोस्ट लिखा। एंटोनेला मेसी की बचपन की दोस्त रही हैं। दोनों ने साल 2017 में शादी कर ली। एंटोनेला ने अपने पोस्ट में लिखा, वर्ल्ड चैंपियरनन मुझे नहीं पता कि मैं यह कैसे शुरू करूं, लेकिन में आपके लिए गर्व महसूस करती हूं। आपसे मैंने सीखा कि हार नहीं माननी चाहिए और अंत तक संघर्ष करना चाहिए। इसके लिए आपका धन्यवाद।

रोहित के बाद सैनी भी दूसरे टेस्ट से बाहर : बांग्लादेश के खिलाफ मैच 22 से, टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन लगभग तय

नई दिल्ली ।
भारत के टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा इंजरी से पूरी तरह उभर नहीं पाए। वे बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मिस करने के बाद दूसरे मैच से भी बाहर हो गए हैं। मुंबई में अंगूठे की चोट का इलाज कराने के बाद वे बांग्लादेश आकर टीम से जुड़ने वाले थे। तेज गेंदबाज नवदीप सैनी भी दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए। उन्हें मांसपेशियों में खिचांव है।

बीसीसीआई ने कन्फर्म किया - भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कन्फर्म किया कि रोहित शर्मा और नवदीप सैनी दूसरा टेस्ट नहीं खेलेंगे। इसके साथ ही बीसीसीआई ने दूसरे मैच के लिए अपडेटेड स्क्वॉड भी जारी कर दिया है। सैनी और रोहित की जगह बाकी प्लेयर्स टीम में बरकरार है।

एनसीए पहुंचेंगे नवदीप सैनी - तेज गेंदबाज नवदीप सैनी मांसपेंशियों में खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट के लिए फिट नहीं हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें टेस्ट मैच नहीं खेलने की सलाह दी। मेडिकट टीम की सलाह पर मैनेजमेंट उन्हें बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी भेजेगा। एनसीए में उनकी फिटनेस पर काम किया जाएगा।

क्या होगी दूसरे टेस्ट की प्लेइंग-11 - रोहित शर्मा अगर फिट होते तो कप्तान होने के कारण दूसरा टेस्ट जरूर खेलते। उनकी जगह पहला टेस्ट खेलने वाले किसी प्लेयर को जगह खाली करनी पड़ती। लेकिन, बीसीसीआई ने कन्फर्म कर दिया है कि रोहित दूसरा टेस्ट नहीं खेलेंगे। ऐसे में टीम इंडिया पहले टेस्ट की प्लेइंग-11 के साथ ही दूसरे टेस्ट में भी उतर सकती है। लोकेश राहुल टीम की कप्तानी करेंगे। शुभमन गिल उनके साथ ओपनिंग करेंगे। चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर मिडिल ऑर्डर में होंगे। ऋषभ पंत विकेटकीपिंग करेंगे। रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव टीम के 3 स्पिनर होंगे। उमेश यादव और मोहम्मद सिराज ही टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज होंगे।

वनडे सीरीज में चोटिल हो गए थे रोहित - भारत के कप्तान रोहित शर्मा वनडे सीरीज के दूसरे मैच के दौरान चोटिल हो गए। फील्डिंग करने के दौरान उनके अंगूठे में चोट लग थी। उन्होंने मैच में बैटिंग जरूर की थी और फिफ्टी भी लगाई थी।

फीफा की टीम में रोनाल्डो-नेमार नहीं, मेसी-एम्बाप्पे

वर्ल्ड कप जीतने वाली अर्जेंटीना के 2, हारने वाली फ्रांस के 4 खिलाड़ी

नई दिल्ली ।
फुटबॉल के आंकड़ों को एनालाइज के आधार पर फीफा की टीम ऑफ द टूर्नामेंट जारी की। इसमें पुर्तगाल के रोनाल्डो और ब्राजील के नेमार को जगह नहीं मिली। जबकि मेसी और एम्बाप्पे टीम में हैं। ओप्टा ने एनालिसिस के आधार पर 11 प्लेयर्स को चुना है। इसमें हर पोजिशन के हिसाब से टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी लिए गए है। डोमिनिक लिवाकोविच (गोलकीपर) क्रोएशिया के लिवाकोविच को बेस्ट गोलकीपर के तौर पर चुना गया। पूरे वर्ल्ड कप में उन्होंने हर मैच में एवरेज 3.5 सेव किए है, जो की सबसे ज्यादा हैं। इसके अलावा, उन्होंने वर्ल्ड कप के एक ही एडिशन में चार पेनल्टी शूटआउट रोकने के रिकॉर्ड की भी बराबरी की।

अशरफ हकीमी (डिफेंडर) - मोरक्को के अशरफ हकीमी को राइट बैक डिफेंडर की पोजिशन के लिए चुना गया है। इस टूर्नामेंट में हकीमी ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 26 टैकल किए। यानी बॉल को विपक्षी टीम के खिलाफ छीनने की कोशिश की।

मार्किन्होस (डिफेंडर) - ब्राजील के सेंट्रल डिफेंडर मार्किन्होस ने इस वर्ल्ड कप में अपने 364 में से 349 पास पूरे किए, जिसमें 96प्रतिशत की पासिंग एक्यूरेसी थी। जो वर्ल्ड कप में सबसे अच्छी थी। मार्किन्होस जब पिच पर थे उस दौरान औसतन 90 मिनट के अंदर विपक्षी टीम 6.8 शॉट ही लगा सकी।

जोस्को ग्वार्डिओल (डिफेंडर) - क्रोएशिया के स्टार डिफेंडर ग्वर्डिओल ने इस वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा (37) बॉल क्लियरेंस की। यानी अपने बॉक्स से बॉल को बचाया और निकाला है। इसके साथ ही उन्होंने सबसे ज्यादा 202 बार बॉल को चलाया और आगे लेकर गए। ग्वार्डिओल ने इस वर्ल्ड कप में

सबसे ज्यादा 48 बार बॉल पजेशन अपने पास रखा। जो कि किसी भी डिफेंडर से ज्यादा है।

थियो हर्नांडेज (डिफेंडर) - फ्रांस के लेफ्ट बैक डिफेंडर थियो हर्नांडेज ने इस वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इस वर्ल्ड कप में बॉल को आगे लाते हुए डिफेंडर्स में सबसे ज्यादा (11) गोल के चांस बनाए। साथ ही उन्होंने 2 असिस्ट भी किए।

ब्रूनो फर्नांडेज (मिडफील्डर) - इस वर्ल्ड कप (5) में फर्नांडेज की तुलना में केवल लियोनल मेसी और कीलियन एम्बाप्पे की ही गोल में सबसे ज्यादा भागीदारी रही है। साथ ही फर्नांडेज ने 3 असिस्ट अपने नाम किए।

ऑरेलियन टचौमेनी (मिडफील्डर) - टचौमेनी ने इस वर्ल्ड कप में (14) में किसी भी अन्य खिलाड़ी की तुलना में ज्यादा इंटरसेप्शन बनाए। यानी बॉल छीनी। साथ इस इस टूर्नामेंट में उन्होंने 468 में से 425 पास यानी 91प्रतिशत पास पूरे किए।

एंटोनी ग्रीजमैन (मिडफील्डर) - फ्रांस के खिलाड़ी और प्लेमेकर इस वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा (22) गोल के मौके बनाए। उन्हें सेमीफाइनल में मोरक्को ऑफ द मैच भी मिला।

लियोनल मेसी (फॉरवर्ड) - वर्ल्ड कप 2022 में मेसी ने सबसे ज्यादा 32 शॉट गोल की तरफ मारे। मेसी ने 17 ओपन प्ले चांस बनाए। ओपन प्ले तब होता है जब टीम दौड़ रही होती हैं और गोल करने की कोशिश करती हैं। मेसी के नाम इस वर्ल्ड कप में 7 गोल और 3 असिस्ट हैं।

जूलियन अल्वारेज (फॉरवर्ड) - 22 साल के जूलियन अल्वारेज ने इस वर्ल्ड कप में 4 गोल किए। अल्वारेज ने क्रोएशिया के खिलाफ ब्रेस यानी दो गोल दागे। 22 साल 316 दिन की उम्र में, अल्वारेज वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में सबसे कम उम्र के ब्रेस स्कोरर बने।

दांबुला ऑरा ने एलपीएल में दूसरी जीत दर्ज की, गॉल ग्लैडिएटर्स को 4 विकेट से हराया

कोलंबो। मैथ्यू फोर्ड के शानदार प्रदर्शन से दांबुला ऑरा ने लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2022 में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने कुसल मेंडिस की टीम के 20 ओवरों में 129/8 रन बनाने के बाद गॉल ग्लैडिएटर्स को 4 विकेट से हरा दिया। दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए दांबुला ऑरा ने 5.4 ओवर बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। दांबुला ऑरा की शुरूआत खराब रही और उन्होंने शेवोन डेनियल (2) और लसिथ क्रोसपुले (4) को सिर्फ 11 रन पर गंवा दिया। सलामी बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स (34) और मैथ्यू फोर्ड (52) ने 79 रनों की बड़ी साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। फोर्ड ने छह चौके और दो छक्के लगाए, जबकि कॉक्स ने तीन चौके और दो छक्के लगाए।

डैकोरेशन टिप्स

पार्टी के लिए करें इनोवेटिव डैकोरेशन

आप भी अपनी शादी की पार्टी की डैकोरेशन को यादगार बनाना चाहते हैं, लेकिन आप का बजट इतना नहीं है और न ही आप के यहां पर्याप्त जगह है तो निराश न हों. कुछ इनोवेटिव आइडियाज और ऐक्सपर्ट्स की मदद से आप पार्टी डैकोरेशन को शानदार बना सकती हैं.

एक ही शहर में एक ही कंपनी में काम करने वाले अनिकेत और अंकिता एकदूसरे को इस कदर भाए कि दोनों ने वैवाहिक बंधन में बंधने का फैसला कर लिया. चूंकि दोनों की नौकरी भी नईनई थी और वे अपने पेरैंट्स पर भी आर्थिक बोझ नहीं डालना चाहते थे, इसलिए दोनों ने शादी के आयोजन पर बहुत अधिक खर्च करने के बजाय पहले कोर्ट मैरिज की और बाद में घर पर ही एक पार्टी के आयोजन का निर्णय लिया.

इस पार्टी में वे अपने पेरैंट्स, नजदीकी रिश्तेदारों व खास दोस्तों को शामिल करना चाहते थे लेकिन अनिकेत और अंकिता के सामने सब से बड़ी समस्या यह थी कि छोटी जगह में घर पर ही कम बजट में पार्टी की डैकोरेशन बेहतर ढंग से कैसे करें.

वैडिंग प्लानर नीता सोनी का. नीता सोनी ने बताया कि घर में पार्टी की डैकोरेशन से पहले कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए.

- पार्टी छत पर करना चाहते हैं या घर के अंदर
- पार्टी में आने वाले मेहमानों की संख्या कितनी है
- पार्टी दिन में करना चाहते हैं या रात में
- पार्टी डैकोरेशन का बजट कितना है
- बजट तय करने के बाद यह निर्धारित कर लें कि किन चीजों पर कम और किन पर अधिक खर्च करना है. मसलन, फूलों पर अधिक और लाइट्स पर कम, अपहोलस्ट्री पर अधिक और डैकोरेटिव आइटम्स पर कम खर्च करेंगे.
- पार्टी की तैयारी के लिए आप दोस्तों व रिश्तेदारों की मदद लेंगे या प्रोफैशनल मदद लेंगे. यह आप के बजट पर निर्भर करेगा. अगर बजट कम है तो दोस्तों, रिश्तेदारों की मदद लें और बजट थोड़ा अधिक है तो आसपास के लोकल डैकोरेटर की भी मदद ले सकते हैं.

डैकोरेशन के शानदार आइडियाज

- कलरफुल दुपट्टों, नैट व सिल्क की साड़ियों से घर की दीवारों और खिड़कियों को इंद्रधनुषी लुक दें.
- परंपरागत तरीके से घर की डैकोरेशन करना चाहते हैं तो गेंदे, गुलाब व रजनीगंधा के फूलों से घर को सजाएं. अगर आधुनिक तरीके से सजावट करना चाहते हैं तो एक्जोटिक और्किड, लिली व कारनेशन के फूलों का चयन करें.
- फ्रैश फ्लावर न मिलें तो ड्राइफ्लावर और ट्विस्टेड स्टिक्स को भी लें. कांच या मिट्टी के वास में सजा कर डैकोरेशन को डिफरैंट लुक दें.
- फूलों के बुके को रिबन व नैट फैब्रिक से बांध कर साइड टेबल और डाइनिंग टेबल पर रख कर भी आप घर की शोभा बढ़ा सकते हैं.
- फूलों की लड़ियां बना कर प्रवेश द्वार पर बंदनवार की तरह लगा सकते हैं.
- कमरे में अगर जगह कम हो और आप कुरसियों के खर्च को बचाना चाहते हैं, तो कमरे में लोअर सीटिंग अरेंजमैंट करें. लोअर सीटिंग को और आकर्षक बनाने के लिए टाई ऐंड डाई, बीड्स, जरदोजी वर्क, सिल्क, वैल्वेट या टिश्यू वाले कुशन व मसनद का प्रयोग करें.
- पार्टी के स्थान पर इनडोर बोनसाई प्लांट्स रखें. यह आप की डैकोरेशन को इकोफ्रैंडली लुक देगा.
- पार्टी सजावट में सैंटेड कैंडल्स व फ्लोटिंग कैंडल्स को भी स्थान दें. यह पार्टी के माहौल को कूल व फ्रैश इफैक्ट देगा.
- मिट्टी के बड़े से वास पर ब्रौंज, सिल्वर, गोल्डन व कौपर कलर कर के आर्टिफिशियल फ्लावर स्टिक्स लगाएं. यह आप की डैकोरेशन को कलात्मक रूप देगा.

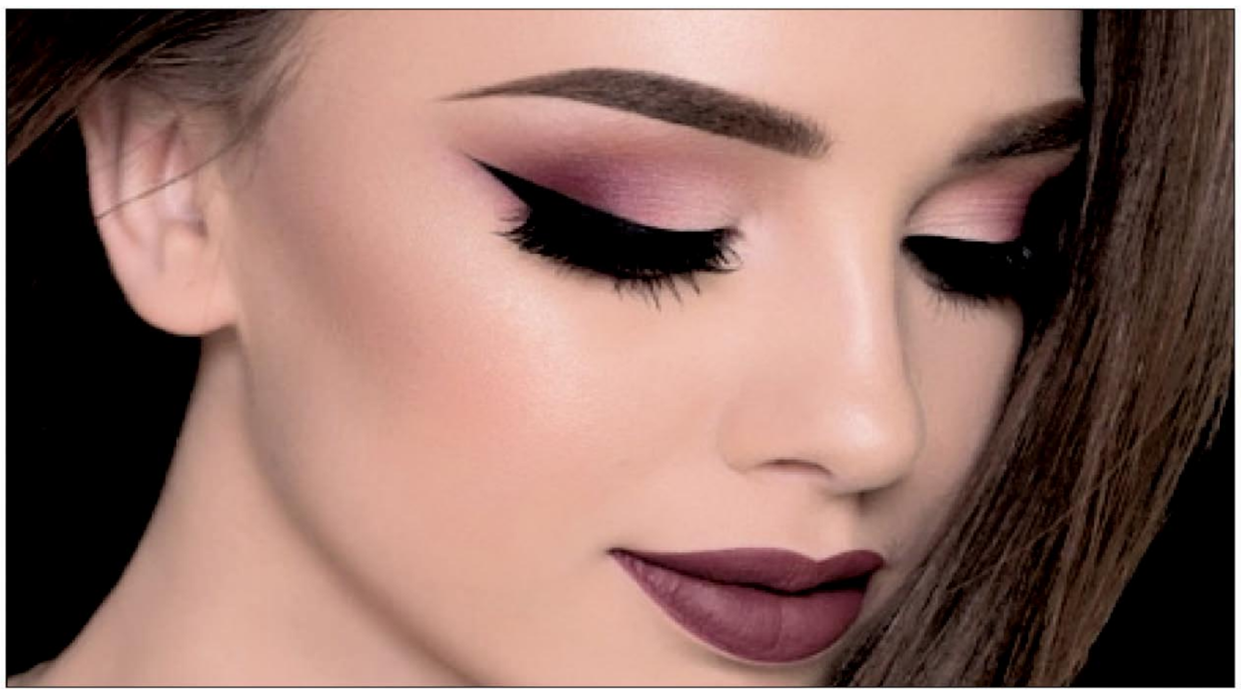

सर्दियों में इस तरह करें मेकअप

मौसम के साथ साथ त्वचा की आवश्यकताएं भी बदल जाती है. सर्दियों के मौसम में हमारें त्वचा को खास देखभाल की जरूरत होती है, क्योंकि इस मौसम में हमारी त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है. खुश्की त्वचा पर मेकअप कर पाना थोड़ा मुश्किल होता है. सर्दियों के कुछ महीने अपने मेकअप के साथ कुछ नया करने के महीने होते हैं. जो मेकअप गर्मियों में आपके चेहरे पर अच्छे नहीं लगते, हो सकता है वही ठण्ड में आपको एक नया लुक दें. यहां कुछ आसान से नुस्खे दिए जा रहे हैं जो कंपकंपाती ठंड में भी आपको खूबसूरत और रूप की मालिका बनाये रखेंगी.

चेहरें का मेकअप

सर्दियों में साबुन से चेहरा न धोएं. इससे चेहरे पर रूखापन बड़ जाएगा. दिन में दो बार क्लीजिंग मिल्क से त्वचा की सफाई करे, इसके बाद किसी अच्छे माइस्चराइजिंग साबुन या फेस वाश से चेहरे को धोएं, चेहरे का मेकअप करते समय ये ध्यान रखें कि बाहर चाहे कितनी भी ठण्ड हो, सिर्फ उसी फाउंडेशन या माइस्चराइसर का प्रयोग करें जिसमें spf की अधिक मात्रा हो.

आंखो का मेकअप

अगर आप अपने चेहरे के किसी भाग को अलग से आकर्षक लुक देने की सोच रही हैं तो आंखों की और ध्यान दें.

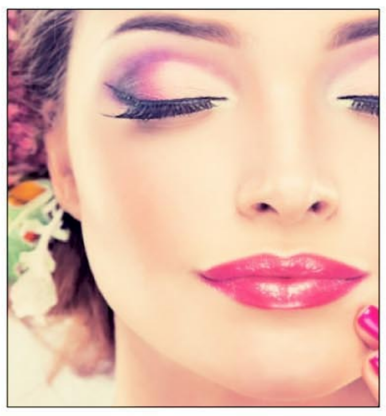

मस्कारा

सर्दियों के मौसम में नीले और जामुनी जैसे अलग रंग आपकी आंखो पर काफी खिलेंगे. इस तरह के डार्क रंगो का इस्तेमाल कर अपनी आंखों को मस्करा लगाएं. इस तरह का प्रयोग करके आप अपनी आखों को और भी खूबसूरत रूप दें सकेंगी.

आई लाइनर

मेकअप गुरु हमेशा ठण्ड में आंखों के सजावट पर ध्यान देने की सलाह देते हैं. पलकों के ऊपर चारकोल लाइनर या चाकलेट ब्राउन आई पेंसिल का प्रयोग करने से आपकी आँखें भीड़ से अलग दिखेंगी. ठण्ड के मौसम में काले रंग को छोड़कर चाकलेट ब्राउन, जंगल ग्रीन या नेवी ब्लू को अपना आई लाइनर चुनें. इस लुक को और आकर्षक बनाने के लिए बिलकुल हल्के रंग के लिपस्टिक का प्रयोग करें.

आई शैडो

ठण्ड के मौसम में आमतौर पर चमकीले कलर का आई शैडो प्रयोग करना अच्छा रहता है ये आपकी खुबसुरती को और बढ़ाता है. भूरे रंग का आई शैडो एक अलग तरह के आकर्षक लुक को बनाए रखने में मदद करता है. इसके आलावा हल्के काले आई लाइनर के साथ अगर सुनहरे और सफेद रंग के मिश्रण वाला आई लाइनर प्रयोग किया जाए तो यह आपकी आंखो पर और भी ज्यादा शानदार दिखाई पड़ेगा.

खूबसूरत होठों के टिप्स

सर्दियों में जिस रंग के साथ आप सबसे ज्यादा प्रयोग कर सकते हैं वो है लाल. आपकी स्किन टोन जो भी हो,लाल हर तरह के चेहरे पर अच्छा लगता है. होंठों पर लिपस्टिक लगाने के पहले कोई क्रीम या लिपलास लगा लें जिससे होंठों की नमी बरकरार रहे. अब आप 5 मिनट बाद अपने पसंद की लिपस्टिक लगाये और इसके बाद सही प्रकार के लिप लाइनर का इस्तेमाल करें.

पक्षियों के साथ लें छुट्टियों का मजा

प्रकृति प्रेमी ज्यादातर अपना समय प्रकृति के बीच में बिताना पसंद करते हैं और यही वजह है कि ऐसे लोगों की वजह से दुनिया की कुछ जगह पर्यटन स्थल बन गई हैं. आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पक्षियों को तथा अनेकों प्रकार के जीवों को आप देख सकती हैं और वहां जाकर रोमांच का भी भरपूर मजा ले सकती हैं.

भरतपुर पक्षी अभयारण्य: पक्षी प्रेमियों के लिए राजस्थान भरतपुर में बना केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान भी एक बेहतर स्थान साबित हो सकता है. सर्दियों के मौसम में अक्टूबर से फरवरी तक घूमने का एक अलग ही मजा है, क्योंकि इन महीनों में यहां दुर्लभ और लुप्तप्राय पक्षी बड़ी संख्या में आते हैं. पक्षी प्रेमी यहां क्रेन, पेलिकन, गुई, बतख, ईगल्स, वाग्टेल्स और वौर्बलर्स जैसे पक्षियों को आसानी से देख सकते हैं. इस सीजन में स्थानीय पक्षियों के अलावा बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी भी होते हैं, जिनमें ज्यादातर पक्षी मध्य एशिया के होते हैं.

सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्य: हरियाणा में स्थित सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्य पक्षी प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है. यहां पर पक्षी देखने के लिए सर्दी का समय काफी अच्छा माना जाता है. इसलिए पक्षी प्रेमी यहां पर अक्टूबर से लेकर फरवरी के महीने में घूम सकते हैं. यहां उत्तरी पिंटेल, ग्रेटर फ्लेमिंगो, एशियाई कोयल, पीला वाग्टेल, रोज़ी पेलिकन, यूरेशियन विजेन, कौमन टील और साइबेरियन क्रेन जैसी पक्षी बहुत प्यारे लगते हैं. सर्दियों में बड़ी संख्या में वदिशी पयर्टक भी घूमने आते हैं और कैमरों में पक्षियों को कैद करते हैं.

चिल्का झील पक्षी अभयारण्य: ओडिशा का चिल्का झील भी पक्षी प्रेमियों के लिए एक शानदार स्थान है. सर्दियों में घूमने का एक अलग ही मजा है. पिअर-आकार में बनी चिल्का झील घूमने का अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक का है. यहां पर समुद्री ईगल्स, ग्रेलेग गुइज और बैंगनी मूरिन जैसी अनोखी प्रजातियों के पक्षियों का जमावड़ा रहता है. इस झील में कई छोटे द्वीप हैं, जिनमें रंग-बिरंगे पंखों वाले पक्षयिों को उड़ते हुए कैमरे में कैद करना काफी अच्छा लगता है।

जानकारी

आयरन की कमी को न करें नजरअंदाज

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कामकाजी महिलाएं हों या गृहिणियां हमेशा अपने स्वास्थ्य को इग्नोर करती हैं. वे दिन भर इतनी व्यस्त रहती हैं कि उन्हें खुद पर ध्यान देने का मौका ही नहीं मिलता. कई बार उन्हें थकान महसूस होती है, मगर ज्यादा काम का बहाना बना कर वे उसे नजरअंदाज कर देती हैं. जबकि अकसर थकान का आभास होना शरीर में आयरन की कमी होने का संकेत होता है.

यदि ज्यादा समय तक इस स्थिति को नजरअंदाज किया जाए तो धीरे धीरे शरीर में खून की कमी होने लगती है और महिलाएं ऐनीमिया से ग्रस्त हो जाती हैं. उन के हीमोग्लोबिन का स्तर नीचे चला जाता है. ऐसे में छोटी से छोटी बीमारी से भी उन्हें बचाना मुश्किल हो जाता है. शरीर को चुस्त दुरुस्त रखने में आयरन की खास भूमिका है. असल में हीमोग्लोबिन के सबसे जरूरी घटक के रूप में आयरन पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है. शरीर के हर सेल को एनर्जी पाने के लिए ऑक्सीजन की जरुरत होती है और सेल्स की यह जरुरत पूरी करने में आयरन मदद करता है. आयरन के बिना शरीर थका और सुस्त सा रहता है। आयरन महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हीमोग्लोबिन बनाने के लिए जरूरी है. आहार से पर्याप्त आयरन न मिलने से ऐनीमिया हो सकता है. इसे आयरन की कमी वाला ऐनीमिया कहा जाता है. इसलिये शरीर में आयरन की कमी का पूर्वानुमान व निदान आवश्यक होता है.

अगर महिलाएं अपनी जीवनशैली में ये बदलाव करें तो यकीन मानिए उनके शरीर में आयरन की कमी कभी नहीं होगी।

- यदि आप शाकाहारी हैं, तो अपने भोजन में मसूर की दाल, फलियां, चना, सेम, छोला और पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक और फूलगोभी का प्रयोग करें. इन सभी में आयरन की पर्याप्त मात्रा होती है.
- यदि आप मांसाहारी हैं, तो ऑयस्टर, बीफ लीवर, चिकन और लीन बीफ जैसे कई विकल्प आपके लिए हैं. ये सभी आपके भोजन में आयरन की कमी को पूरा करते हैं.
- अगर आपको रोज सुबह कौलेज या औफिस के लिए निकलना हो और आपके पास नाश्ता बनाने का समय न हो, तो अपनी सुबह की दिनचर्या में रोटी और ब्रेड को शामिल करें. इन दोनों में आयरन की अतिरिक्त मात्रा होती है जो आपके लिए फायदेमंद है.
- क्या आपको मीठा पसंद है? अगर हां तो डार्क चौकलेट आपके लिए ही है. ये न केवल आपकी भूख मिटाएगी बल्कि आपके शरीर में आयरन की कमी को भी पूरा करेगी.
- आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थों के अतिरिक्त आपको विटामिन सी की भी आवश्यकता होती है. इसके लिए आप ब्रोकोली और स्ट्रॉबेरी का सेवन करना चाहिए और साथ में संतरे का जूस भी हो तो मजा आ जाएगा.
- अगर आपको चाय या कॉफी पसंद है तो ध्यान रखें की कभी भी इन्हें अपने भोजन के साथ न लें. खाने के साथ या उसके बाद चाय या कॉफी पीने से इसमें मौजूद टैनिन खाने में पाए जाने वाले आयरन के अब्जॉर्बशन को कम करता है.
- अपनी जीवनशैली में इन सभी परिवर्तनों के अलावा आप डॉक्टर की सिफारिश पर अपनी दिनचर्या में लिवोजिन जैसा बेहतरीन आयरन सप्लीमेंट भी जोड़ सकते हैं. यह आसानी से उपलब्ध है और आपकी आयरन की कमी से लड़ने में सहायता करेगा.

बच्चों में डालें पढ़ने की आदत

आजकल सभी मातापिता यह शिकायत करते हैं कि बच्चे स्मार्टफोन, टैबलेट, टीवी या फिर मोबाइल पर गेम्स खेलने में लगे रहते हैं. मंजीत कहते हैं, ''एक हमारा जमाना था जब हम पढ़ते हुए कभी नहीं थकते थे.'' साथ में बैठी उन की पत्नी फौरन बोल उठीं, ''मुझे तो मीकू, चीकू बहुत पसंद थे.'' बालपुस्तकों की कमी आज भी नहीं, किंतु आज की पीढ़ी पढ़ने का खास शौक नहीं रखती है. कहीं इस के जिम्मेदार हम ही तो नहीं? पहले इतनी तकनीक हर हाथ में उपलब्ध नहीं होती थी कि बच्चे किताबों के अलावा मन लगा पाते. आजकल गैजेट्स हर छोटेबड़े हाथ को आसानी से प्राप्त हैं.

अपने नन्हे को पढ़ कर सुनाएं

अपने नन्हेमुन्ने का अपने जीवन में स्वागत करने के कुछ वर्षों बाद ही आप उसे कहानी पढ़ कर सुनाने की प्रक्रिया आरंभ कर दें. इस से न केवल आप का अपने बच्चे से बंधन मजबूत होगा बल्कि स्वाभाविक तौर पर उसे पुस्तकों से प्यार होने लगेगा. उम्र के छोटे पड़ाव से ही किताबों के साथ से बच्चों में पढ़ने की अच्छी आदत विकसित होती है. प्रयास करें कि प्रतिदिन कम से कम 20 मिनट आप अपने बच्चों के साथ मिल कर बैठें और पढ़ें. पुस्तकों में कोई रोक न रखें, जो आप के बच्चे को पसंद आए, उसे वह पढ़ने दें.

पढ़ने के साथ समझना भी जरूरी

बच्चा तेजी के साथ किताब पढ़ पाए, यह हमारा लक्ष्य नहीं है, बल्कि जो कुछ वह पढ़ रहा है, उसे समझ भी सके. इस के लिए आप को बीचबीच में कहानी से संबंधित प्रश्न करना चाहिए. इस से बच्चा न केवल पढ़ता जाएगा, बल्कि उसे समझने की कोशिश भी करेगा. आप ऐसे प्रश्न पूछें, जैसे अब आगे क्या होना चाहिए, क्या फलां चरित्र ठीक कर रहा है, यदि तुम इस की जगह होते तो क्या करते. ऐसे प्रश्नों से आप का बच्चा कहानी में पूरी तरह भागीदार बन सकेगा तथा उस की अपनी कल्पनाशक्ति भी विकसित होगी.

बच्चे के रोलमॉडल बनें

यदि आप का बच्चा बचपन से पढ़ने का शौकीन है तब भी घर में किसी रोलमौडल की अनुपस्थिति उसे इधरउधर भटकने पर मजबूर कर सकती है. आप स्वयं अपने बच्चे के रोलमौडल बनें और उस की उपस्थिति में अवश्य पढ़े. चाहे आप को स्वयं पढ़ना बहुत अधिक पसंद न भी हो तब भी आप को प्रयास करना होगा कि बच्चे के सामने आप पढ़ते नजर आएं. क्या पढ़ते हैं, यह आप की इच्छा है, लेकिन आप के पढ़ने से आप का बच्चा यह सीखेगा कि पढ़ना उम्र का मुहताज नहीं होता और हर उम्र में इंसान सीखता रह सकता है.

आसपास देख कर सिखाइए

छोटे बच्चे बिना पढ़े ही क्रीम की बोतल के नाम, शैंपू के नाम, उन के पसंदीदा रैस्तरां, जैसे डोमिनोज का नाम आदि जान जाते हैं. कैसे? चिह्नों द्वारा. मीनल बताती हैं कि उन की डेढ़ वर्षीय बिटिया ढेर सारे चिह्न (कंपनियों के लोगो) पहचानती है और उन की कंपनियों के नाम बता देती है तो जब उन के दूसरा बच्चा होने का समय निकट आया, उन्होंने नवजात शिशु की कौट के ऊपर उस के नाम के अक्षर टांग दिए. इस का असर यह हुआ कि न केवल उन की बड़ी बिटिया नाम की स्पैलिंग सीख गई, बल्कि छोटी भी बहुत जल्दी वर्णमाला सीख गई. तकनीकी भाषा में इसे 'एनवायरनमैंटल प्रिंट' कहते हैं अर्थात चिह्नों की सहायता से बच्चे, बिना पढ़े ही, भिन्न रैस्तरां, सौंदर्य प्रसाधन, ट्रैफिक सिग्नल, कपड़े, पुस्तकें आदि पहचानने लगते हैं और उन में भेद कर सकते हैं. नन्हे बच्चों की उत्सुक प्रवृत्ति का लाभ उठाते हुए आप उन्हें न केवल किसी चीज का शाब्दिक अर्थ बल्कि सामाजिक महत्त्व तथा उपयोग भी बता सकते हैं. अपने आसपास की चीजें देख वे प्रश्न करेंगे और आप उत्तर के द्वारा उन्हें कई चीजें सिखा सकते हैं.

भिन्न प्रकार की पुस्तकों को बनाएं मित्र

जब आप का बच्चा पढ़ने लगे, तब आप उसे भिन्न प्रकार की पुस्तकें पढ़ने को दें, जैसे अक्षर ज्ञान वाली पुस्तकें, बाल कहानियां, कविताओं की पुस्तकें आदि. साथ ही, वह एक प्रकार की कहानियों को दूसरी से अलग करने में अपने दिमाग में विचारों को बनाना व संभालना सीखेगा.

खेलखेल में

कई खेलों द्वारा आप अपने छोटे बच्चे को पढ़ने की ओर आकर्षित कर सकती हैं. दिल्ली की प्रेरणा सिंह कहती हैं, ''हर शुक्रवार वे अपनी सोसाइटी में 5 से 7 साल के बच्चों के लिए 'फन फ्राइडे' मनाती हैं. यहां वे बच्चों की टोली को अलगअलग टीम में विभाजित कर खेलों द्वारा पढ़ने की ओर उन का रुझान पैदा करती हैं. इस के लिए वे कई खेलों का सहारा लेती हैं. वे कहती हैं, ''केवल स्कूली पढ़ाई ही जीवन में काम नहीं आती. जो कुछ हम अपने वातावरण से सीखते हैं, वही हमारा व्यक्तित्व बनता है और जिंदगी में हमारे काम आता है.''

डिजिटल बनाम प्रिंट

वर्ष 2013 से 2015 तक नाओमि बैरोन द्वारा किए गए शोध में 5 देशों-भारत, जापान, अमेरिका, जरमनी व स्लोवेनिया के 429 विश्ववि-ालयों के छात्रों से जब डिजिटल बनाम कागज की किताबों की तुलना करने को कहा गया तो छात्रों की प्रतिक्रिया थी कि उन्हें कागज की खुशबू भाती है. उन्हें कागज को छूने, देखने, पकड़ने से आभास होता है कि वे पढ़ रहे हैं. प्रिंट उन्हें बेहतर समझ में आता है और अधिक याद रहता है.

सोशल मीडिया का असर

सोशल मीडिया पर ज्ञान तो बहुत है पर सही या गलत, इस का कोई प्रमाण नहीं है. जिस के जो दिल में आता है, वह उस का औडियो या वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर अपलोड कर देता है।

रेसिपी

मैगी पकौड़ा

सामग्री

300 मिली पानी, 2 पैकेट मैगी, 2 पैकेट मैगी मसाला, 70 ग्राम पत्तागोभी, 70 ग्राम प्याज, 70 ग्राम शिमला मिर्च, 25 ग्राम धनिया, 1 टीस्पून नमक , 2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 45 ग्राम सूजी, 35 ग्राम बेसन, 2 टेबलस्पून पानी

विधि

एक पैन में पानी डालकर उबालें. अब इसमें मैगी और मैगी मसाला डालकर अच्छे से मिक्स करें और पकाएं. बाद में बाउल में निकाल लें. अब इसमें पत्तागोभी, प्याज, शिमला मिर्च, धनिया, नमक, लाल मिर्च पाउडर, सूजी, बेसन और पानी डालकर अच्छे से मिक्स कर लें. थोड़ा-सा मिक्सचर लेकर छोटी-छोटी बाल्स बना लें और साइड रख दें. अब एक पैन में तेल गर्म कर इन्हें अच्छे से फ्राई करें. इन्हें तब तक फ्राई करें जब तक इनका रंग हल्का गोल्डन ब्राउन न हो जाएं. मैगी पकौड़े तैयार हैं. इन्हें गर्मा-गर्म सर्व करें.

स्पाइसी पनीर काठी रोल्स

सामग्री

1 कप प्याज बारीक कटा हुआ, 1 कप बींस बारीक कटी हुई, 1 कप गाजर बारीक कटी हुई, 1 कप बंदगोभी बारीक कटी हुई, 1 छोटा चम्मच अदरक कसा हुआ, 1 छोटा चम्मच लहसुन कसा हुआ, 250 ग्राम पनीर के टुकड़े, 1 कप टोमैटो कैचप, नमक , काली मिर्च स्वादानुसार

सामग्री रोटी के लिए: 500 ग्राम मैदा, 1/2 छोटा चम्मच नमक , 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन, 1/2 कप पिघला मक्खन , पानी मैदा गूंधने के लिए

विधि

रोटी की सामग्री गूंध कर लोइयां बना लें और बड़े आकार की चपातियां बना कर एक तरफ रख लें. अब कड़ाही में तेल गरम कर, अदरक, लहसुन, वैजिटेबल्स, नमक व कालीमिर्च मिला कर 5-7 मिनट पकाएं. इस के बाद पनीर व टोमैटो कैचप मिला कर भरावन के लिए सामग्री तैयार कर लें. रोल बनाने के लिए हरेक चपाती के बीच में भरावन रखें. फिर उन के ऊपर पुदीना चटनी और प्याज के टुकड़े रख कर रोल बना लें. परोसने से पहले, रोल्स को ओवन में गरम कर लें और गरम गरम प्याज और पुदीना चटनी के साथ परोसें.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**